THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 129 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.9 2080 गुरुवार, 27 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ज्ञानवापी के सर्वे पर लगी रोक बढ़ी

हाईकोर्ट फिर से करेगा मामले पर सुनवाई

प्रयागराज, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ज्ञानवापी सर्वे पर लगी रोक कल तक बढ़ गई है। शुक्रवार को साढ़े तीन बजे फिर से इलाहाबाद हाईकोर्ट मामले पर सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर ने ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कराये जाने के मामले में दाखिल अंजुमन इंतजामिया कमेटी की याचिका पर सुनवाई करते हुए एएसआई के वैज्ञानिक को 4.30 बजे तलब किया था। एएसआई की ओर से वैज्ञानिक आलोक त्रिपाठी पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जीपीआर विधि और फोटोग्राफी विधि से कैसे सर्वेक्षण होगा। साथ ही एएसआई वैज्ञानिकों ने बताया कि वैज्ञानिक सर्वेक्षण से मूल ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा।

इस बीच कोर्ट ने एएसआई से पूछा कितना सर्वे हो चुका है? कब तक पूरा कर लेंगे सर्वे? इस पर एएसआई ने कहा अगर अनुमति मिली तो 31 जुलाई तक सर्वे पूरा हो जाएगा। कोर्ट एएसआई से यह स्पष्ट करना चाहती है कि सर्वे के दौरान कोई क्षति हो सकती है। कोर्ट इस मामले में एएसआई से उस मैथेड को जानना चाहती है, जिसके जरिये एएसआई सर्वे कर रही है। कोर्ट सर्वे सिस्टम का डेमो भी देखेगी। इसके पूर्व सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा वैज्ञानिक सर्वेक्षण से स्थापित ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। मुस्लिम पक्षकार ने तर्क दिया कि कौन लेगा नुकसान न होने की गारंटी।

मणिपुर पर अविश्वास प्रस्ताव मंजूर

लोकसभा स्पीकर बोले-सभी दलों से बातचीत के बाद बहस का वक्त तय करेंगे

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। जिसे लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने मंजूरी दे दी। दोपहर 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

स्पीकर ने नियमों के तहत 50 से ज्यादा सांसदों के समर्थन के बाद कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर बहस का समय सभी दलों से बातचीत के बाद तय करेंगे। हालांकि विपक्ष नारेबाजी करते हुए पीएम मोदी की मौजूदगी की मांग करने लगे। इसके बाद लोकसभा 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। दोबारा कार्रवाई शुरू होने पर वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक पारित हुआ। हालांकि विपक्ष के हंगामे के चलते इसे गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में दोबारा कार्रवाई शुरू हुई। लेकिन विपक्षी सांसद लगातार वी वॉन्ट जस्टिस, पीएम मोदी जवाब दो के नारे लगाते रहे। बाद में इसे दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। दोपहर 2 बजे जब कार्रवाई शुरू हुई तो विपक्ष ने लगातार दूसरे दिन सदन से वॉकआउट कर दिया। हालांकि, सदन में कुछ विधेयक पास होने के बाद कार्रवाई 27 जुलाई तक स्थगित कर दी गई।

मोदी की भविष्यवाणी वाला 2018 का बयान वायरल

सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की भविष्यवाणी पीएम मोदी ने 5 साल पहले ही कर दी थी। दरअसल, 2018 में जब संसद में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, तब लोकसभा में जवाब देते हुए मोदी ने कहा था, मैं आपको शुभकामनाएं देना चाहता हूं कि आप इतनी तैयारी करें कि आपको 2023 में फिर से अविश्वास लाने का मौका मिले।

खड़गे ने शाह की चिट्ठी का जवाब दिया

पीएम हमें आतंकी कहते हैं, आप सकारात्मक रवैए की मांग करते हैं

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह के 25 जुलाई के पत्र का जवाब दिया है। उन्होंने पत्र लिखकर कहा कि केंद्र सरकार की कथनी और करनी में बहुत फर्क है।

खड़गे ने लिखा कि अमित शाह जी, जिस दिन पीएम ने विपक्षी दलों को अंग्रेज शासकों और आतंकवादी दल से जोड़ा, उसी दिन गृहमंत्री ने भावनात्मक पत्र लिखकर विपक्ष से सकारात्मक रवैया अपनाने को कहा। दरअसल, शाह ने मंगलवार को खड़गे और अधीर रंजन चौधरी के नाम पत्र लिखकर कहा था कि सरकार मणिपुर मामले पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए विपक्ष को सरकार का साथ देना होगा। खड़गे ने लिखा कि अमित शाह जी, आपका 25 जुलाई का पत्र तथ्यों से उलट है। मणिपुर की स्थिति पर इंडिया अलायंस की पार्टियां पीएम से मांग कर रही हैं कि वे संसद को संबोधित करें, ताकि इस पर चर्चा हो सके। लेकिन, आपके पत्र की भावनाओं में और आपकी करनी में जमीन आसमान का फर्क है।

बिहार में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग, एक की मौत

कटिहार में बिजली कटौती के विरोध में लोगों ने किया पथराव

कटिहार, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले में बिजली विभाग के खिलाफ उग्र प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने फायरिंग कर दी। इसमें एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। प्रदर्शनकारियों के पथराव में 12 से अधिक पुलिसकर्मी और बिजली कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने फायरिंग में एक ग्रामीण की मौत की पुष्टि की है। उसका नाम बासल गांव निवासी खुर्शीद आलम (34) बताया गया है। वहीं, बारसोई के चापाखोड़ पंचायत निवासी नियाज आलम (32) की हालत नाजुक है। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस फायरिंग में 5 लोगों को गोली लगी है।

बारसोई अनुमंडल में बुधवार दोपहर 12:30 बजे बिजली कटौती के खिलाफ एक हजार से अधिक लोग सड़क पर उतर गए। प्रदर्शनकारी बिजली दफ्तर का घेराव करने पहुंचे। प्राणपुर के बस्तौल चौक और बारसोई प्रखंड मुख्यालय का मेन रोड जाम करके लोग प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस पहुंची, लेकिन आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पहले लाठीचार्ज किया। उग्र भीड़ फिर भी नहीं मानी, तब पुलिस ने गोली चलाई।

पीएम मोदी ने आईईसीसी कॉम्प्लेक्स में हवन किया

सबसे बड़े कन्वेंशन सेंटर का रीडेवलपमेंट 2700 करोड़ में हुआ, 7000 लोग बैठ सकेंगे

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में रीडेवलप किए गए इंटरनेशनल एग्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर (आईईसीसी) पर हवन और पूजा की। कन्वेंशन सेंटर का रीडेवलपमेंट 2,700 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

इस कन्वेंशन सेंटर में 9 से 10 सितंबर तक 18वीं जी-20 बैठक होगी। सरकारी एजेंसी इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन यानी आईटीपीओ का यह कॉम्प्लेक्स 123 एकड़ में फैला है। आईईसीसी दुनिया के लीडिंग एग्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर्स में से एक है। यह कॉम्प्लेक्स देश का सबसे बड़ा एमआईसीए (मीटिंग्स, इंसेंटिव, कांफ्रेंस और एग्जीबिशन) सेंटर है।

इसमें 7,000 से ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता है और यह सिडनी के ओपेरा हाउस से भी बड़ा है, जहां 5,500 लोग बैठ पाते हैं। इस कन्वेंशन सेंटर में 3,000 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला एक एम्फीथिएटर भी है, जो तीन पीवीआर थिएटरों के बराबर है। मीटिंग रूम में 100 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। 5,500 से ज्यादा वाहनों के लिए पार्किंग की जगह भी दी गई है।

केजरीवाल ने समन रद्द करने सेशन कोर्ट में याचिका लगाई

5 अगस्त को होगी सुनवाई, पीएम मोदी की डिग्री से जुड़ा है मामला

अहमदाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल में समन जारी करने पर सेशंस में याचिका लगाई है। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात यूनिवर्सिटी की तरफ अहमदाबाद की निचली अदालत में दाखिल किए मानहानि केस में समन पर सवाल खड़े किए हैं। केजरीवाल की तरफ से सेशंस में दाखिल अर्जी में समन कई तरीके से गलत बताया गया है।

केजरीवाल की अर्जी पर कोर्ट ने गुजरात सरकार और गुजरात यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी। बता दें, केजरीवाल के अलावा राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी अहमदाबाद के सिटी सिविल सेशंस कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। केजरीवाल ने सेशंस में समन के खिलाफ रिवीजन अर्जी लगाकर कहा है कि समन के ऑथराइजेशन प्रॉपर नहीं है। यूनिवर्सिटी ने जिन आधार पर मानहानि का केस किया वह मामला ही नहीं बनता है।

सरकार मानसिक स्वास्थ्य को भी अहमियत देती है: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री भारती प्रवीण पवार ने बुधवार को कहा कि सरकार मानसिक स्वास्थ्य को भी अहमियत देती है तथा इससे जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षण देने जैसे काम 'मिशन मोड' पर किए जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से निपटने की दिशा में "मिशन मोड" में काम किया जा रहा है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की मेजबानी में यहां विज्ञान भवन में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि समाज अब भी मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से नहीं लेता।

यमुना का जलस्तर कम हुआ लेकिन मंडरा रहा बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बुधवार सुबह खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे आ गया, लेकिन फिर भी अभी खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है क्योंकि आज सुबह हुई भारी वर्षा की वजह से ये जलस्तर दोबारा बढ़ सकता है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह नौ बजे लोहे के पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 205.09 मीटर दर्ज किया गया।

कहां होगी बारिश?

आईएमडी ने 27 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के बाद हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद रविवार को दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था। रेलवे को रविवार रात लोहे के पुराने पुल पर ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी थी। अधिकारियों ने बताया कि नदी के जल स्तर में वृद्धि से राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे राहत और पुनर्वास कार्य पर असर पड़ने की आशंका है। सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में जल स्तर शनिवार रात 10 बजे 205.02 मीटर से बढ़कर सोमवार सुबह तीन बजे 206.57 मीटर हो गया और फिर गिरावट शुरू हो गई। दिल्ली को इस महीने अभूतपूर्व जलभराव और बाढ़ से जूझना पड़ा। शुरुआत में आठ जुलाई और नौ जुलाई को भारी बारिश के कारण बड़े पैमाने पर जलजमाव हुआ। इसके बाद हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा सहित यमुना के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदी के जलस्तर में रिकॉर्ड वृद्धि हुई।

नदी का जल 13 जुलाई को 208.66 मीटर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इसने सितंबर 1978 में 207.49 मीटर के सबसे अधिक जलस्तर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। दिल्ली में यमुना के तटीय इलाकों में बाढ़ के कारण 27,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ के कारण करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों ने इसके लिए नदी के बाढ़ क्षेत्र में अतिक्रमण, थोड़े समय में अत्यधिक वर्षा और गाद जमा होने को जिम्मेदार ठहराया था।

दिल्ली में कितनी बारिश दर्ज की गई?

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चलता है कि बुधवार सुबह आठ बजकर 30 मिनट तक पिछले 24 घंटे की अवधि में सफदरजंग मौसम केंद्र पर 37.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसी तरह लोधी रोड में 35.1, आयानगर में 26, मुंगेशपुर में 53.5 और मयूर विहार के मौसम केंद्र 110.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यमुना का जलस्तर 13 जुलाई को 208.66 मीटर के अब तक के सबसे हाईलेवल पर पहुंच गया था और उसके बाद से बार-बार जलस्तर में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईडी डायरेक्टर के कार्यकाल फिर बढ़ाने को लेकर

सुप्रीम कोर्ट पहुंची केंद्र सरकार, दायर की याचिका

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र ने ईडी के डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में 27 जुलाई को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक, ईडी डायरेक्टर के तौर पर एसके मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई को खत्म हो रहा है। आज ईडी डायरेक्टर एसके मिश्रा के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की। इस याचिका की मेंशनिंग एसजी तुषार मेहता ने की है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। कल यानी 27 जुलाई को इस मामले पर 3:30 बजे सुनवाई की जाएगी।

कार्यकाल को बताया था अवैध

गौरतलब है, इससे पहले कोर्ट से केंद्र सरकार को निराशा हाथ लगी थी। कोर्ट ने अपने आदेश में एके मिश्रा के तीसरी बार बढ़ाए गए कार्यकाल को अवैध बताया था और 31 जुलाई तक अपना पद छोड़ने को कहा था। साथ ही न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की बेंच ने ईडी डायरेक्टर के कार्यकाल को अधिकतम पांच साल तक बढ़ाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम में संशोधन को सही ठहराया था।

2018 में बने थे ईडी के डायरेक्टर

संजय मिश्रा 1984-बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) आयकर कैडर के अधिकारी हैं। जानकारी दे दें कि संजय कुमार मिश्रा को नवंबर 2018 में इडी के डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे पहले मिश्रा जांच एजेंसी में प्रमुख विशेष निदेशक के रूप में कार्यरत थे और ईडी में नियुक्ति से पहले संजय मिश्रा दिल्ली में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के मुख्य आयुक्त थे।

विरुधुनगर विस्फोट स्टालिन ने की मृतकों के परिवारों को 3-3 लाख देने की घोषणा

चेन्नई, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के। स्टालिन ने विरुधुनगर जिले के शिवकाशी शहर में पटाखा विस्फोट में मरने वाली दो महिलाओं के परिवारों को 3-3 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। विरुधुनगर जिले के शिवकाशी शहर में यह विस्फोट हुआ था। स्टालिन ने बुधवार को एक बयान में कहा, "मुझे यह सुनकर गहरा दुख हुआ कि इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई।" दो महिला कर्मचारी, मुरुगेश्वरी और बानू शिवकाशी में पटाखा इकाई में काम करती थी। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है और जांच के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी।

सिद्दारमैया ने विपक्षी दलों के गठबंधन को 'ईस्ट इंडिया कंपनी' कहने पर पीएम मोदी को घेरा

बेंगलुरु, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बुधवार को विपक्षी दलों के गठबंधन, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इक्लूसिव अलायंस यानि इंडिया को ईस्ट इंडिया कंपनी कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। सोशल मीडिया पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी हैं जिन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन से की है। सीएम ने कहा, नीरव मोदी और ललित मोदी जिन्होंने भारतीय करदाताओं के सैकड़ों करोड़ रुपये लूट लिए और देश से भाग गए, आपका नाम भी मोदी है? क्या उनकी तुलना आपसे की जा सकती है? सिद्दारमैया ने आगे कहा, ललित और नीरव के सरनेम पूछने को लेकर राहुल गांधी पर मानहानि का मुकदमा किया गया, दो साल की सजा सुनाई गई और लोकसभा से अयोग्य ठहराया गया। अब आपने 'इंडिया' की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन से की है, क्या राहुल गांधी के खिलाफ की गई कार्रवाई यहां लागू नहीं होती? सीएम सिद्दारमैया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपको 'इंडिया' के सुंदर, मधुर और पवित्र नाम से इतनी नफरत क्यों है? इंडिया नाम से क्या आप अपने ही सरकारी कार्यक्रमों जैसे मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया आदि का नाम बदल देंगे?

बीजेपी नेता किरीट सोमैया का वायरल वीडियो है एकदम असली

क्राइम ब्रांच ने किया बड़ा खुलासा

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया का एक वीडियो पिछले हफ्ते वायरल हुआ था। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, इस मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच ने जांच के दौरान जो पाया है, उसमें दावा किया कि यह वीडियो असली है। क्राइम ब्रांच ने कहा कि इसे किसी भी तरह से टेंपर या मॉर्फ़ नहीं किया गया है। तकनीकी विशेषज्ञों और साइबर एक्सपर्ट की मदद से क्राइम ब्रांच यूनिट सोमैया के 10 वीडियो की सत्यता की जांच की है तब इस नतीजे पर पहुंची है।

किरीट सोमैया के वीडियो मॉर्फ़ नहीं किए गए

गौरलतब है कि जब ये वीडियो सामने आया तो डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में इस मामले की जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम इस पूरे वीडियो का बारीकी से विश्लेषण किया और ये पाया की वीडियो मॉर्फ़ नहीं किया गया है। जब वीडियो असली निकले तो पुलिस अब इस इस दिशा में जांच कर रही है कि इस वीडियो को किसने वायरल किया और किस उद्देश से इसे वायरल किया है।

मराठी न्यूज चैनल ने प्रसारित किए थे सेक्स टेप

बता दें कि पिछले हफ्ते एक मराठी न्यूज चैनल ने बीजेपी नेता सोमैया के कथित सेक्स टेप को प्रसारित किया था, जो फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मराठी न्यूज चैनल ने यह भी दावा किया था कि उनके पास और भी इसी तरह के वीडियो मौजूद हैं। क्राइम ब्रांच ने उस न्यूज चैनल को पत्र लिखकर उन वीडियोस की मांग की थी, जिससे जांच को आगे बढ़ाया जा सके।

महाराष्ट्र मानसून सत्र के दौरान बहस हुई थी, जिसमें मुख्य विपक्षी नेता अंबादास दानवे ने महाराष्ट्र विधानसभा में एक 8 घंटे की पेन ड्राइव जमा की, इसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जो कि गृह मंत्रालय भी संभालते हैं, उन्होंने एक उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया था।

कर्नाटक में तेंदुए ने 9 साल के बच्चे पर किया हमला

बेंगलुरु, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के चामराजनगर जिले में नौ वर्षीय एक स्कूली छात्र पर तेंदुए ने हमला कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पीड़ित की पहचान हर्षित के रूप में की गई है, जो यालंदुरु तालुक के मल्लीगेहल्ली गांव का निवासी है। तेंदुए के हमले के चलते हर्षित के चेहरे, गर्दन, पेट और पैरों पर चोटें आई है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। तेंदुआ गांव के प्राइमरी स्कूल के पास छिपा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम जब लड़का स्कूल से अपने घर के लिए निकला तो तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। ग्रामीण उसकी मदद के लिए दौड़ पड़े और शोर मचा दिया। तेंदुआ उसे छोड़कर खेतों में गायब हो गया।

बॉम्बे हाईकोर्ट : छात्रों को ऑनलाइन बेचता था चरस वाली ब्राउनीज

कोर्ट ने नहीं दी जमानत, कहा- पूरे परिवार को बर्बाद किया

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ड्रग्स के युवाओं की जिंदगी और शरीर पर दुष्प्रभाव का हवाला देते हुए एक शख्स की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि नशीले पदार्थ सिर्फ एक आदमी को नहीं बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देते हैं। चरस ब्राउनीज बेचने के आरोप में दो साल से जेल में बंद एक शख्स की जमानत याचिका पर कोर्ट सुनवाई कर रहा था। जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई ने कहा कि ड्रग्स और नशीले पदार्थ युवाओं में फिजिकल, मनोवैज्ञानिक और इमोश्नल डिस्ऑर्डर्स का खतरा बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि इसके दुष्प्रभाव लंबे समय तक व्यक्ति पर असर डालते हैं और इससे सिर्फ वो व्यक्ति नहीं बल्कि इसमें पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है।

डब्ल्यूईफ़ास्ट एप के जरिए चला रहा था धंधा

इस मामले की जांच कर रहे नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दावा किया कि आरोपी से यंगस्टर्स और छात्रों को नशीले पदार्थ मरिजुआना से बनी हुई ब्राउनी बेचता था। एनसीबी ने यह भी बताया कि वह एक एप डब्ल्यूईफ़ास्ट के जरिए यह धंधा चला रहा था और ऑनलाइन चरस से बनी हुई ब्राउनीज बेचता था। इसके बाद उसके ठिकानों पर रेड मारी गई, जिसमें 10 किलो चरस की ब्राउनी बरामद की गईं।

2021 से जेल में बंद है आरोपी

एनसीबी की तरफ से वकील श्रीराम श्रीसत ने कहा कि आरोपी के बयानों से लगता है कि वह युवाओं को निशाना बना रहा था क्योंकि उसके ज्यादातर ग्राहक यंगस्टर्स ही हैं और ऐसा करके वह उनका भविष्य भी प्रभावित कर रहा था। उधर, आरोपी के वकील तारक सैय्यद ने एनसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठाया और जमानत की मांग की। वकील ने कहा कि वह एक युवा लड़का है और उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। आरोपी 12 जुलाई, 2021 से जेल में बंद है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस प्रभुदेसाई ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस बात की संभावना है कि आरोपी फिर से चरस ब्राउनी बेचना शुरू कर दे।

आटा लेने जा रही बुजुर्ग महिला को पिटबुल ने काटा, मालिक पर केस दर्ज

हिसार, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हिसार की तेजा मार्केट में रहने वाली 60 साल की बुजुर्ग महिला को पालतू पिटबुल ने काट लिया। कुत्ते के काटने से पांव से खून बहने लगा। जख्मी हालत में महिला बलबीर कौर को अस्पताल लेकर आए। सदर थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर पिटबुल मालिक के खिलाफ कुत्ता खुला छोड़ने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तेजा मार्केट में रहने वाली 60 वर्षीय बलवीर कौर ने बताया कि दोपहर बाद 3 बजे के करीब ढंढूर गांव स्थित एक दुकान से आटा खरीदने के लिए जा रही थी। जब गांव के नजदकी एक गोदमा के पास पहुंची तो गोदाम के अंदर से एक पिटबुल कुत्ता निकल कर आया। उसने पीछे से पांव से काट लिया। दर्द के चलते चिल्लाती रही लेकिन कुत्ते ने पांव नहीं छोड़ा।

आवारा कुत्तों के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं बीजेपी नेता विजय गोयल, अब पुणे की सोसाइटी में पहुंचे

पुणे, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर मुहिम चला रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के नेता विजय गोयल पुणे में इसी तरह की समस्या का सामना कर रही एक सोसाइटी पहुंचे। वडगांवशेरी इलाके में ब्रम्हा सनसिटी सोसाइटी के दौरे के दौरान मंगलवार को गोयल ने कहा कि इस समस्या पर नकेल कसने के लिए 10 सूत्री कार्यक्रम लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या से निपटना प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सोसाइटी के लोगों ने बताया कि इस साल फरवरी में सोसाइटी के एक लड़के पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था।

हाई कोर्ट ने दिया था कुत्तों की रिहाई का ऑर्डर

सोसाइटी के लोगों ने लड़के पर कुत्ते के हमले के बारे में पुणे नगर निगम (पीएमसी) से शिकायत भी की थी, जिसके बाद वह 50 से 60 आवारा कुत्तों को अपने साथ ले गई थी। हालांकि पशुओं के कल्याण के लिए काम करने वाले एक कार्यकर्ता ने इसके खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी और अदालत ने कुत्तों को छोड़ने का आदेश दे दिया था। हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने के लिए स्थानीय निवासियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। गोयल ने कहा, ''इस मुद्दे को हल करने के लिए 10 सूत्रीय कार्यक्रम की आवश्यकता है, जिसमें आवारा कुत्तों की 100 प्रतिशत नसबंदी, रेबीज-रोधी इंजेक्शनों का प्रबंधन, कुत्ता पालने की कुशल नीति शामिल हैं।'

'समस्या से निपटना नगर निकाय की जिम्मेदारी'

गोयल ने कहा कि इसके साथ ही सरकार को कुत्ते के हमले का शिकार हुए पीड़ितों को मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या से निपटना नगर निकाय की जिम्मेदारी है, लेकिन उनकी ओर से कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। गोयल ने बताया कि पशु कल्याण बोर्ड हाल ही में पशु जन्म नियंत्रण नियमावली लेकर आया है, इसकी वजह से भी इस मुद्दे का समाधान खोजने में बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में संबंधित मंत्री से मुलाकात कर अनुरोध किया कि इन नियमों और दिशानिर्देशों में संशोधन किया जाए।'

दिल्ली में भी गंभीर है आवारा कुत्तों की समस्या

ब्रम्हा सनसिटी सोसाइटी के सदस्यों में से एक नागेंद्र रामपुरिया ने बताया कि आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर गोयल द्वारा शुरू किए गए आंदोलन को देखकर वे दिल्ली में उनसे मिले थे और उन्हें अपनी पीड़ा से अवगत कराया था। दिल्ली में भी आवारा कुत्तों की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है और आए दिन किसी न किसी जगह इनके द्वारा किए गए हमलों की खबरें आती रहती हैं।

अनाथ बच्चों को बाइबिल पढ़ाई, रोज चर्च ले जाते

मिशनरी अनाथालय के संचालक पर एफआईआर 71 बच्चे मिले

इंदौर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। झाबुआ जिले के जोबट में धर्मांतरण का बड़ा मामला सामने आया है। जोबट के मिशनरी बाल गृह की संस्था अध्यक्ष कल्पना डेनियल पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यहां की कई शिकायतें आ रहीं थी जिसके बाद निरीक्षण के बाद राज्य बाल संरक्षण आयोग ने निरीक्षण किया और इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। सदस्यों ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है और अब यहां के सभी 13 सदस्यों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। यह भी पता चला है कि बिना पंजीयन के ही यह संस्था 35 साल से चल रही थी। जोबट के नर्मदा नगर में आदिवासी सहायता समिति की ओर बाल गृह संचालित किया जा रहा है। इसकी कई शिकायतें आ चुकीं थी। इसके बाद राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह, सोनम निनामा ने स्थानीय बाल कल्याण समिति अध्यक्ष और अफसरों के साथ सोमवार को यहां जांच की। दल ने निरीक्षण में पाया कि संस्था का संचालन गैर कानूनी तरीके से किया जा रहा था। किशोर न्याय अधिनियम की धारा 42 के तहत बाल गृह पंजीयन के दस्तावेज मांगने पर समिति अध्यक्ष कल्पना डेनियल उपलब्ध नहीं करा पाईं। दरअसल, यह संस्था बिना पंजीयन के ही 35 साल से संचालित हो रही थी। इसके बाद बाल आयोग ने जोबट पुलिस थाने पर नियमों का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज कराई। संस्था अध्यक्ष के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की गई है।

मणिपुर में नहीं थम रहा हिंसा का दौर, भीड़ ने सुरक्षा बलों की 2 बसों में आग लगाई

इंफाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर को लेकर एक तरफ जहां संसद में हंगामा चल रहा है वहीं जमीन पर भी हालात कुछ अच्छे नहीं हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में भीड़ ने सुरक्षा बलों की 2 बसों में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह घटना सपोरमीना में उस समय हुई, जब बसें मंगलवार शाम दीमापुर से आ रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा में शामिल एक समुदाय के लोगों ने मणिपुर की पंजीकरण संख्या वाली बसों को सपोरमीना में रोक लिया।

मणिपुर में जारी हिंसा में अब तक 160 लोगों की मौत

अधिकारियों ने कहा कि लोगों के इस ग्रुप ने बसों को रोकने के बाद कहा कि वे इस बात की जांच करेंगे कि इनमें कहीं दूसरे समुदाय का कोई सदस्य तो नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि उनमें से कुछ लोगों ने बसों में आग लगा दी। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान हिंसा भड़कने के बाद से राज्य में अब तक 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं तथा कई अन्य घायल हुए हैं।

महिलाओं का वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा बढ़ा

बता दें कि राज्य में मेइती समुदाय की आबादी करीब 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे अधिकतर पर्वतीय जिलों में रहते हैं। मणिपुर में 2 महिलाओं की निर्वस्त्र परेड का वीडियो बीते बुधवार, 19 जुलाई को सामने आया था जिसके बाद देश भर में आक्रोश फैल गया और विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन भी हुए। अधिकारियों ने बताया कि यह वीडियो 4 मई का है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं लेकिन इस मुद्दे पर सड़क से संसद तक हंगामा बदस्तूर जारी है।

भाजपा को 38 पार्टियों वाले एनडीए की जरूरत नहीं ईडी, आईटी और सीबीआई ही काफी है: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को पूछा कि 'सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 38-दलों वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की क्या आवश्यकता है जबकि उसके पास ईडी, आईटी और सीबीआई हैं। ठाकरे ने कटाक्ष करते हुए कहा, कई वर्षों के बाद यह पता चला है कि देश में एनडीए नामक अमीबा जीवित है। हम, जो देशभक्त राजनेता हैं, ने 'इंडिया' नामक गठबंधन बनाया है। उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 38 दलों के नेताओं की मेजबानी की।

ईमानदारी से कहें तो उन्हें इतनी सारी पार्टियों की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। केवल तीन समूह - ईडी, आईटी और सीबीआई ही उनके लिए काफी हैं।" उन्होंने दावा किया कि एनडीए में कई दलों के पास एक भी सांसद नहीं है। 'असली शिव सेना' (ठाकरे के नेतृत्व वाली) एनडीए का हिस्सा नहीं है, लेकिन (सीएम एकनाथ शिंदे की) शिव सेना में केवल गद्दार शामिल हैं। पूर्व सीएम ने यह भी चेतावनी दी कि 2024 देश के इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज करेगा, और सब कुछ खत्म हो जाएगा - जैसे कि ब्रिटिश साम्राज्य में सूरज आखिरकार डूब गया था, क्योंकि यह प्रकृति का नियम है। अपने 62वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सामना समूह के कार्यकारी संपादक सांसद संजय राउत को दिए गए अपने वार्षिक मैराथन मल्टी-मीडिया साक्षात्कार में ठाकरे की तीखी टिप्पणियाँ आईं, जिसकी पहली किस्त बुधवार को प्रकाशित हुई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
जितना कठिन संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी

उर्वरक दुकानों को पीएम किसान सेवा केंद्रों में बदला जाएगा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि उर्वरकों की खुदरा दुकानों को गुरुवार से प्रधान मंत्री किसान सेवा केंद्रों में बदल दिया जाएगा और कहा कि देश में 2.8 लाख दुकानों को किसान समृद्धि केंद्रों में अपग्रेड किया जाएगा। पहले चरण में, प्रधानमंत्री 1.25 लाख दुकानों का उद्घाटन करेंगे और कहा कि दुकानों में सल्फर लेपित यूरिया भी उपलब्ध कराया जाएगा।

किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान कल्याण कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र कम कीमतों पर खाद, बीज, कृषि उपकरण, किसान सम्मान योजना जैसी कई पहल भी लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बुधवार से उर्वरक खुदरा दुकानों को प्रधानमंत्री किसान सेवा केंद्रों में परिवर्तित करके किसानों को एक ही स्थान पर सभी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि वे किसान केंद्रों के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों के उन्नयन और जागरूकता की दिशा में काम करेंगे और कहा कि केंद्र किसानों से संबंधित केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2.80 करोड़ खुदरा दुकानों को प्रधानमंत्री किसान सेवा केंद्रों में अपग्रेड करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि वे केंद्रों पर नीम लेपित यूरिया के साथ-साथ सल्फर लेपित यूरिया की भी आपूर्ति करेंगे।

श्री रेड्डी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान प्रोत्साहन की 14वीं किश्त बुधवार सुबह 8.5 करोड़ किसानों के बैंक खातों में जारी की जाएगी और कहा कि तेलंगाना में लगभग 39 लाख किसानों को योजना के तहत उनके खातों में पैसा मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को अब ओपीडीसी के दायरे में लाया गया है और कहा कि पीएम किसानों की उपज के लिए विपणन नेटवर्क बढ़ाने के लिए एक कार्य योजना की घोषणा करेंगे। उत्पत्ति कि वे किसानों के लिए जिला स्तर पर सभी डीलरों की दुकानों पर कीटनाशकों का छिड़काव करने वाले ड्रोन उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि बीज परीक्षण के अलावा कल से देश में पहली बार खेती के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी का भी परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना पर बैंकों और किसानों के साथ समन्वय के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हम किसानों की समस्याओं और समस्याओं के बारे में एक-दूसरे को जानने के लिए बुधवार से किसानों की 'किसान की बात' समूह बैठक लागू करने जा रहे हैं। यह हर महीने के दूसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे किसान सेवा केंद्र के तहत किसानों के साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएंगे और समय-समय पर मौसम, कृषि और बाजार अपडेट भेजेंगे।

तेलंगाना बीआईई ने इंटर प्रथम वर्ष में प्रवेश की अवधि बढ़ा दी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ 1 से 16 अगस्त के बीच प्रवेश की अनुमति है। बोर्ड ने सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त, सहकारी, टीएस आवासीय, समाज कल्याण, जनजातीय कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण आवासीय जूनियर कॉलेजों, मॉडल स्कूलों, केजीबीवी, प्रोत्साहन जूनियर कॉलेजों और दो साल के इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले समग्र डिग्री कॉलेजों को समय सीमा तक प्रवेश रखने के लिए कहा है। अभिभावकों और छात्रों को संबद्ध जूनियर कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए सूचित किया गया है।

हैदराबाद बहादुरी और देशभक्ति का केंद्र : राज्यपाल

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने आज कहा कि हैदराबाद बहादुरी और देशभक्ति का केंद्र है। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस का जिक्र करते हुए कहा कि स्कूली स्तर पर बच्चों को देशभक्ति और वीरता की भावना सिखानी होगी। केशव मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केएमआईटी), नारायणगुडा में "24वें कारगिल विजय दिवस" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, राज्यपाल ने कहा कि जीवन का बलिदान देने वाले योद्धाओं और महान नायकों के संदेशों और निडर कहानियों को लोगों तक पहुंचाना होगा तथा वर्तमान पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परिवार में बुजुर्गों ने कभी भी हमारे बच्चों को आम और केला जैसे मीठे फल नहीं दिए ताकि वे नीम के पत्तों की मिठास को पहचान सकें। राष्ट्रों की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान पर हमारे सैनिकों द्वारा दिया गया महान बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। हम सभी को देश के लिए भारतीय सेना और उनके परिवारों के निस्वार्थ बलिदान के लिए उनका सम्मान करना चाहिए। मेरा क्या अब जेके द्वारा एक बहुत ही उपयुक्त पहल है। उन्होंने अनुकरणीय कार्य के लिए जेके नाउ की सराहना की और उन्हें ऐसा जारी रखने की शुभकामनाएं दीं

सीएस शांति कुमारी ने की विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य में क्रियान्वित किए जा रहे विभिन्न विकास और कल्याण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। आज सुबह से लगातार लगभग कई विभागों की व्यापक स्तर पर समीक्षा की गई है।

राज्य श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की विशेष प्रधान सचिव रानी कुमुदिनी, वित्त विभाग के विशेष प्रधान सचिव रामकृष्ण राव, बीसी कल्याण विभाग की प्रधान सचिव बी. वेंकटेशम ने श्रम विभाग के आयुक्त अहमद नदीम, राज्य पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अधर सिन्हा और पशुपालन विभाग के निदेशक रामचंद्र के साथ भेड़ वितरण कार्यक्रम पर समीक्षा की। उद्योग विभाग के मुख्य सचिव जयेश रंजन और नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त अनिल कुमार के साथ राज्य में अनाज बिक्री पर और राज्य सड़क और भवन विभाग के सचिव श्रीनिवास राजू के साथ गृहलक्षी और मामुनूर हवाई अड्डे के कार्यों की प्रगति पर समीक्षा बैठक हुई। अनुसूचित जाति उन्होंने विकास सचिव, दलित बंधु और राजस्व के मुख्य सचिव, नवीन मित्तल के साथ वीआरए के नियमितीकरण और डिप्टी कलेक्टरों की पदोन्नति पर चर्चा की। जीएडी सचिव शेषाद्रि ने कैबिनेट बैठक के मुद्दों की समीक्षा की और आज शाम राज्य में भारी बारिश पर जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकांफ्रेंस की।

राजभाषा कार्यान्वयन को गति प्रदान करने की सख्त जरूरत : नवीन चन्द्र झा

मुख्य महाप्रबंधक ने किया "द्विभाषी टिप्पणी बुकलेट' का अनावरण

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, अमरावती में जून 2023 माह को समाप्त होने वाली तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक मुख्य महाप्रबंधक नवीन चन्द्र झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक ओम नारायण शर्मा तथा लगभग 18 उप महाप्रबंधक गण समिति के सदस्यों के रुप में भाग लिया। बैठक, उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी कृष्ण कुमार बी प्रभु के स्वागत भाषण से आरंभ हुई। कृष्ण कुमार प्रभु ने रा.भा.का.स. अमरावती मंडल कार्यालय के अध्यक्ष सहित समस्त सभासदों को राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने हेतु किए गए प्रयासों से सदन को अवगत कराया तथा मुख्य महाप्रबंधक नवीनचंद्र झा को अध्यक्षीय संबोधन के लिए आमंत्रित किया। मुख्य महाप्रबंधक नवीनचंद्र झा ने राजभाषा कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों की राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। श्री झा ने स्थानांतरण पश्चात आए सभी नए सदस्यों का स्वागत किया तथा राजभाषा की समस्त कार्रवाईयों को गंभीरतापूर्वक लेने का आदेश दिया। प्रसंगवश समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक ने अभिनव पहल करते हुए "दक्ष' संकल्पना के आधार पर प्रत्येक विभाग में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। समिति के अध्यक्ष श्री झा ने अपने संबोधन के दौरान हिंदी के साथ-साथ तेलुगु साहित्य और तेलुगु के प्रयोग को बढ़ाने में उचित कदम उठाए जाने के निदेश दिए। इस हेतु उन्होंने राजभाषा विभाग के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा मंडल विकास अधिकारी एवं राजभाषा विभाग को बधाई दी। समिति के सदस्य सचिव एवं मुख्य प्रबंधक राजभाषा रजनीश कुमार यादव ने पावर पाइन्ट के माध्यम से तिमाही के दौरान की गई प्रगति की विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। मुख्य महाप्रबंधक नवीन चंद्र झा द्वारा "द्विभाषी टिप्पणी बुकलेट' का ऑनलाइन अनावरण किया गया। समिति के सभी सदस्यों सहित अध्यक्ष महोदय ने इसे प्रभावी, उपयोगी बताते हुए इसके माध्यम से हिंदी को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना पड़ा महंगा

युवक ने कर दी बहन की हत्या

कोत्तागुडेम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के येलांदु मंडल में सीएसपी ग्राम पंचायत के राजीव नगर टांडा में एक युवक ने कथित तौर पर वीडियो बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए अपनी बहन की हत्या कर दी। मीडिया से बात करते हुए येलांडु सीआई, टी. करुणाकर ने कहा कि पीड़िता, अजमीरा संघवी (21), जो महबूबाबाद सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु एएनएम के रूप में काम करती थी, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर सक्रिय थी। हालाँकि, उसके भाई अजमीरा हरिलाल को अपनी बहन का सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करना पसंद नहीं आया और उसने उसे वीडियो पोस्ट न करने की चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं मानी। सोमवार को इस मामले को लेकर भाई-बहनों में बहस हुई और गुस्से में आकर हरिलाल ने सांघवी के सिर पर मूसल से वार कर दिया।

सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें खम्मम के ममता अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे वारंगल के एमजीएम अस्पताल में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया। मंगलवार को वारंगल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। शव को येलांदू सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, मामला दर्ज किया और महिला की मां अजमीरा देवी की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। करुणाकर ने कहा, आरोपी हरि लाल को गिरफ्तार कर लिया गया और रिमांड पर भेज दिया गया।

वीर सैनिक स्मारक में कारगिल विजय दिवस समारोह मना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑपरेशन विजय की सफलता के नाम पर कारगिल विजय दिवस बुधवार को मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र सब एरिया के तत्वावधान में वीर सैनिक स्मारक में धूमधाम से मनाया गया। 26 जुलाई 1999 को, भारत ने सफलतापूर्वक उन ऊंची चौकियों की कमान संभाली जो पाकिस्तानी घुसपैठियों के कारण खो गई थीं, कारगिल युद्ध के नायकों के सम्मान में हर साल 26 जुलाई को "कारगिल विजय दिवस" मनाया जाता है। इस वर्ष फिर से 26 जुलाई 2023 को पूरे देश में 26 जुलाई 1999 को हासिल की गई उस ऐतिहासिक जीत की 24 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए "कारगिल विजय दिवस" मनाया गया, जिसमें भारत ने पहले से मौजूद सभी क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल कर लिया था, जिससे यथास्थिति फिर से स्थापित हो गई। राष्ट्रव्यापी उत्सव के हिस्से के रूप में आज वीर सैनिक स्मारक, आर्मी परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में एक पुष्पांजलि समारोह भी आयोजित किया गया था। यह अवसर एक शानदार कार्यक्रम था, जिसमें एक सैन्य बैंड और सभी अधिकारी तथा सैनिक शामिल थे। पूरी औपचारिक पोशाक में राष्ट्र की सेवा में उनकी विभिन्न उपलब्धियों को दर्शाने वाले चमचमाते पदक पहने हुए, साथ ही वर्दी में अपने भाइयों, बहादुरों को उचित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, जिन्होंने गणतंत्र की रक्षा में अपना जीवन लगा दिया। कार्यक्रम का क्रम बहुत धूमधाम से शुरू हुआ और सबसे कनिष्ठ सैनिक द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई और उसके बाद स्टेशन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। अंत में, मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र सब एरिया द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि भी थे।

बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या कर दी गई

कामारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बिकुर मंडल के रायथू नगर में मंगलवार देर रात एक बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या कर दी गई। उनकी पहचान नारायण (70) और सुलोचना (64) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, रैतु नगर में किराने की दुकान चलाने वाले दंपति की आधी रात के बाद अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। जहां पति को हमलावरों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला, वहीं उसकी पत्नी हॉल में लटकी हुई पाई गई। बुधवार सुबह उनके भतीजे कृष्णमूर्ति के आने पर घटना का पता चला। उसने कई बार दरवाजा खटखटाया और जब कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो वह पिछले दरवाजे से घर में दाखिल हुआ और दोनों को मृत पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

नकली दवाओं के अवैध कारोबार के आरोप में तीन अंदर

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस-एनएबी ने विश्वसनीय सूचना पर मल्काजगिरी पुलिस के साथ मिलकर फेंटेनाइल साइट्रेट और अन्य नशीली दवाओं से संबंधित इंजेक्शनों की अवैध खरीद और बिक्री के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में पति-पत्नी शामिल है। पुलिस का आरोप है कि फर्जी एनडीपीएस लाइसेंस बनाकर निर्मित एनडीपीएस दवा यानी फेंटेनाइल साइट्रेट इंजेक्शन, मॉर्फिन सल्फेट इंजेक्शन, मिडाज़ोलम इंजेक्शन, मॉर्फिन टैबलेट और कोडीन फॉस्फेट टैबलेट की खरीद और बिक्री का अवैध कारोबार कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपी सुशील कुमार मिश्रा, मेडिकल एजेंसी बिजनेस (ए.एस. एंटरप्राइजेज), निवासी एमजे कॉलोनी, मौलाली, मेडचल मल्काजगिरी, नेहा चिंतामनराव भागवत पत्नी सुशील कुमार मिश्रा, व्यवसाय मेडिकल एजेंसी बिजनेस (ए.एस. एंटरप्राइजेज) निवासी एमजे कॉलोनी, मौलाली, मेडचल मल्काजगिरी, बी. उदय किरण, रुसन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक, निवासी रक्षापुरम कॉलोनी, चंद्रयानगुट्टा, हैदराबाद है। इनके पास से फेंटेनल साइट्रेट इंजेक्शन 10 एमएल के 225 इंजेक्शन, फेंटेनल साइट्रेट इंजेक्शन 2 एमएल के 3040 इंजेक्शन, मॉर्फिन सल्फेट इंजेक्शन 1 एमएल के 530 इंजेक्शन, मॉर्फिन टेबलेट 30 एमजी की 3000 टेबलेट, मिडाज़ोलम इंजेक्शन 10 एमजी के 40 इंजेक्शन, कोडीन फॉस्फेट टैबलेट 20 स्ट्रिप्स बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक मल्काजगिरी में रहने वाले आरोपी सुशील कुमार मिश्रा और नेहा चिंतामनराव भागवत पति-पत्नी हैं और उन्होंने ए.एस. नाम से एक मेडिकल एजेंसी शुरू की है। उन्हें निर्मित एनडीपीएस दवाओं की बिक्री का अनुभव प्राप्त हुआ और उसके बाद इसे खरीदने, भंडारण करने या बेचने के लिए किसी भी एनडीपीएस लाइसेंस के बिना अवैध कारोबार शुरू कर दिया। रुसान हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड (मुंबई स्थित विनिर्माण कंपनी) के कर्मचारी की मिलीभगत से वे नकली एनडीपीएस लाइसेंस प्रति जमा करके निर्मित एनडीपीएस दवाएं खरीद रहे हैं और खतरनाक निर्मित एनडीपीएस दवाओं को विभिन्न डॉक्टरों, अस्पतालों और व्यक्तियों को अवैध रूप से बेच रहे थे।

चोरों ने महबूबनगर में चार मंदिरों से नकदी उड़ा ली

महबूबनगर, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गडवाला मंडल के अनंतपुरम गांव में मंगलवार रात चोरों ने चार मंदिरों की हुंडियों से नकदी चुरा ली। पुलिस के मुताबिक चोर सबसे पहले मुनिशंकर मंदिर में घुसे और गेट का ताला तोड़कर नकदी चुरा ली। बाद में, वे सीतारमालयम में घुस गए और हुंडी ले गए और नकदी चुरा ली।

चोर शिवंजनेय स्वामी मंदिर में भी घुसे और गेट का ताला तोड़कर हुंडी भी अपने साथ ले गए। बाद में वे नकदी लेकर फरार हो गए और हुंडी को झाड़ियों में फेंक दिया। उन्होंने शिव मंदिर के गेट के ताले भी तोड़ दिए और मंदिर की तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला और चले गए।

14 वीं पुण्यतिथि
स्व.श्री चेनाराम हाम्बड़
:सुपुत्र: श्री हापुरामजी हाम्बड़ (पाटवों)
स्वर्गवास: 27-07-2009
फर्म: धनलक्ष्मी ज्वैलर्स, साई प्रिया कॉलनी कापरा
9505241526, 8019609173.

बीजेपी नेताओं ने पार्टी सांसद अरविंद के खिलाफ किया विरोध-प्रदर्शन

आलाकमान से सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के भाजपा नेताओं ने आज शहर में राज्य पार्टी मुख्यालय में पार्टी सांसद डी. अरविंद के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। पार्टी के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी सांसद के रवैया से नाराज है। उनका आरोप है कि सांसद ने पार्टी के नियमों का उल्लंघन किया है। इसी को लेकर एक विशाल विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने पार्टी आलाकमान से सांसद के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। आंदोलन कार्यक्रम के दौरान बीजेपी प्रदेश कार्यालय में तनाव की स्थिति रही। इस मौके पर नेताओं ने अरविंद के खिलाफ नारे भी लगाये। राज्य पार्टी के कार्यालय सचिव ने कुछ देर तक उनके आंदोलन को देखने के बाद प्रदर्शनकारियों को पार्टी कार्यालय परिसर से जाने का का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि जब यह सब हो रहा था तब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी कार्यालय में थे। इस अवसर पर बोलते हुए, आंदोलनकारी भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी द्वारा निज़ामाबाद जिले के 13 मंडलों के अध्यक्षों को पार्टी नियमों के विरुद्ध बदल दिया गया है। उन्होंने मांग की कि किशन रेड्डी को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और समस्या का समाधान करना चाहिए।

वाईएस शर्मिला ने बीआरएस पार्टी नेताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने आज एक बार फिर सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर हमला बोला। शर्मिला ने कोठागुडेम विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव के चुनाव को अमान्य करने वाले तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी के सभी विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव के क्लोन हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने भी झूठे हलफनामे देकर चुनाव आयोग को गुमराह किया है और कहा कि वे आयोग के चंगुल से बचकर जीवन का आनंद ले रहे हैं।

19 वीं पुण्यतिथि
स्व. श्री भूरारामजी काग
(सुपुत्र: स्व. श्री भानारामजी काग)
स्वर्गवास: दि. 27 जुलाई 2004
मीठी-मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएँगी। आपका व्यवहार, आपकी बातें, सदैव हमें याद आएँगी।।
श्रद्धावनत : जमनीबाई काग (धर्मपत्नी)
गणेशलाल-संगीता, राजेशकुमार-मंजू (पुत्र-पुत्रवधू)
इन्द्रारामजी (दामाद) सोमेश-पूजा (पौत्र-पौत्रवधू)
कुशाल, भावेश (पौत्र) रेणुका, युक्ता (पौत्री)
एवं समस्त काग परिवार
कुशाल ज्वैलर्स * रामदेव हार्डवेयर
मेन रोड, वारसीगुड़ा, सिकन्दराबाद. फोन : 9849091492, 9849425245

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME
I, No. 15180183N HAV K S REDDY have changed my wife name from NADIKATTU SHIREESHA to KOLAGATLA SHIREESHA, vide Affidavit no. 0003149722 dt. 25/07/2023

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

डकैती कांड में पूर्व थानेदार समेत 3 पुलिसकर्मियों को घोषित किया गया वांछित

कोर्ट में पेश की रिपोर्ट

वाराणसी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र में बीते 29 मई को पड़ी 1 करोड़ 40 लाख रुपये की डकैती के मामले में भेलूपुर पुलिस ने पूर्व थानेदार रमाकांत दूबे समेत तीन पुलिसकर्मियां को वांछित आरोपित घोषित किया है। पूर्व थानेदार रमाकांत दूबे व दो अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा बीते 18 जुलाई को अपर सिविल जज प्रथम (जूनियर डिवीजन फास्टट्रैक) शक्ति सिंह की अदालत में इस आशय का प्रार्थना पत्र दिया था कि भेलूपुर थाना में डकैती के दर्ज मुकदमा में पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की फिराक में है। चूंकि उक्त अभियोग अज्ञात में पंजीकृत किया गया है, इसलिए वांछित की रिपोर्ट अविलंब तलब किया जाना वांछनीय व न्यायसंगत है। अगर वांछितों की सूची में उनका नाम है तो न्यायालय के समक्ष समर्पण करने को इच्छुक और तत्पर हैं। भेलूपुर पुलिस ने रमाकांत दूबे समेत तीनों पुलिसकर्मियों को वांछित आरोपित होने की रिपोर्ट अदालत में पेश कर दी। रिपोर्ट आने के बाद तीनों पुलिसकर्मियों की ओर से समर्पण प्रार्थना पत्र को निरस्त करने की अदालत से अपील की।

रातभर चारपाई के नीचे बैठा रहा मगरमच्छ

सुबह आंख खुली तो घर में मच गया हड़कंप

लखीमपुर खीरी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में भीरा थाना क्षेत्र के फुटहा गांव में एक घर के बेडरूम में चारपाई के नीचे मगरमच्छ रातभर बैठा रहा। घरवालों की जब सुबह नींद खुली तो उनकी नजर पड़ी। इसके बाद घर में हड़कंप मच गया। घर के सभी लोग जान बचाकर भागे। खबर गांव के लोगों को हुई तो मौके पर भारी संख्या में लोग पहुंच गए। इसके बाद सूचना वन टीम को दी गई। वन टीम मौके पर नहीं आई, इससे पहले ही लोगों ने मगरमच्छ को बोरे में बंद कर नदी में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, बारिश के बीच शारदा नदी में इन दिनों बाढ़ आई हुई है। इसी के चलते मगरमच्छ फुटहा गांव के रहने वाले लाला राम के घर में घुस गया। मगरमच्छ रातभर चारपाई के नीचे बैठा रहा। लाला राम चारपाई पर सोते रहे। सुबह जब उनकी आंख खुली तो उन्होंने चारपाई के नीचे मगरमच्छ बैठा देखा। इसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। घर के लोग जान बचाकर भागे। खबर लगते ही मौके पर दर्जनों ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी वन विभाग और 112 नंबर पर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

घर बैठे रोजगार देने के नाम पर धोखाधड़ी, टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर छह बार में ट्रांसफर करा लिए पांच लाख

नोएडा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। घर बैठे रोजगार देने के नाम पर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से पांच लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मूलरूप से सासाराम बिहार के बादल कुमार वर्तमान में सेक्टर-70 में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 10 जून को उन्हें वाट्सएप पर एक संदेश प्राप्त हुआ। जिसमें बताया कि एक टेलीग्राम पे एक ग्रुप है जहां आपको कुछ कार्य के बाद पैसे मिलेंगे और उन्होंने एक लिंक दिया। साथ ही कहा कि इससे जुड़कर बात करो। जब इस लिंक पर क्लिक किया तो टेलीग्राम खुला और उसने उन्हें टेलीग्राम के ग्रुप में जोड़ा। जिसका नाम वर्किंग ग्रुप था। फिर उस ग्रुप के तहत वो कुछ कार्य दिए गए थे और इसके लिए कुछ धनराशि देनी होती थी। जिसके बदले में आरोपित ने कुछ पैसे बढ़ाकर देने का झांसा दिया। कुल छह बार में ठग ने 5,00,810 रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। साइबर अपराध थाना प्रभारी रीता यादव ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सीएम नीतीश कुमार ने कसा पीएम मोदी पर तंज

विपक्षी दलों के जुटान से घबराहट में हैं, इंडिया से डर गए

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने पीएम मोदी का नाम लिए बिना कहा कि विपक्षी दलों के जुटान से वह घबराहट में हैं। इंडिया। नाम से ही उन्हें घबराहट हो रही है। अभी दो ही बैठक में यह हाल है, आगे क्या होगा पता नहीं। मणिपुर हिंसा और दो युवतियों के साथ की गई अमानवीय हरकत को लेकर भी सीएम नीतीश कुमार ने पीएम पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जो हिंसा हुई है कि उस पर पीएम मोदी क्यों नहीं बोल रहे हैं। चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? इंडिया। और विपक्षी एकता को लेकर दिए गए पीएम मोदी के बयान के सवाल पर सीएम नीतीश ने कहा कि विपक्षी एकता की बैठक से उन्हें घबराहट होने लगी है। इसलिए

जो मन में आ रहा वह कह रहे हैं। यह बातें सीएम नीतीश कुमार ने पटना के कारगिल चौक पर बुधवार सुबह करीब 11 बजे कही। सीएम नीतीश कुमार का कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे थे।

लगातार इतिहास बदलने की कोशिश कर रहे, अब नहीं बदल पाएंगे

सीएम नीतीश कुमार ने दावा करते हुए कहा कि जो लोग देश की इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे थे, वह अब इतिहास नहीं बदल पाएंगे। 2024 में जनता उन्हें जवाब देगी। वह लोग तो एक बार बापू का नाम भी नहीं ले रहे। 9 साल राज किया और लगातार इतिहास बदलने की कोशिश कर रहे। आजतक ऐसा नहीं हुआ कि देश के इतिहास को बदलने की कोशिश की गई। श्रद्धेय अटल जी के समय में भी ऐसा नहीं हुआ था। अब यह लोग देश के इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे।

भाजपा वाले इंडिया के दबाव में हैं, हमलोग देशहित में काम करेंगे

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग देशहित में हमलोग काम करेंगे। भाजपा वाले इंडिया। के दबाव में हैं। वह लोग कभी एनडीए चलाए हैं। अटल जी के समय में एनडीए का बना था । यह नाम भी एनडीए के समय में दिया गया था। अब इतना साल बाद मीटिंग कर रहे हैं। विपक्षी एकता की मीटिंग के बाद एनडीए ने दिल्ली में बैठक की। बैठक में जो इतने दल शामिल हुए, उन्हें कोई जानता भी है क्या। किसी राज्य में उनकी क्या स्थिति है, यह जनता अच्छी तरह जानती है।

कौन कहां से लड़ेगा, यह आगे की विपक्षी एकता की बैठक में तय होगा

विपक्षी एकता की मीटिंग के सवाल पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि विपक्षी एकता की मीटिंग में सब तय हो गया है। कौन कहां से लड़ेगा, यह आगे की बैठक में तय होगा। देश भर की सभी पार्टी विकास के लिए एकजुट हुई है। हमलोग देश हित काम कर रहे हैं। वहीं मंत्रिमंडल विस्तार पर उन्होंने कहा कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। बिहार में लगातार काम हो रहा है।

मायावती ने खोले गठबंधन के रास्ते

एनडीए या इंडिया किस में होंगी शामिल? बताई वजह

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए के खिलाफ 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया बना है। हालांकि अभी कई दल इन दोनों ही गठबंधनों से बाहर हैं। यूपी में बीएसपी प्रमुख मायावती ने पहले किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करने का एलान किया था। हालांकि अब उन्होंने गठबंधन के संकेत दिए हैं और इसकी वजह भी बताई है। बीएसपी की बैठक में पार्टी प्रमुख मायावती ने कहा, कई राज्यों में बैलेंस ऑफ पावर बनने के बावजूद जातिवादी तत्व द्वारा साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेकों घिनौने हथकंडे अपना कर बीएसपी के विधायकों को तोड़ लेते हैं। जिससे जनता के साथ विश्वासघात करके घोर स्वार्थी जनविरोधी तत्व सत्ता पर काबिज हो जाते हैं। आगे विधानसभा आमचुनाव के बाद बैलेंस ऑफ पावर बनने पर लोगों की चाहत के हिसाब से, सरकार में शामिल होने पर विचार संभव है।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

गौरतलब है कि मंगलवार को बीएसपी की बैठक लखनऊ में मायावती के नेतृत्व में हुई। इस बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सहित चार राज्यों में शीघ्र होने वाले विधानसभा आम चुनाव की तैयारी के लिए बैठक की। इस बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी और अन्य जिम्मेदार लोगों के साथ चर्चा हुई। इस दौरान राजस्थान और मध्य प्रदेश में नए उभरते हालात और ताजा राजनीतिक समीकरण पर चर्चा के साथ पार्टी जनाधार बढ़ाने पर भी बात हुई।

मायावती ने कहा, राजस्थान, एमपी, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य में इन कमजोर वर्गों और धार्मिक अल्पसंख्यकों में से मुस्लिम समाज का सही संवैधानिक भला तभी हो सकता है। जब वहां जनता को हताशा और निराश करने वाली मजबूत और अहंकारी सरकार नहीं बल्कि गठबंधन की जनहित को मजबूर सरकार होगी, जैसा की अक्सर यहां देखने को मिलता है। बता दें कि इस साल राजस्थान, एमपी, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

तेजस्वी के करीबी मंत्री आलोक मेहता को बड़ा झटका, राजस्व विभाग में हुए तबादले निरस्त, जेडीयू का आया रिएक्शन

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव के करीबी मंत्री आलोक मेहता को बड़ा झटका लगा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में हुए तबादले को निरस्त कर दिया गया है। 30 जून को कई सीओ, बंदोबस्त पदाधिकारी, चकबंदी पदाधिकारी का तबादला हुआ था, उस आदेश को मंगलवार को निरस्त कर दिया गया है। करीब 480 अधिकारियों का तबादला हुआ था, जिसको रद्द कर दिया गया है। सरकार ने यह फैसल लिया है। संयुक्त सचिव के नाम से आदेश जारी हुआ है। वहीं, इस पर भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि जून में आलोक मेहता बीमार हो गए थे, जिससे बहुत से नियमों का पालन नहीं हो सका था। पारदर्शिता के लिए ऐसा फैसला लिया गया है।

एनडीए सरकार में भी तबादले को किया गया था रद्द

इस मामले को लेकर ऐसी संभावना जताई जा रही है कि तबादले में अनियमितता बरती गई है। बता दें एनडीए सरकार में यह विभाग बीजेपी के पास था तब राम सूरत राय मंत्री थे और तबादले का आदेश दिया था, जिसको नीतीश ने रद्द कर दिया था। पिछली सरकार में भी इस विभाग में हुए तबादलों को रद्द किया गया था।

जेडीयू ने दी प्रतिक्रिया

अशोक चौधरी ने कहा कि इस मुद्दे पर सवाल उठना उचित है। मंत्री आलोक मेहता जून के अंतिम सप्ताह में वो लंबे समय के लिए बीमार हो गए थे। इस वजह से बहुत से पॉलिसी में पारदर्शिता नहीं हो पाई है। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी बातों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता के साथ इसको तैयार कीजिए। आलोक मेहता के व्यक्तित्व पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। पारदर्शिता के साथ ट्रांसफर पोस्टिंग का नया लिस्ट बनाने का सीएम ने निर्देश दिया है। यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। आलोक मेहता जल्द इसे कर लेंगे।

नोएडा में संदिग्ध परिस्थितियों में दो मासूम दोस्त लापता अपहरण की आशंका

नोएडा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर में घर से खेलने की बात कहकर निकले दो दोस्त संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। स्वजन ने अपहरण की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। मूलरूप से प्रयागराज के संदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि 15 जुलाई की शाम पुत्र ओम उम्र 15 वर्ष तथा उसका दोस्त अभी उम्र 10 वर्ष दोनों घर से खेलने के लिए गए थे जो अभी तक घर वापस नहीं आए हैं। पीड़ित ने बताया कि काफी ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लगा।

पश्चिमी यूपी से सैनी बिरादरी के दो बड़े चेहरों को बीजेपी में शामिल करा पार्टी ने चला दांव

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले दिनों लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश कार्यालय में पिछड़े नेताओं की एक पूरी फौज ने भाजपा जॉइन की। इनमें पश्चिम के 2 जिलों मुजफ्फरनगर और सहारनपुर से आने वाले दो नेताओं की जॉइनिंग ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मुजफ्फरनगर जिले के राजपाल सैनी और सहारनपुर के रहने वाले साहिब सिंह सैनी की जॉइनिंग को लेकर खूब चर्चा रही। साहब सिंह सैनी ने तो अपना पूरा शक्ति प्रदर्शन कर डाला। हजारों की तादाद में समर्थकों और गाड़ियों का हूजूम खड़ा कर दिया। वजह भी साफ थी साहब सिंह सैनी उसी सहारनपुर के हैं, जहां से धर्मसिंह सैनी भी आते हैं। पश्चिम में धर्मसिंह सैनी को सैनी बिरादरी का सबसे बड़ा नेता माना जाता है, लेकिन भाजपा में उनकी एंट्री को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोक दिया। इसकी वजह भी साफ़ थी। धर्मसिंह सैनी पर योगी मंत्रिमंडल में आयुष मंत्री रहते हुए घोटाले का आरोप लगा है। उन पर जांच चल रही है। ऐसे में साहब सिंह सैनी ने खुद को सहारनपुर का सबसे बड़ा नेता पेश करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। वहीं, राजपाल सैनी आरएलडी से भाजपा में आए हैं और जयंत के बेहद करीबी माने जाते रहे हैं।

धर्म सिंह सैनी की एंट्री न होने से नुकसान के डैमेज कंट्रोल की कोशिश!

दरअसल 2022 में चुनाव से ठीक पहले 3 बड़े पिछड़े नेताओं ने भाजपा छोड़ी थी। यह तीनों नाम थे स्वामी प्रसाद मौर्य, धर्मसिंह सैनी और दारा सिंह चौहान। दारा सिंह चौहान की तो बीजेपी में एंट्री हो गई लेकिन धर्म सिंह सैनी की बीजेपी में एंट्री होते-होते रह गई। धर्म सिंह सैनी काफी वक्त से बीजेपी में दोबारा वापसी चाहते थे। संगठन से लेकर बड़े नेताओं तक से उनकी बातचीत हो गई थी। यहां तक कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंच पर पार्टी जॉइन करने के लिए वह सहारनपुर से मुजफ्फरनगर के लिए निकल भी गए थे, लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा। योगी आदित्यनाथ ने उनको अपने मंच से जॉइन कराने से मना कर दिया था। तबसे धर्मसिंह सैनी की एंट्री बीजेपी में रुक गई। ऐसा लगता है मानों अब धर्मसिंह सैनी की बीजेपी में वापसी नहीं हो सकती। हालांकि धर्मसिंह सैनी को भाजपा में नहीं लेने का नुकसान पार्टी को ना हो जाए इसलिए पार्टी ने पश्चिम के दूसरे सैनी चेहरों को जोड़ने की कवायद शुरू कर दी। खतौली के चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा में जब धर्मसिंह सैनी को आने से रोक दिया गया और बीजेपी सैनी बाहुल्य क्षेत्र मैं चुनाव हार गई तभी से पार्टी को लगने लगा था कि कहीं सैनी बिरादरी के गुस्से का पार्टी शिकार ना हो जाए। ऐसे में धर्म सिंह सैनी की काट के तौर पर साहब सिंह सैनी और राजपाल सैनी को बीजेपी ने पार्टी में लिया है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आज भी धर्मसिंह सैनी सैनियों के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। उनकी एंट्री नहीं होने पर बीजेपी ने डैमेज कंट्रोल के तौर पर दूसरे दो सैनी चेहरों को जॉइन कराया है।

गैर जाट ओबीसी गोलबंदी की कोशिश में जुटी बीजेपी

एक और थ्योरी भी चल रही है कि चूंकि जयंत चौधरी ने बीजेपी के साथ आने से मना कर दिया है, ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गैर जाट ओबीसी गोलबंदी बीजेपी के लिए जरूरी है। इसलिए बीजेपी ने वहां दूसरे सभी ओबीसी बिरादरी को अपनी तरफ जोड़ने की मुहिम शुरू की है। इसमें सैनी बिरादरी इसलिए अहम है, क्योंकि उनकी तादाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा है। इसी वजह से बीजेपी ने आरएलडी और समाजवादी पार्टी के दोनों सैनी चेहरे को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल करा लिया है। बहरहाल इन दोनों के भाजपा में आने का पश्चिम में पार्टी को कितना फायदा होगा ये कहना तो मुश्किल है, लेकिन सैनी बिरादरी के वोट पार्टी से छिटके नहीं इसकी तैयारी बीजेपी ने जरूर कर ली है।

यमुना नदी के पानी में उठा बवंडर

धुआं और धमाके से सहमे ग्रामीण, कारण पता चला तो फौरन दौड़े अफसर

बागपत, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जागोस गांव में बुधवार तड़के यमुना नदी के बीच आईजीएल कंपनी की गैस पाइप लाइन फट गई, जिसके बाद नदी के पानी में बवंडर उठ गया और पानी 25-30 फीट ऊपर तक उठ गया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली और पाइप लाइन से गैस की सप्लाई को बंद कराया। कोताना गांव के रहने वाले दिलशाद ने बताया कि सुबह चार बजे देखा तो नदी के बीच से नदी से घुआं, आग और धमाके की आवाज आ रही थी, किसके बाद गांव के लोग दहशत में आ गए और नदी किनारे एकत्र हो गए। ग्रामीणों की ओर से पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को जानकारी दी गई। कासिम ने बताया कि वह सुबह उठे तो नदी का पानी ऊपर उठने के साथ आवाज सुनाई दी। उसके बाद एसडीएम बड़ौत, दलकल कर्मी और सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। एसडीएम सुभाष सिंह ने बताया कि तड़के तीन बजे पानीपत-दादरी पाइप लाइन अचानक फट गई। फायर ब्रिगेड, सिंचाई विभाग और दूसरे अधिकारी मौके पर पहुंचे। गाजियाबाद प्रशासन को घटना से अवगत कराया, जिसके बाद डीएम गाजियाबाद के निर्देश के बाद गैस की सप्लाई को बंद करा दिया गया है।

ट्रेन हादसे के 50 दिन बाद मिली सीवान के उपेंद्र की लाश, टेस्ट के जरिए हुई पहचान

सीवान, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसे के शिकार हुए सीवान के युवक की लाश 50 दिन बाद बरामद हुई है। शव पूरी तरह से सड़-गल चुका था। रेलवे की टीम ने परिजनों को फोन पर सूचना दिया। इसके बाद परिजन बालासोर पहुंचे। रेलवे की टीम ने कागजी प्रक्रिया के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का कहना है कि जब तक उपेंद्र कुमार शर्मा की लाश नहीं मिली थी तब तक एक उम्मीद थी कि वह जिंदा वापस लौट आए। लाश मिलने के बाद सारी उम्मीद टूट गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे की टीम हादसे का मुआवजा परिजनों को मुहैया करवाए। बताया जाता है कि सीवान जिले के दौरान थाना क्षेत्र के सतजोड़ा गांव निवासी उपेंद्र कुमार शर्मा 2 जून को उड़ीसा- हावड़ा सुपरफास्ट ट्रेन में सफर कर रहा था।

500 पौधे लगाने की शर्त पर जमानत, पटना एचसी ने कहा- 6 माह तक करो देखभाल

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने एक अनोखे शर्त पर अभियुक्त को जमानत दी है। कोर्ट ने ऐतिहासिक कहे जा रहे एक निर्णय में अभियुक्त को इस शर्त पर जमानत दी है कि वह 500 पौधों को लगाएगा।

कोर्ट ने अपने आदेश में ये भी कहा है कि अभियुक्त ना सिर्फ पौधे लगाएगा बल्कि अगले 6 महीने तक उसकी देखभाल भी करेगा। जमानत की शर्त में शामिल किया है कि अगर पौधों का सही देखभाल नहीं हो पाएगा तो जमानत रद्द कर दी जाएगी। पटना हाईकोर्ट ने ये आदेश अवैध खनन मामलें मे दिया है। दरअसल शेखपुरा के एक स्टोन चिप्स (गिट्टी) कारोबारी राधे शर्मा के खिलाफ 2018 में बिना पर्यावरण क्लियरेंस के अवैध खनन करने के आरोप में दर्ज किया गया था।

यह मामला शेखपुरा थाने में दर्ज किया गया था। राधे शर्मा के खिलाफ यह मामला बिहार माइंस एवं मिनरल कन्सेशन रूल की धारा में किया गया था। **500 पेड़ लगाने के आदेश**

मंगलवार को जस्टिस अंजनी कुमार शरण की सिंगल बेंच ने अभियुक्त की तरफ से दायर अग्रिम जमानत को मंजूर करते हुए गिट्टी कारोबारी राधे शर्मा को आदेश दिया कि वह 500 पेड़ लगाएंगे और छह माह तक उसकी देखभाल भी करेंगे। 6 महीने में पौधे सही तरीके से विकसित नहीं हुए तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि- ' पर्यावरण संरक्षण में सकारात्मक प्रभाव लाने और लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए ये आदेश पारित किया है'

6 महीने करने होंगे देखभाल

खान एवं भूतत्व विभाग की ओर से कोर्ट में पक्ष रख रहे अधिवक्ता नरेश दीक्षित ने बताया कि उन्होंने कोर्ट को अपनी ओर से सुझाव दिया था कि अभियुक्त को 500 पेड़ लगाने की शर्त पर जमानत दी जाए। साथ ही आदेश में ये शर्त हो कि वह पौधे लगाने के 6 महीने तक उसकी देखभाल करे। पौधों की सही देखभाल नहीं होने की स्थिति में जमानत रद्द करने के लिए याचिका कोर्ट में दायर की जा सकेगी।

आनंद मोहन पर गुंडे भेजकर जमीन लिखवाने का आरोप, सरकारी अधिकारी ने दर्ज कराई शिकायत, जान को बताया खतरा

सहरसा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सहरसा के एक रिटायर सरकारी अधिकारी ने सहरसा सदर थाने में आनंद मोहन सिंह के खिलाफ तहरीर दी है। सहरसा सदर थाने में आनंद मोहन पर जबरन जमीन लिखवाने को लेकर गुंडे भेजने का आरोप लगाया गया है। फिलहाल थाने में सनहा दर्ज हुआ है जबकि आरोप लगाने वाले सेवानिवृत अधिकारी ने अपने जान माल के खतरे का अंदेशा जताया है। तहरीर में कहा गया है सेवानिवृत जिला कल्याण पदाधिकारी भवानंद राय के घर दो व्यक्ति सुनील सिंह और मोहम्मद जन्नत आ धमके और जबरन जमीन लिखने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया। दरअसल भवानंद राय के पास सहरसा सुपौल रोड पर महंगी जमीन है, जिसकी कीमत करोड़ों में है।

अंजाम भुगतने की दी गई धमकी

तहरीर के मुताबिक, भवानंद राय के जमीन लिखने से मना करने पर आनंद मोहन के द्वारा कड़े शब्दों में अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई है। भवानंद राय के घर दबाव बनाने सुबह दो व्यक्ति आए थे लेकिन मामला तूल पकड़ता देख सुबह दोनों चले गए। 24 जुलाई को ही शाम के वक्त चार व्यक्ति फिर भवानंद राय के घर पहुंचे, जिनमें दो का नाम सुनील सिंह और मोहम्मद जन्नत बताया गया है। भवानंद राय ने तहरीर में लिखा है कि शाम के वक्त उन्हें जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश की गई और जमीन नहीं लिखने पर अंजाम भुगतने की धमकी दोबारा तल्ख अंदाज में दी गई है।

भवानंद राय को अप्रिय घटना का डर

भवानंद राय की तहरीर को फिलहाल सनहा का शक्ल दिया गया है। भवानंद राय इसे एफआईआर में तब्दील कराने की मशक्कत कर रहे हैं। दरअसल बताया जा रहा है कि आनंद मोहन की राजनीतिक रसूख की वजह से लोकल थाना तहरीर लेने में आनाकानी कर रहा था। सीसीटीवी में तमाम सबूत मोजूद होने के बावजूद थाना शिकायत लेने में आनाकानी कर रहा था। डीआईजी शिवदीप लांडे की पहल के बाद तहरीर ली गई है और इसे सनहा का शक्ल दिया गया है। फिलहाल भवानंद राय का परिवार डर के साए में जी रहा है और उसे और उसके परिवार के साथ अप्रिय घटना घटने का अंदेशा है।

कौन हैं आनंद मोहन ?

आनंद मोहन एक दलित अधिकारी की हत्या को लेकर सजायाफ्ता मुजरिम हैं। आनंद मोहन बिहार सरकार की पहल के बाद सजा पूरी होने से पहले जेल से बाहर आए हैं। आनंद मोहन के रिहाई को लेकर कोर्ट में पीआईएल दाखिल किया गया है। दबंग और बाहुबल की छवी रखने वाले आंनद मोहन सरकार के बेहद करीबी माने जाते हैं। आरजेडी से ताल्लुख रखने के बावजूद आनंद मोहन को छुड़वाने में जेडीयू ने जो रूचि दिखाई थी उसको लेकर जेडीयू पर दलित विरोधी होने का आरोप भी मढ़ा जा चुका है। कहा जा रहा है कि कोशी में सरकार राजपूत मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए कानून बदलकर आनंद मोहन को जेल से रिहा कराई है। आनंद मोहन के खिलाफ बीजेपी भी नाप तौल कर बोलने का प्रयास करती है क्योंकि राजपूत मतदाताओं का रुझान पिछले कुछ चुनाव से बीजेपी की तरफ रहा है।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत

कैथल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कैथल के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में ही हंगामा कर दिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर महिला को गलत टीका लगाने का आरोप लगाया। बता दें कि इस महिला को छाती में परेशानी हुई थी। इसके बाद सोमवार को उसे इस निजी अस्पताल में दाखिल करवाया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट : 'प्रशासन विश्वास नहीं करता, एफआईआर नहीं कराते पीड़ित जिंदगी भर दर्द देती हैं ये घटनाएं', दुष्कर्म के मामले में बोला कलकत्ता एचसी

कोलकाता, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं पीड़ितों को जिंदगीभर दर्द देती हैं, लेकिन कई बार समाज और बदनामी के डर से लोग शिकायत दर्ज नहीं करवाते हैं। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए उन कारणों पर बात की जिसकी वजह से लोग एफआईआर दर्ज कराने से डरते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार प्रशासन विश्वास नहीं करता है। इस वजह से भी पीड़ित परिवार यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। जस्टिस बिबेक चौधरी की सिंगल बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज शिकायत खारिज करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने याचिका खारिज करने से इनकार करते हुए कहा कि ये घटनाएं अंदर तक दुख पहुंचाती हैं और पूरी जिंदगी ये दर्द पीड़ित महसूस करता है।

कोर्ट की अहम टिप्पणी

इस मामले में पीड़िता ने अपने पिता के चाचा के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। शिकायत के मुताबिक, उसका 2018 और 2019 में यौन शोषण किया गया, जब उसकी उम्र 15-16 साल थी। हालांकि, पीड़िता ने 18 साल की उम्र में शिकायत दर्ज करवाई थी। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर दर्ज कराने में देरी इसे रद्द करने का आधार नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात ये है कि इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि कब पीड़ित के साथ हादसा हुआ, उससे निकलने में कितना समय लगा और कब वह शिकायत दर्ज कराने की हालात में थी क्योंकि यह दर्द जिंदगीभर के लिए होता है। पीड़िता ने जब अपने पिता को इसके बारे में बताया तो उन्होंने उसको ही झूठा बता दिया और कहा कि उसके दिमाग में गंदगी भरी है। यहां तक कि उसके भाईयों ने भी शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन पिता ने उनको भी धमका दिया। पीड़िता के माता-पिता अलग हो चुके हैं और आरोपी का कहना है कि इसके तहत ही उन पर यह आरोप लगाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने आरोपी की दलीलों पर असंतुष्टी जताते हुए याचिका खारिज कर दी।

दीवाली और रक्षाबंधन पर हुई थी घटनाएं

उधर, पीड़िता के वकील ने बताया कि उसके माता-पिता के अलगाव के दौरान, जब पत्नी ने फाइनेंशियल स्टेटस का हवाला देते हुए बच्चों को पति के पास छोड़ने का हवाला दिया तो बेटी ने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में बताया। इसके चलते उसको काफी ट्रॉमा भी सहना पड़ा और साल 2020 में वह काफी बीमार हो गई थी। पीड़िता ने बताया कि 2018 और 2019 में दीवाली और रक्षाबंधन के मौके पर उसके साथ ये घटनाएं हुईं, जिसमें गलत तरीके से छूने जैसी हरकतें करने का आरोप लगाया गया है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर

उफान पर नदियां मलबा गिरने से खतरे में आए कई घर, पहाड़ों में रास्ते बंद

देहरादून, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हो रही बारिश के बाद कुदरत का कहर बरप रहा है। पहाड़ी इलाकों में नदी नाले उफान पर हैं। वहीं, बारिश के बाद सड़कों पर मलबा फैल गया है। उधर टिहरी और रुद्रप्रयाग में कई घरों में मलबा गिरने से हालत बुरे हैं। गंगोत्री, यमुनोत्री और बदरी नाथ हाईवे भी भूस्खलन से कई जगहों पर बंद है। वहीं, मौसम विभाग ने आज कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आज चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, चंपावत और नैनीताल जिले के कई इलाकों में बिजली चमकने के साथ ही भारी बारिश हो सकती है। केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि अगले कुछ दिन पूरे राज्य में तेज बारिश और बिजली चमकने के आसार हैं। यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में रात से हो रही बारिश से यमुना नदी, हनुमान गंगा, बडियार नदी उफान पर चल रही है। उधर, पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में काली नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है। घनसाली के भिलंगना ब्लॉक के ग्राम कोट में घरों पर पहाड़ी से मलबा गिर गया। इस दौरान लोगों ने भागकर जान बचाई। मलबा गिरने से पांच आवासीय भवनों को खतरा पैदा हो गया है। कई घरों में भी मलबा भर गया है। वहीं, तीन मकान मलबा गिरने से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

जंग में घायल सैनिकों को 40 लाख की मदद देगी पंजाब सरकार

सीएम भगवंत मान ने किया एलान

अमृतसर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को अमृतसर पहुंचे। उन्होंने वार मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मान ने सैनिक परिवारों के लिए बड़ा एलान किया। मान ने कहा कि 70 से 100 फीसदी घायल होने वाले जवानों को 20 लाख की जगह 40 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं 75 फीसदी तक घायल होने वाले सैनिकों को 10 के बजाय 20 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इसी तरह 25 से 50 फीसदी घायल होने वाले जवानों को पांच की जगह दस लाख रुपये की मदद की जाएगी।

सूबे में बनेगी सड़क सुरक्षा फोर्स

मीडिया से बातचीत में मान ने कहा के सड़कों पर बढ़ रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सूबे में स्पेशल पेट्रोलिंग सिस्टम शुरू किया जाएगा और सड़क सुरक्षा फोर्स का भी गठन होगा।

सीएम ने कहा के बॉर्डर पर ड्रोन के माध्यम से हो रही तस्करी को रोकने के लिए सख्ती बढ़ती जा रही है। सभी ड्रोन का राज्य भर में पंजीकरण किया जाएगा ताकि ड्रोन के माध्यम से तस्करी करने वाले पकड़े जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के जवान बहुत ज्यादा गर्मी और बहुत ज्यादा सर्दी में सीमाओं पर और पहाड़ों की चोटियों पर ड्यूटी देकर देश के प्रति जो समर्पण भूमिका निभा रहे हैं, उसका कोई मोल नहीं है। शहीद सैनिकों के परिवारों को हर तरह की सहायता देने के लिए पंजाब सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सीमा पर तनाव सैनिक हमारे देश भक्तों से कम नहीं है जो अपनी जान को हथेली पर रख देश की रक्षा कर रहे हैं।

नाबालिग बच्ची को पहले मां के लिव-इन पार्टनर ने और फिर सहेली के मंगेतर ने बनाया हवस का शिकार

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने इंसानियत को शर्मसार करके रख दिया है। दरअसल, दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में 15 वर्षीय किशोरी के साथ पहले उसकी मां के लिव-इन पार्टनर अली अख्तर ने और फिर उसकी सहेली के मंगेतर सौरभ ने कई बार दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में रहती है। पीड़िता की मां ने पहले पति की मौत के बाद सर्वेश कुमार नाम के व्यक्ति से शादी कर ली, लेकिन इस शादी के कुछ साल बाद ही पीड़िता के सौतेले पिता पूरे परिवार को छोड़कर बिहार अपने पैतृक गांव चले गए। इसके बाद मां ने आगे की जिंदगी अली अख्तर के साथ बिताने का फैसला लिया और उनके साथ लिव-इन पार्टनर के तौर पर रहने लगी। पीड़िता के अनुसार इसी साल होली से ठीक पहले मां के लिव-इन पार्टनर ने मौका पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया

पांच साल पुराने जोगिंदर राणा 'फर्जी' एनकाउंटर मामले में नया मोड़

हाईकोर्ट ने दिया एसआईटी गठन का आदेश

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पांच साल पहले जोगिंदर राणा की कथित फर्जी एनकाउंटर में मारने के मामले में जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया है। बता दें, राणा चोरी के कई मामलों में वांछित आरोपी था।

चार सप्ताह में रिपोर्ट सौंपें

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने मंगलवार को कहा कि ठाणे के पुलिस आयुक्त जयजीत सिंह एसआईटी का नेतृत्व करेंगे। हाईकोर्ट की निगरानी में एसआईटी मामले की जांच करेगी। अदालत ने एसआईटी को चार सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

साल 2018 का मामला

बता दें, जोगिंदर राणा के भाई सुरेंद्र राणा ने याचिका दायर की थी कि नालासोपारा के लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिसकर्मी मनोज सुरेश सकपाल और मंगेश विट्ठल चव्हाण ने 23 जुलाई 2018 को जोगिंदर गोपाल राणा उर्फ गोविंद को फर्जी एनकाउंटर में मार दिया था। जबकि पालघर के पुलिस अधीक्षक ने एक हलफनामा दायर किया था जिसमें दावा किया गया था कि जोगिंदर राणा ने ही सबसे पहले पुलिस पर हमला किया था। हलफनामे के अनुसार, 23 जुलाई, 2018 को चव्हाण और सकपाल पुलिस स्टेशन आ रहे थे तो उन्हें जोगिंदर दिखा। पुलिस कर्मियों ने उसे रोका तो उसने चाकू निकाल लिया और उन पर हमला करना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में चव्हाण ने जोगिंदर पर दो गोलियां चलाईं। बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहा उसे मृत घोषित कर दिया गया।

राणा के वकील ने पेश किए सबूत

सुरेंद्र राणा के वकील दत्ता माने ने अदालत को बताया कि गवाहों ने घटना की तस्वीरें खींची थीं और वीडियो रिकॉर्ड किया था। इसे देखने से साफ पता चलता है कि पुलिस ने जोगिंदर का फर्जी एनकाउंटर किया था।

न एम्बुलेंस मिली न शव वाहन

पोस्टमार्टम के लिए डेडबॉडी को बैलगाड़ी से ले गए परिजन, घर भी ऐसे ही लाए

आमला(बैतूल), 26 जुलाई (एजेंसियां)। एक तरफ राज्य सरकार गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछाने का दावा कर विकास पर्व मना रही है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बैतूल जिले के आमला क्षेत्र में एक व्यक्ति को अपने दामाद का शव बैलगाड़ी में रखकर पोस्टमार्टम कराने के लिए ले जाना पड़ा। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को बैलगाड़ी से ही घर लाए। दरअसल, शव वाहन या एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण मजबूरी में बैलगाड़ी से शव ढोना पड़ा। ऐसी स्थिति देखने के बावजूद जिम्मेदारों ने ग्रामीण को शव वाहन उपलब्ध नहीं कराया।

ये है मामला

आमला विधानसभा क्षेत्र के तोरणवाडा पंचायत के तहत टप्पाढाना गांव आता है। इस गांव की आमला मुख्यालय से दूरी 4 किमी दूर है। टप्पाढाना गांव के संतोष पिता कामजी उइके की मौत डैम में डूबने से हो गई थी। परिजनों ने इस घटना की पुलिस को सूचना दी। इसके बाद बैतूल से आई गोताखोरो और पुलिस की टीम की मदद डैम से शव निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा तो बनाया, लेकिन शव वाहन की व्यवस्था नहीं की। इस कारण मृतक के ससुर बल्लू धुर्वे को बैलगाड़ी से दामाद का शव पीएम के लिए लाना पड़ा। आमला स्वास्थ्य केंद्र में पीएम होने के बावजूद मृतक के परिजनों को शव वापस गांव लें जाने के लिए भी कोई वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया।

टप्पाढाना तक नहीं पक्की सड़क

टप्पाढाना गांव तक पक्की सड़क नहीं है। तोरणवाडा से गांव की दूरी 2 किमी है। ग्राम के मनोज वटके, बस्तीराम, गणेश चौहान, राजेश धुर्वे ने बताया कि 25 घरों की ये आदिवासियों की बस्ती है। बारिश के मौसम में मार्ग दलदल होने से पैदल बमुश्किल निकल पाते हैं। वहीं, पंचायत सचिव संतराव देशमुख ने बताया कि रास्ता खराब होने पर शव को अस्पताल ले जाने के लिए सरपंच को ट्रैक्टर की व्यवस्था करने को कहा था, लेकिन उन्होंने क्यों वाहन नहीं दिया,

पथरिया विधायक के देवर-भाई और भतीजे को 7-7 साल की सजा

पूर्व मंडी अध्यक्ष से मारपीट का मामला

दमोह, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह की पथरिया से बसपा विधायक रामबाई परिहार के देवर कौशलेंद्र चंदू सिंह, भतीजे गोलू सिंह और भाई लोकेश पटेल को न्यायालय ने मारपीट के मामले में 7-7 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 6 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। तीनों दोषी पहले से ही हटा के कांग्रेस नेता देवेंद्र चौरसिया हत्याकांड के मामले में जेल में बद हैं। शासकीय लोक अभियोजक राजेंद्र यादव ने बताया कि दमोह कोतवाली क्षेत्र के नीलकमल गार्डन के पास 12 मार्च 2019 को तत्कालीन पथरिया कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष खरगराम पटेल पर आरोपियों ने जानलेवा हमला किया था। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। मंगलवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा ने फैसला सुनाते हुए तीनों को दोषी माना और सजा से दंडित किया।

दिल्ली में चार दिन बंद रहेंगी शराब की दुकान

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने जुलाई से सितंबर 2023 की अवधि के लिए चार ड्राई डे घोषित किया है। बुधवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने आबकारी विभाग से ड्राई डे को लेकर आए प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। जुलाई से सितंबर महीने के दौरान मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और मिलाद-उन-नबी/ईद-ए-मिलाद का पर्व पड़ रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा घोषित ड्राई डे के अनुसार, इन पर्वों के दिन दिल्ली में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने 1 जुलाई 2023 से 30 सितंबर 2023 की अवधि के लिए ड्राई डे की सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार, 29 जुलाई को मुहर्रम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 07 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी और 28 सितंबर को मिलाद-उन-नबी/ईद-ए-मिलाद का पर्व पड़ रहा है।

वो पूछते हैं कि नाम बदलने से क्या होगा

' दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मनोहर लाल खट्टर को दिया जवाब

चंडीगढ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के ट्वीट पर पलटवार करते हुए एक ट्वीट किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- 'जिन्होंने 10 साल शहरों, संस्थानों और योजनाओं के बदले हैं सिर्फ़ नाम, वो पूछते हैं कि नाम बदलने से क्या होगा? आप सभी कर रहे हमारे नाम की चर्चा, अब लगता है कि जो होगा अच्छा होगा!' मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ट्वीट कर लिखा था कि गुण, स्वभाव और शक्तियां सिर्फ नाम बदल लेने से नहीं बदल जाती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बनाया गया ठग-बंधन 'फ्यूज बल्बों की झालर' से ज्यादा कुछ नहीं है। इससे रोशनी भी नहीं हो सकती और न ही ये सूरज का मुकाबला कर सकता। इस ट्वीट पर दीपेंद्र हुड्डा ने पलटवार किया है। दरअसल, ये सारे विवाद विपक्षी पार्टियों के गठबंधन का नाम इंडिया रखने से शुरू हुआ है। जिसको लेकर पीएम मोदी समेत बीजेपी के कई बड़े नेताओं ने निशाना साधा है।

सीतामऊ में तीन वाहन आपस में भिड़े, मोहर्रम की ड्यूटी कर लौट रहे सब इंस्पेक्टर सहित तीन लोग घायल

मंदसौर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मंदसौर जिले के सीतामऊ में तीन वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में मंदसौर पुलिस लाइन में पदस्थ सब इंस्पेक्टर, गरोठ के अभिभाषक सहित एक अन्य व्यक्ति सहित कुल तीन लोग घायल हो गए। इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर कर दिया गया। जानकारी अनुसार मंदसौर जिले के सीतामऊ में तीन वाहनों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में मंदसौर पुलिस लाइन में पदस्थ सब इंस्पेक्टर नितिन कुमावत, जिले के गरोठ निवासी अभिभाषक पंकज मगर व एक अन्य व्यक्ति सहित तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम व 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सीतामऊ प्राथमिक स्वास्थ केंद्र ले जाया गया।

पूर्व विधायक ने कीचड़ में खेली 'गैड़ी', खस्ताहाल सड़क को लेकर अनोखा प्रदर्शन

सीहोर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सीहोर जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर के सामने खस्ताहाल सड़क को लेकर अनोखा प्रदर्शन किया गया। पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं ने कीचड़ में गैड़ी खेलकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान रहवासियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और स्थानीय विधायक करण सिंह वर्मा के खिलाफ नारे लगाए। कुबेरेश्वर धाम के सामने की रोड पूरी तरह से उखड़ चुकी है। यहां कीचड़ मचा हुआ है। जिससे होकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ता है। इस मार्ग पर कई लोग फिसलकर घायल भी हो चुके हैं। जरा सी बारिश होने के बाद यह मार्ग कीचड़ की दलदल में तब्दील हो जाता है। प्रतियोगिता में भाडाखेड़ी के संतोष, छापरी निवासी राजेन्द्र वर्मा, नापली निवासी राजेन्द्र वर्मा, नापली निवासी शंकर, हेमराज सिंह, दिनेश वर्मा और देवनारायण मालवीय आदि शामिल थे।

बृजभूषण सिंह और बेटे करण का नाम डब्ल्यूएफआई वोटर लिस्ट में नहीं, दामाद को मिली जगह

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बृज भूषण शरण सिंह और उनके बेटे करण आगामी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन इस लिस्ट में एक ऐसे सदस्य का नाम शामिल है, जो मौजूदा राज्य निकायों से जुड़े नहीं हैं। डब्ल्यूएफआई संविधान के मुताबिक, केवल राज्य कार्यकारिणी के सदस्य ही चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल का हिस्सा हो सकते हैं। अनीता श्योराण (बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में गवाहों में से एक हैं) को 12 अगस्त के चुनावों के लिए ओडिशा प्रतिनिधि के रूप में सूची में नामित किया गया है। 38 साल की अनीता ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। अनीता हरियाणआ से आती हैं और राज्य पुलिस में काम करती हैं। इसी तरह प्रेम चंद लोचब का नाम गुजरात के प्रतिनिधि के रूप में सामने आया है जबकि वह वास्तव में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के सचिव हैं। साथ ही, राज्य को सदस्यता देने के एड हॉक पैनल के आश्चर्यजनक फैसले के बाद असम को मतदान का अधिकार दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के सूत्र ने कहा, "एक एड हॉक पैनल किसी राज्य को सदस्यता कैसे दे सकता है? यह एक निर्णय है, जो सामान्य परिषद द्वारा लिया जाता है। ये समझना मुश्किल है कि ये फैसला कैसे लिया गया है।

यह डब्ल्यूएफआई संविधान का स्पष्ट उल्लंघन है। जो लोग राज्य निकायों का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें निर्वाचक मंडल सूची में नामांकित और अनुमोदित किया गया है।" खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से वादा किया था कि बृजभूषण के परिवार से कोई भी चुनाव नहीं लड़ेगा। बृजभूषण सिंह (यूपी निवर्तमान अध्यक्ष) और उनके बेटे करण (यूपी राज्य निकाय में उपाध्यक्ष) का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है। बृजभूषण सिंह के दामाद विशाल सिंह चुनाव में बिहार से प्रतिनिधि होंगे। बता दें कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के बहुप्रतीक्षित चुनाव 12 अगस्त को होंगे।

दरक रहा मनसा देवी मंदिर का पहाड़, कई जगह लैंडस्लाइड, खतरे में 12 हजार से अधिक की आबादी !

देहरादून, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कुदरत को गंभीरता से न लेने का नतीजा आप देश के तमाम शहरों से बाढ़ और लैंडस्लाइड के रूप में देख रहे हैं। लेकिन अब इस आपदा की ज़द में सिर्फ सड़क, मकान और दुकान ही नहीं, मंदिर भी आने लगे हैं। हमारे पास एक बहुत डराने वाली ख़बर उत्तराखंड से आई है, जहां विश्व विख्यात मनसा देवी मंदिर पर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है। मनसा देवी का मंदिर हरिद्वार में हर की पौड़ी के ठीक पीछे पहाड़ियों पर मौजूद है। रोज़ हज़ारों की संख्या में यहां श्रद्धालु पहुंचते हैं। लेकिन अब मनसा देवी की इन पहाड़ियों पर खतरा मंडरा रहा है। इसी वजह से उस इलाके में रहने वाले लोगों के साथ-साथ उत्तराखंड सरकार भी टेंशन में आ गई है।

करीब 6 जगहों पर लैंडस्लाइड

दरअसल मनसा देवी मंदिर की पहाड़ियों में दरारों का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बारिश के बाद यह पहाड़ तेज़ी से दरक रहे हैं। टीवी9 भारतवर्ष की रिपोर्ट के मुताबिक मनसा देवी मंदिर के पहाड़ों पर सिर्फ 1 से 1.5 किलोमीटर के दायरे में क़रीब 6 जगहों पर लैंडस्लाइड हुआ है। इसी वजह से पहाड़ के नीचे बसे इलाकों में बड़ी अनहोनी की आशंका से दहशत है। वहीं हालात की गंभीरता को समझते हुए खुद उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार के भूगर्म विशेषज्ञों से मदद मांग ली है।

12 हजार से अधिक की आबादी पर खतरा

मनसा देवी मंदिर के पहाड़ों में दरार और लैंड स्लाइड की वजह से जो नीचे बसे इलाके हैं। उन पर बड़ा खतरा है। इन इलाकों में करीब 12 हज़ार लोग रहते हैं और सभी इस वक्त बहुत डर में हैं। इनमें ब्रह्मपुरी, काशीपुर, जोगियामंडी और अपर रोड मार्केट शामिल हैं।

क्यों बढ़ीं लैंड स्लाइड की घटनाएं?

हैरानी की बात ये है कि हरिद्वार में पिछले कई दिनों से बहुत भारी बारिश नहीं हुई है। फिर भी मनसा देवी मंदिर के पहाड़ों पर लैंड स्लाइड की घटनाएं तेज़ी से बढ़ी हैं। इसकी वजह मनसा देवी मंदिर के पहाड़ों की बनावट, जिनमें मिट्टी के साथ साथ रेत की मात्रा ज़्यादा है। इसीलिए जो बारिश पहले हुई थी, उसकी नमी अभी भी पहाड़ों में मौजूद है और इसी की वजह से मिट्टी और रेत की पकड़ ढीली हो गई है।

कमजोर हो रहे पहाड़

इसके बाद मनसा देवी मंदिर के पहाड़ कई जगह से कमजोर हो रहे हैं। डराने वाली बात ये है कि रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार में मनसा देवी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। इन पहाड़ों के टूटने की एक बड़ी वजह वहां होने वाले छोटे बड़े कंस्ट्रक्शन को भी माना जा रहा है। वैसे तो मां मनसा देवी के मंदिर देश के कई शहरों में मौजूद है, लेकिन हरिद्वार के मंदिर में लोगों की बहुत आस्था है।

क्या है मनसा देवी मंदिर की मान्यता?

पुराणों के मुताबिक़ मनसा देवी को भगवान शिव की पुत्री कहा जाता है। इसके अलावा नागराज वासुकी की बहन के रूप में भी उनकी पूजा की जाती है। स्कंदपुराण में भी मां मनसा देवी के इस मंदिर का ज़िक्र किया गया है। ये मंदिर हर की पौड़ी के पीछे क़रीब एक हजार मीटर की ऊंचाई पर शिवालिक की पहाड़ियों पर बसा हुआ है। यहां दो तरह से पहुंचा जा सकता है। पहला सीढ़ियों के माध्यम से, जिनकी संख्या 786 बताई जाती है। इसके अलावा रोप-वे के ज़रिए भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है, लेकिन जिस तरह से मनसा देवी मंदिर के पहाड़ों में लैंड स्लाइड की घटनाएं बढ़ी हैं। दोनों में ही बहुत खतरा है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 जुलाई- 2023

आंदोलन का अलोकतांत्रिक तरीका

पूर्वोत्तर भारत इन दिनों अपने आंदोलनों और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए जगह-जगह संघर्षरत है। मणिपुर जातीय संघर्ष से तप ही रहा है तो मेघालय में तुरा को शीतकालीन राजधानी बनाने के लिए लंबे समय से आंदोलन किया जा रहा है। माना कि सरकार के सामने अपनी मांग रखना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इसके लिए भी एक लोकतांत्रिक तरीका अपनाया जाना चाहिए। बीते कुछ समय से देखने में आ रहा है कि मामूली मांगों को लेकर भी लोग हिंसात्मक कदम उठा लेते हैं ताकि सरकार पर इसका दबाव बढ़े। अक्सर देखा गया है कि कुछ समय तक लोग मांग उठाते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं, फिर अचानक हिंसा पर उतर आते हैं। मेघालय में भी यही हो रहा है। सोमवार रात को अचानक भीड़ ने मुख्यमंत्री सचिवालय पर हमला कर पत्थरबाजी शुरू कर दी। पांच पुलिसकर्मियों को चोटें आई। भीड़ पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। बता दें कि तुरा को शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग को लेकर आंदोलन चलाने वाले दो समूह प्रमुख हैं- अचिक कान्सियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी। सोमवार शाम को दोनों संगठनों के नेताओं से मुख्यमंत्री कोनराड संगमा अपने कार्यालय में बातचीत कर रहे कि भीड़ ने कार्यालय पर हमला कर दिया। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर अधिकांश को गिरफ्तार भी कर लिया है। पहाड़ी राज्यों में अमूमन दो राजधानी होना कोई नई बात नहीं है। मेघालय के लोगों का भी कहना है कि जब जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में शीतकालीन राजधानी अलग हैं, तो उसी तरह उनके यहां भी तुरा शहर को शीतकालीन राजधानी बनाने में कठिनाई कहां आ रहा है। उत्तराखंड में भी गैरसैण को राजधानी बनाने की मांग को लेकर आंदोलन चलते रहते हैं। लोगों का मानना है कि राजधानी बनने से संबंधित शहर की कानून-व्यवस्था व्यवस्थित हो जाती है। वहां की प्रशासनिक व्यवस्था दूसरे शहरों की तुलना में चुस्त-दुरुस्त बन जाती है। इसके साथ ही उस शहर में व्यावसायिक गतिविधियां भी बढ़ जाती हैं। रोजगार के नए अवसर बनते हैं। इसलिए स्वाभाविक ही कई जगह लोग अपने शहर में राजधानी की तरह की कानून-व्यवस्था चाहते हैं। इसी मांग को लेकर मेघालय में जिस तरह का हिंसक रूप देने का प्रयास किया गया, उसे किसी भी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। अब इस घटना में शामिल लोगों की जिस रूप में पहचान हो रही है, उससे स्पष्ट है कि इसे राजनीतिक रूप देकर सत्तापक्ष को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। गिरफ्तार लोगों में दो भाजपा महिला मोर्चा के सदस्य भी हैं, दो तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों की तलाश जारी है। नागरिक आंदोलनों को राजनीतिक दलों द्वारा हड़पा जाना या उन्हें गुमराह कर अपने पक्ष में लाभ लायक बना लेना कोई नई बात नहीं है। अक्सर सत्तापक्ष पर दबाव बनाने या उसे बदनाम करने की नीयत से विपक्षी दल नागरिक आंदोलन को हिंसक बना देने का प्रयास करते देखे जाते हैं। इसलिए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि मेघालय में भी ऐसा ही हो रहा हो। इसके उलट जब भी कोई नागरिक आंदोलन जब भी हिंसक रूप लेता है तो सत्तापक्ष उसमें विपक्षियों का नाम शामिल कर अपनी कमजोरियों को तो ढंकने का प्रयास करते ही हैं साथ ही दुश्मनी भी निकालने की कोशिश करते हैं। बहरहाल, चिंता की बात यह है कि शीतकालीन राजधानी बनाने का मुद्दा इतना जटिल नहीं है, जिसका बातचीत के जरिए समाधान न निकाला जा सके। ऐसे में आंदोलनकारियों से भी उम्मीद की जाती है कि वे लोकतांत्रिक तरीके अपना कर अपनी मांग मनवाएं न कि हिंसा का रास्ता अख्तियार करें।

समाजवादी पार्टी को झटके पर झटके

अशोक भाटिया

समाजवादी पार्टी मिशन 2024 की तैयारियों में जुटी हुई है और इसी बीच उसको वाराणसी में बड़ा झटका लगा है। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा का चुनाव लड़ने वाली शालिनी यादव सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गई हैं। शालिनी यादव ने उत्तरप्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में सोमवार को लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। शालिनी यादव का भाजपा में शामिल होना सपा को बड़ा झटका है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में शालिनी यादव ने वाराणसी लोकसभा सीट से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। सपा ने पूर्वांचल में यादव वोट बैंक का ध्यान रखते हुए चुनावी मैदान में उतारा था और इस चुनाव में शालिनी यादव दूसरे नंबर पर रही थीं। प्रधान मंत्री मोदी को 6 लाख से अधिक वोट मिले थे और उन्होंने वाराणसी सीट पर दोबारा जीत दर्ज की थी। वहीं शालिनी यादव के खाते में इस चुनाव में 2 लाख के करीब वोट आए थे। जहां अखिलेश यादव विपक्षी एकता में जुटे हुए हैं, इसी बीच शालिनी यादव ने भाजपा में शामिल होकर सपा मुखिया को बड़ा झटका दिया है।

इसके पूर्व लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दारा सिंह चौहान का इस्तीफा और ओम प्रकाश राजभर की भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में वापसी उत्तरप्रदेश की सियासत में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका है। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने जातीय आधार वाले छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर एक मजबूत कुनबा तैयार किया था जो अब पूरी तरह बिखर चुका है। भाजपा छोड़कर सपा में आए नेता एक-एक कर साथ छोड़ रहे हैं और महान दल से लेकर सुभासपा जैसे सहयोगी दल भी दूर छिटक चुके हैं।

अखिलेश यादव न ही अपनी पार्टी नेताओं को रोक पा रहे हैं और न ही सहयोगी दलों को साथ में रख पा रहे हैं। इस तरह सपा के बिखरते कुनबे के बीच पूर्वांचल में भाजपा का गठबंधन मजबूत हो गया है। ओबीसी की मजबूत नेता अनुप्रिया पटेल से लेकर संजय निषाद और ओम प्रकाश राजभर तक भाजपा के साथ खड़े नजर आ रहे हैं जबकि सपा पूर्वांचल में अकेले रह गई है। ऐसे में अखिलेश यादव 2024 की चुनावी जंग में भाजपा गठबंधन से कैसे मुकाबला कर पाएंगे?

महान दल, सुभासपा और आरएलडी को सपा ने साथ लिया था तो स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान और धर्म सिंह सैनी जैसे ओबीसी चेहरे और योगी सरकार के मंत्री ने सपा का दामन थामा था, लेकिन चुनाव के बाद से अखिलेश का कुनबा बिखरने लगा। उसी तरह से भाजपा 2024 के चुनाव से पहले सियासी माहौल को अपने पक्ष में बनाने के लिए विपक्षी दलों को एक के बाद एक झटका दे रही है और सपा हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

धर्म सिंह सैनी ने पहले अखिलेश यादव का साथ छोड़ा और अब दारा सिंह चौहान ने सपा को अलविदा कह दिया है। दारा सिंह चौहान की भाजपा में एंट्री हो गई है जबकि धर्म सिंह सैनी पार्टी की सदस्यता लेते लेते रह गए थे। महान दल और सुभासपा का भी सपा के साथ गठबंधन टूट गया है। अखिलेश यादव न सियासी समीकरण को संभालकर रख पा रहे हैं और न ही सहयोगी दलों को। मुस्लिम मतदाता पहले से ही अखिलेश की उदासीनता से नाराज माने जा रहे हैं। इस तरह उत्तरप्रदेश की राजनीतिक पटरी पर अखिलेश यादव कैसे अपने फॉर्मूले पीडीए यानि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को एक साथ लेकर चल पाएंगे। पूर्वांचल की सियासत अभी भी कॉस्ट पॉलिटिक्स के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है। ऐसे में सुभासपा का सपा खेमे से हटकर भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के साथ जाने का अखिलेश यादव के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा के साथ पूर्वांचल के वो दल हैं, जिनका ओबीसी समुदाय के बीच अपनी जातीय में अच्छी खासी पकड़ मानी जाती है। ओम प्रकाश राजभर ओबीसी की अतिपिछड़ी राजभर जाति से आते हैं तो संजय निषाद भी मल्लाह, बिंद, निषाद, कश्यप, सहनी जैसे पिछड़े वर्ग के बीच पकड़ है। इसी तरह से अनुप्रिया पटेल कुर्मी समुदाय से हैं, जो यादव के बाद दूसरी सबसे बड़ी ओबीसी जाति है।

भाजपा ने तीनों ही ओबीसी नेताओं के जरिए अपने सियासी समीकरण को दुरुस्त करने की कवायद की है, जिसके चलते अब अखिलेश यादव किस दम पर ओबीसी वोटों को अपने पाले में रखने की कोशिश करेंगे।

ओम प्रकाश राजभर के जरिए ही सपा की जीत का स्ट्राइक रेट पश्चिमी उत्तरप्रदेश से बेहतर पूर्वांचल इलाके में रहा था। इसीलिए जयंत चौधरी को सपा ने राज्यसभा भेजा तो राजभर ने भी अपने बेटे के लिए एमएलसी सीट की डिमांड रख दी थी, जिसे नहीं दिए जाने के बाद ही बागी रुख अपनाया था।

बताया जाता है कि अखिलेश यादव ने ओपी राजभर को अपने साथ जोड़े रखने के लिए किसी तरह की कोई कोशिश नहीं की, उसी का नतीजा है कि सुभासपा का भाजपा के साथ गठबंधन हो गया और आज पूर्वांचल में सपा के साथ कोई भी दल नहीं है। इतना ही नहीं मुख्तार अंसारी परिवार के पक्ष में भी अखिलेश यादव कभी खुलकर नहीं खड़े हो सके। अंसारी परिवार का पूर्वांचल में अपना सियासी आधार है। गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, वाराणसी, बलिया क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत पकड़ मानी जाती है। 2022 में अंसारी परिवार का गठबंधन के साथ खड़े रहने का फायदा सपा और राजभर दोनों को मिला था। इसके बाद भी अखिलेश ने अंसारी परिवार से दूरी बनाकर रखी और अतीक अहमद के मामले में भी सपा का स्टैंड बहुत क्लियर नहीं था।

यह भी बताया जाता हैं कि मुस्लिमों के मुद्दे पर अखिलेश यादव चुप्पी साध कर रखते हैं जबकि सबसे ज्यादा चुनौतियों से वो गुजर रहे हैं। अखिलेश यादव ऐसे में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के साथ सियासी समीकरण बनाना चाहते हैं लेकिन वो अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर खामोश रहते हैं। पिछड़ों में भी सिर्फ यादव समुदाय को तरजीह देते हैं और दलितों के साथ भी रवैया वैसा ही है। कांग्रेस खुलकर मुस्लिमों के मुद्दे पर बोल रही है जिसके चलते मुसलमानों का दिल कांग्रेस के लिए बदल रहा है। कांग्रेस के नेता सपा के बजाय बसपा के साथ गठबंधन चाहते हैं क्योंकि अखिलेश का यादव वोट ट्रांसफर नहीं होता है जबकि दलित मतदाता आसानी से हो जाता है।

अखिलेश यादव के साथ जिस तरह से एक-एक कर सहयोगी दल छिटके हैं, उससे 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में सपा को उत्तरप्रदेश में सियासी तौर पर नुकसान होना लाजमी हैं । पूर्वांचल में सपा के पास यादव और मुस्लिम के सिवा कोई दूसरा वोट अभी फिलहाल नहीं दिख रहा है। सपा का पल्लवी पटेल के साथ जरूर गठबंधन है, लेकिन अनुप्रिया पटेल की तरह अभी कुर्मी समुदाय के बीच उनकी पकड़ नहीं है।

आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी का सियासी आधार पश्चिमी उत्तरप्रदेश तक ही सीमित है।यह भी माना जा रहा है कि माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले रालोद मुखिया जंयत चौधरी सपा मुखिया अखिलेश यादव से अलग हो सकते हैं। ऐसे में मुस्लिम और यादव वोटों के दम पर अखिलेश यादव पूर्वांचल में भाजपा से कैसे मुकाबला करेंगे। वहीं, छोटे-छोटे दलों को एनडीए में लेकर भाजपा एक मजबूत सोशल इंजीनियरिंग के साथ चुनावी रणभूमि में उतरना चाहती है।

विपक्ष का मकसद सिर्फ हंगामा करना है

राजेश कुमार पासी

संसद के दोनों सदनों में काम नहीं हो पा रहा है क्योंकि विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की माँग को लेकर हंगामा कर रहा है । सवाल उठता है कि क्या सरकार चर्चा से भाग रही है ? विपक्ष की माँग और हंगामे को देखकर कोई भी कह सकता है कि सरकार चर्चा से भाग रही है । अगर सरकार विपक्ष की माँग मान ले तो संसद चलने लगेगी और सारा कामकाज सुचारू रूप होने लगेगा । क्या मामला इतना ही सीधा है कि सरकार विपक्ष की माँग मान ले और तब सब कुछ सामान्य हो जायेगा ।

वास्तव में मुद्दा कुछ और है और उसे बनाया कुछ और जा रहा है । विपक्ष संसद चलने ही नहीं देना चाहता, वो खुद ही बहस से भाग रहा है । वो चाहता है कि उसे हंगामा करने का मौका मिले और वो मौका कहीं से भी ढूंढ लाता है । मणिपुर के मुद्दे पर सरकार को घेरने का मौका विपक्ष के पास है लेकिन वो सरकार को सिर्फ सड़क पर ही घेर सकता है और वो यही कर रहा है । संसद में उसे बोलने का मौका जरूर मिलेगा लेकिन उससे सुनना भी पड़ेगा, यही वो चाहता नहीं है । मणिपुर का मुद्दा इतना जटिल है कि आप वहाँ अपनी राय आसानी से नहीं रख सकते । वहाँ दो समुदाय आमने सामने आ गये हैं, आप उनमें से किसके पक्ष में खड़े होंगे, यह तय करना सभी के लिये मुश्किल है । इसी लिए विपक्ष जबरदस्त हंगामा कर रहा है और संसद को चलने नहीं दे रहा है । जब इस मुद्दे पर चर्चा होगी तो विपक्ष के लिये बोलना मुश्किल हो जायेगा , इसलिये वो कभी नियमों की आड़ लेकर हंगामा कर रहा है और कभी प्रधानमंत्री के बयान को लेकर हंगामा कर रहा है ।

विपक्ष चाहता है कि नियम 267 के तहत चर्चा हो जबकि वो सर्वदलीय बैठक में नियम 176 के अन्तर्गत चर्चा की बात मान चुका था । नियम 176 के तहत ढाई घंटे चर्चा होती है जबकि नियम 267 के तहस कोई समय सीमा तय नहीं है और चर्चा के दौरान सदन का सारा कामकाज ठप्प कर दिया जाता है । अब सवाल यह है कि क्या विपक्ष ढाई घंटे में अपनी बात नहीं रख सकता और जब यह समय बढ़ाया जा सकता है तो फिर 267 के तहत चर्चा की जिद्द क्यों की जा रही है । विपक्ष की एक माँग यह भी है कि इस चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री मोदी स्वंय दें जबकि भाजपा चाहती है कि इसका जवाब इस मामले से संबन्धित गृहमंत्री अमित शाह दें । आपने अक्सर देखा होगा कि राहुल गाँधी देश ही नहीं, विदेशों में भी यह बात कहते हुए नजर आते हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता जबकि सच्चाई यह है कि विपक्ष संसद चलने ही नहीं देता तो कोई बोलेगा कैसे ? वर्तमान में उनकी सदस्यता खत्म हो गई है तो वो वैसे भी नहीं बोल सकते । शायद काँग्रेस के सांसदों की खीझ यही है कि जहाँ राहुल गांधी नहीं बोल सकते, वो संसद भला किस काम की, इसलिये इसे चलने न दिया जाये तो अच्छा है । दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को राज्यसभा से पूरे सत्र के लिये निलंबित कर दिया गया है, इसलिये भी विपक्ष शोर मचा रहा है । संजय सिंह को राज्यसभा के ही सदस्यों ने गलत आचरण के लिये एक प्रस्ताव पास करके निलंबित कर दिया है जबकि ऐसा बहुत कम होता है । वो अपने आचरण पर विचार करने की जगह लोकतन्त्र की हत्या का शोर मचा रहे हैं । पूरा विपक्ष उनके साथ खड़ा हो गया है, संसद के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहा है ।

अब सवाल उठता है कि जो पार्टी दिल्ली विधानसभा के सत्र से हर बार भाजपा के सदस्यों को मार्शलों से उठवाकर बाहर फिंकवा देती है, उसके मुंह से लोकतन्त्र, तानाशाही और अभिव्यक्ति की आजादी की बात अच्छी लगती है । जो पार्टी सिर्फ कहानी सुनाने के लिये विधानसभा का विशेष सत्र बुलवाती हो वो भला कैसे सदन की मर्यादा को समझ सकती है । वैसे उसे संजय सिंह के निलंबन का बड़ा फायदा हो रहा है क्योंकि पूरा विपक्ष आज संजय सिंह के पीछे खड़ा है और आम आदमी पार्टी के लिये इससे बेहतर क्या हो सकता है । विपक्ष एक दस साल पुरानी पार्टी का पिछलग्गू बन जाये तो उसके भविष्य के लिये बेहतर ही होगा । संजय सिंह के पीछे खड़े होकर विपक्ष ने अपनी हैसियत वैसे भी जनता के सामने रख दी है ।

जहाँ तक काँग्रेस की बात है तो सात दिन पहले ही कर्नाटक में काँग्रेस ने भाजपा के 10 विधायकों को सिर्फ कागज फाड़ने के कारण पूरे सत्र के लिये निलंबित कर दिया है । राजस्थान में अपने ही मंत्री को सच बोलने के कारण पहले बर्खास्त कर दिया गया और अब उन्हें विधानसभा में घुसने नहीं दिया जा रहा है । उनकी जबरदस्त तरीके से पिटाई की गई है । जो व्यक्ति कल तक राजस्थान सरकार में मंत्री था, आज उसे ही काँग्रेसी पीट रहे हैं ।अब सोचने वाली बात है कि क्या काँग्रेस के मुंह से लोकतन्त्र की हत्या, तानाशाही और अभिव्यक्ति की आजादी जैसे शब्द अच्छे लगते हैं । यही बात उस मंत्री ने कही थी कि काँग्रेस को मणिपुर पर बात करने से पहले अपने गिरेबां में झांककर देख लेना चाहिये । टीएमसी कभी नहीं चाहती कि संसद में मणिपुर पर चर्चा हो क्योंकि अगर मणिपुर पर चर्चा होती है तो बंगाल की कानून व्यवस्था की चर्चा भी होगी । भाजपा के नेता बंगाल सरकार को किस तरह से घेरेंगे, यह बात टीएमसी अच्छी तरह से जानती है । शेष विपक्षी दलों के लिये भी बंगाल की घटनाओं का बचाव करना मुश्किल होगा । मणिपुर में महिलाओं की हालत पर चर्चा होगी तो बंगाल, राजस्थान, बिहार और छत्तीसगढ़ का भी मुद्दा उठेगा । वास्तव में विपक्ष अच्छी तरह से समझ चुका है कि जब भी मणिपुर पर वो सरकार को नंगा करने जायेगा तो वो सरकार से ज्यादा खुद नंगा हो जायेगा । उसे इस मुद्दे पर चर्चा करके कुछ हासिल होने वाला नहीं है ।

वास्तव में यह बहुत तकलीफदेह, दयनीय और शर्मनाक है कि जिस मुद्दे को लेकर विपक्ष बाहर बहुत शोर मचा रहा है, पूरी दुनिया तक उसकी चर्चा हो रही है, उस मुद्दे पर हमारी संसद में सिर्फ हंगामा हो रहा है, चर्चा नहीं हो पा रही है । विपक्ष इस शर्त के साथ ही नंगा हो गया है कि वो सिर्फ मणिपुर पर चर्चा करेगा, किसी और राज्य की बात नहीं होगी । विपक्ष की यह शर्त बताती है कि वो महिलाओं के नाम पर नौटंकी कर रहा है । उसके लिये सिर्फ मणिपुर की महिला ही महिला है लेकिन बंगाल, राजस्थान, बिहार और छत्तीसगढ़ की महिला को वो महिला नहीं मानता । बंगाल और बिहार में महिलाओं को नंगा करके पीटा जाये तो बढ़िया है, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में रेप हों तो और भी बढ़िया है लेकिन मणिपुर की महिलाओं के साथ कुछ गलत हो तो प्रधानमंत्री इस्तीफा दे दे । इसके बावजूद अमित शाह ने यह अनुचित माँग भी मान ली लेकिन विपक्ष बहस करना ही कहाँ चाहता है, उसे सिर्फ हंगामा करना है । अगर विपक्ष को बहस करनी होती तो वो शर्त नहीं लगाता, सिर्फ बहस करने की कोशिश करता । विपक्ष बहस से भाग रहा है लेकिन दोष सरकार के सिर पर मढ़ रहा है । विपक्ष की सोच ही गलत है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है. सदन चलाना सरकार नहीं बल्कि सांसदों की जिम्मेदारी है । सरकार की जिम्मेदारी सरकार चलाने की है और वो ये काम बहुत अच्छी तरह से कर रही है। विपक्ष की ऐसी ही घटिया मानसिकता को जनता देख और समझ रही है, इसलिये विपक्ष धीरे धीरे अपनी शक्ति खोता जा रहा है । विपक्ष की विश्वसनीयता खत्म होती जा रही है । विपक्ष को बताना चाहिये कि मणिपुर में आदिवासी और दलित आमने सामने हैं । मैतेई समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा मिला हुआ है और वो आदिवासी समाज का दर्जा चाहता है । विपक्ष कूकी आदिवासियों का साथ देगा या पहले आदिवासी रहे और अब अनुसूचित जाति घोषित किये गये मैतेई समाज के साथ खड़ा होगा ।

लोकतंत्र का भविष्य खतरे में?

संजीव ठाकुर

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव की सांध्य बेला पर सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है ।

इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है, दूसरी तरफ आम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है।

क्यूं बरी हो जाते हैं गंभीर मामलों के दोषी?

प्रियंका सौरभ

देश में जूडिशरी और पुलिसिंग की लचर व्यवस्था के चलते ही कई गंभीर से गंभीर मामलों के आरोपी भी अदालत से बाइज्जत बरी हो जाते हैं। इनके बरी हो जाने के बाद बौद्धिक वर्ग तमाम तरह के सवाल उठाने शुरू कर देता है। उसके बाद सिस्टम के उन लूपहोल्स पर चर्चा होती है जिसके कारण अपराधी बरी हो जाते हैं मगर ये सब सिर्फ कुछ दिनों तक ही रहता है उसके बाद फिर सिस्टम उसी तरह से अपने हिसाब से चलने लगता है। इसमें सुधार नहीं हो पाता है। कोई केस जितने लंबे समय तक अदालत में पेंडिंग रहता है उसका फैसला उतना ही कमजोर तरह का आता है। यदि अदालत की ओर से कोर्ट में केस के लिए तारीख पर तारीख ली जाती रहती है तो उसका रिजल्ट भी अच्छा नहीं आता है। लंबे समय तक केस चलने के दौरान उस मामले से जुड़े अधिकारियों का तबादला हो जाता है, कई गवाह मर चुके होते हैं। सबूत खो जाते हैं। इन सभी का फायदा अपराधियों को मिलता है। देश का जूडिशरी सिस्टम अभी भी तेज गति से काम नहीं कर रहा है जिसका रिज्लट अपराधियों के बरी हो जाने के तौर पर सामने आता है। अदालत में जो केस जितना अधिक लंबा चलता है उससे लोगों की रूचि खत्म होती जाती है। यदि कोई बड़ा मामला होता है और उस केस में अदालत से फैसले के लिए सिर्फ तारीख ही तारीख मिलती रहती है तो उस केस से लोगों का दिलोदिमाग हट जाता है। कई बार मुद्दई टूट जाते हैं। इसमें कई बार पुलिस की टीमें भी दोषी होती है, वो देर से चार्जशीट फाइल करती है, इस वजह से कोर्ट में तारीख मिलती रहती है। वकील भी मामलों में देरी से फैसला करवाने के लिए जिम्मेदार होते हैं वो केस को लंबित करते चले जाते हैं। यदि पुलिस पर्याप्त सबूतों के साथ केस फाइल करे और अदालत जल्द फैसला सुनाने पर आमदा हो तो आरोपी छूटने नहीं पाएंगे।

कई बार पुलिस की जो जांच पड़ताल होती है उसमें कई सारी खामियां रह जाती है, इसका पूरा लाभ अपराधियों को मिलता है। किसी अपराधिक घटना में शामिल अपराधियों का उससे बरी हो जाना सिस्टम के मुंह पर तमाचा सरीखे होता है। जूडिशरी लंबे समय तक मामले की सुनवाई के लिए तारीख देता है। कई बार लंबी सुनवाई के दौरान गवाह टूट जाते हैं, उनकी मौत हो जाती है, वकीलों की भी रूचि खत्म हो जाती है। गवाह भी चीजों को भूल जाते हैं। एक बात ये भी है कि जो केस जितना अधिक लंबा चलेगा उसका फैसला उतना ही अधिक खराब आएगा। कोर्ट से पहले पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अगर किसी भी क्राइम की पड़ताल अच्छे और वैज्ञानिक तरीके से नहीं की गई है, तो निश्चित रूप से एक्विटल होते रहेगा।

इसके पीछे बड़ी वजह है कि जज सबूत के आधार पर निर्णय देते हैं। एविडेंस नहीं होने की वजह से बहुत सारे गंभीर अपराधों में मुजरिमों को छोड़ दिया जाता है।अपराध से जुड़े किसी भी केस का आधार पुलिस का एविडेंस कलेक्शन है। हमारे देश में पुलिस क्रिमिनल केस को प्रोसिक्युट करती है।

पुलिस की ओर से जमा किए गए एविंडेस के आधार पर ही सज़ा मिलती है। अगर हमारे बेसिक पुलिसिंग में डिफेक्ट है, तो सज़ा की तो बात बेमानी है। इसमें सिर्फ पुलिस के ऊपर ही अंगुली नहीं उठती है, ऐसे मामलों में लोअर जूडिशीएरी के ऊपर भी सवाल खड़े हो जाते हैं। सवाल उठता है कि लोअर कोर्ट पुलिस की तरफ से जमा किए गए साक्ष्यों पर ये क्यों नहीं ध्यान देती कि इन्हें जमा करने में वैज्ञानिक तरीकों का ख्याल रखा गया है या नहीं।

मन के रोग की दवा

दो कि तीन हफ्ते पहले अम्मा यानी मेरी नानी अपनी तबियत और उम्र से इस कदर ऊबीं कि मुझे फोन करके राम जी से बात करने को कहने लगीं। जाने कैसे उन्हें इलहाम हुआ कि मेरा भगवान राम से कोई डायरेक्ट कनेक्शन है! उनकी ख्वाहिश थी कि मैं राम जी से कहूं कि अब तो उन्हें मुक्त करें! मैंने पूछा कि क्या हुआ है तबियत को? उन्होंने वही अलामत बताई, जो फिल्म पीकू में अमिताभ बच्चन को थी और जिसके लिए मरहूम इरफान खान दिल्ली से लेकर कोलकाता तक हैरान हुए जाते थे। अम्मा से पूछा, क्या सोचने ज्यादा लगी हो? बोलीं, अब सोचने के लिए कुछ बचा ही नहीं है। सारे बच्चे अपनी-अपनी जगह सेट हैं। क्या सोचें, और क्यों सोचें? मैंने पूछा, अपने बारे में तो सोचती हैं? जवाब में अम्मा ने इधर-उधर करने की कोशिश तो की, मगर पकड़ी गईं। कहने लगीं, बस यही अपनी तबियत से चिंता होती रहती है। मैंने कहा, अबसे जब भी दिमाग इधर-उधर होने को हो, तुरंत कंठी उठाकर राम का नाम जपना है। दिन में ऐसा तीन बार करना है, और कंठी खत्म होते ही एक गिलास गुनगुना पानी पीना है। यही दवाई है आपकी। राम जी बोले हैं कि इसी से आपकी हर सुबह हलकी होगी, और बेचैनी भी जाती रहेगी। मेरी इस दवा की बाकी सबने तो हंसी उड़ाई, मगर अम्मा के डॉक्टर ने जब यह कहा कि यही सबसे सही दवा है, तब सबने इसे सीरियसली लिया। 96 की उम्र में आप किसी को भारी-भरकम दवा तो नहीं ही दे सकते हैं, खासकर कि बीमारी जब तन से ज्यादा मन से जुड़ी हो। अम्मा ने वैसे भी यही मंत्र ले रखा है। गुरुजी ने उनके कान में यही कहा था कि राम नाम कह। हर दूसरे दिन मैंने फॉलो किया कि अम्मा दवा ले रही हैं या नहीं। पता चला कि आधी कंठी राम नाम कहती हैं, फिर बोर हो जाती हैं। पानी से अलग दुश्मनी हो रखी है। कल बताने लगीं कि बहुत जगह से लोग आकर झाड़-फूंक कर गए। मामा के दोस्त एक मौलवी साहब को लेकर आए थे, वो झाड़-फूंक करके गए। पास की ही मस्जिद के बूढ़े मौलवी साहब, जो अम्मा को जानते हैं और जिनके पास अम्मा हम बच्चों की नजर उतरवाने लेकर जाती थीं, जब उन्होंने सुना, तो वो भी आकर अम्मा की नजर उतारकर गए। मैंने पूछा, और राम का नाम? कहने लगीं कि उसमें मन नहीं लग रहा, कुछ और बताओ। मम्मी बता रही थीं कि राम से ज्यादा तो वो बाबू यानी मेरे नाना का नाम लेती हैं। बात-बात पर कहती हैं, बाबू, यहां दर्द है। या बाबू, अब जी निकल रहा है। क्या मजाल कि बाबू को पल भर के लिए भी नजर से दूर होने दें। बाबू भी उन्हीं की उम्र के हैं, सो वो भी परेशान हो जाते हैं। पहले सोचा कि बाबू का ही नाम जपने को बोल दूं। फिर एक और आइडिया दिमाग में आया। बोला, अब से राधे-राधे जपो। अब अम्मा राधे-राधे जप रही हैं।

कैसे हुई भोलेनाथ के बहन की उत्पत्ति ?

सनातन परंपरा में पुराणों का महत्वपूर्ण स्थान है। ये कहानियाँ हिंदू धर्म के अनुयायियों को देवी-देवताओं के बारे में विस्तृत ज्ञान प्रदान करती हैं। इन मिथकों के अनुसार, शांता को श्रीराम की बहन के रूप में मान्यता दी गई थी और उनका विवाह श्रृंगी ऋषि से हुआ था। इसी प्रकार श्री कृष्ण की तीन बहनें थीं जिनके नाम सुभद्रा, एकंगा और महामाया थीं। भगवान शिव के पुत्र गणेश की बहनें थीं जिनका नाम अशोक सुंदरी, जया, विषहर, दोताली और शामलबारी था। इसके अतिरिक्त गणेश जी की बहन छठ मैया के सूर्यदेव की आराधना से प्रसन्न होने की कथा भी खूब सुनी जाती है।

यमुना जी यमराज की बहन हैं। मान्यता के अनुसार, भाई दूज के दिन अगर कोई बहन अपने भाई को पूजा करने के लिए यमुना नदी में खड़ी हो तो उसकी उम्र लंबी होती है। पौराणिक कथाओं में कई अन्य देवताओं की बहनों का भी उल्लेख है। हालाँकि, क्या आप जानते हैं कि भगवान शंकर की बहन कौन थीं? शिवजी की बहन का जन्म कैसे और क्यों हुआ? कुछ कहानियों में भगवान शंकर की बहन माता पार्वती के बीच मतभेद का भी जिक्र है।

पार्वतीजी ननद क्यों चाहती थीं

जब भगवान शिव की बहन के बारे में पूछा गया, तो अधिकांश व्यक्तियों का दावा होगा कि शंकरजी अनादि और अजन्मा हैं। इसलिए, उसकी बहन होना कैसे संभव है? आज हम भगवान शिव की बहन की उत्पत्ति की कहानी बताएंगे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव ने माता पार्वती के अनुरोध पर अपनी एक बहन को बनाया था। दरअसल, माता पार्वती एक ननद चाहती थीं ताकि उनका मन लगा रहे। चूंकि भगवान शिव अनादि थे, इसलिए उनकी कोई बहन नहीं थी। ऐसे में माता पार्वती ने चिंतन और मनन किया।

शिव जी की बहन का जन्म कैसे और क्यों हुआ

भगवान शिव देवी पार्वती के विचारों से अवगत हो गए और पूछा कि क्या उन्हें कोई परेशानी है। पार्वती जी ने ननद की इच्छा प्रकट की। जवाब में, भगवान शिव ने उन्हें एक भाभी ढूंढने का वादा किया, लेकिन सवाल किया कि क्या वह उनके लिए अनुकूल होगी। पार्वती जी ने आत्मविश्वास से अपनी ननद से विवाह करने की इच्छा व्यक्त की। भगवान शिव ने उन्हें आश्वस्त किया और अपनी माया से एक देवी को उत्पन्न किया।

सावन 2023 शिव पूजा की मुख्य तिथियां

30 जुलाई 2023 - रवि प्रदोष व्रतः-

इस वर्ष सावन में अधिकमास का संयोग भी बना है। ऐसे में सावन का दूसरा एवं अधिकमास का प्रदोष व्रत 30 जुलाई रविवार को है। रविवार होने से ये रवि प्रदोष व्रत कहलाएगा। मान्यता है इस समय जो महादेव की उपासना करता है उसकी सभी मुरादें पूरी हो जाती है।

1 अगस्त 2023 - अधिकमास पूर्णिमाः-

पूर्णिमा पर भगवान महादेव एवं पार्वती की पूजा भी की जाती है। इस दिन किए गए दान और उपवास से अक्षय फल प्राप्त होता है। अधिकमास की पूर्णिमा पर मंगला गौरी व्रत भी रखा जाएगा।

13 अगस्त 2023 - रवि प्रदोष व्रतः-

यश, कीर्ति और ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए रवि प्रदोष व्रत बहुत अहम माना जाता है। ऐसे में सावन में दो रवि प्रदोष व्रत आएंगे। इस दिन शाम को गंगाजल, दूध, दही, शहद से महादेव का अभिषेक करें, इससे महादेव जल्द प्रसन्न होते हैं।

14 अगस्त 2023 - मासिक शिवरात्रि (अधिकमास):-

सावन की शिवरात्रि बहुत खास मानी जाती है। ये तिथि शिव और शक्ति के मिलन का दिन है। सावन के कृष्ण पक्ष की शिवरात्रि की पूजा हो चुकी है, अब सावन अधिकमास की शिवरात्रि का व्रत **14 अगस्त को रखा जाएगा।** अधिकसाम की शिवरात्रि पर सावन छठा सोमवार का व्रत भी है, इसलिए इसका महत्व ज्यादा बढ़ गया है। ये व्रत वैवाहिक जीवन, मनचाहा जीवनसाथी पाने की कामना के लिए रखा जाता है।

21 अगस्त 2023 - नाग पंचमीः-

सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी मनाई जाती है। ये दिन नाग देवता को समर्पित है, जो महादेव के गले की शोभा हैं। नाग पंचमी पर नागों की पूजा के साथ शिवजी की उपासना अवश्य करना चाहिए। इसके बिना नाग देवता की पूजा अधूरी मानी जाती है। इस बार नाग पंचमी पर सातवां सावन सोमवार व्रत भी रखा जाएगा।

31 अगस्त 2023 - सावन पूर्णिमाः-

सावन की पूर्णिमा तिथि पर शिव जी का अभिषेक करने से ग्रहों के दुष्प्रभाव कम होते हैं। पूर्णिमा पर चंद्रमा को अर्घ्य देने से कुंडली में चंद्र दोष दूर होता है। सावन पूर्णिमा पर रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया जाता है।

अगस्त में 3 बड़े ग्रहों का राशि परिवर्तन, शुक्र अस्त तो बुध होंगे वक्री

अगस्त 2023 ज्योतिष गणना की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। अगस्त में 3 बड़े ग्रहों का राशि परिवर्तन होने वाला है तो वहीं बुध ग्रह वक्री होगा और शुक्र 16 दिनों के लिए अस्त होगा। फिर उसका उदय होगा। सबसे पहले शुक्र ग्रह का राशि परिवर्तन होगा, उसके बाद सूर्य का राशि परिवर्तन होगा और फिर मंगल ग्रह का गोचर होगा। इन 3 ग्रहों के गोचर और शुक्र के अस्त तथा बुध के वक्री होने से सभी 12 राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। लेकिन इसमें भी कुछ राशियां होंगी, जिनकी किस्मत पलट सकती है। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ। मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं अगस्त 2023 के ग्रह गोचर और इनसे किन राशियों को लाभ होगा।

अगस्त 2023 ग्रह गोचर

1. शुक्र गोचर 2023: भौतिक सुख और सुविधाओं के कारण ग्रह शुक्र का गोचर 7 अगस्त दिन सोमवार को सुबह 10 बजकर 37 मिनट पर होगा। इस दिन शुक्र ग्रह फिर से कर्क राशि में गोचर करेगा। शुक्र ग्रह कर्क राशि में 7 अगस्त से 1 अक्टूबर रविवार तक रहेगा। फिर 2 अक्टूबर सोमवार को 01:18 एएम पर सिंह राशि में गोचर करेगा। कर्क में शुक्र के गोचर करने से मिथुन और वृश्चिक राशि के लोगों की किस्मत बदल सकती है। कार्य में सफलता और सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है।

2. सूर्य गोचर 2023: सूर्य का गोचर 17 अगस्त गुरुवार को होना है। उस दिन दोपहर 01 बजकर 44 मिनट पर सूर्य का गोचर सिंह राशि में होगा। सूर्य सिंह राशि में 17 अगस्त से 17 सितंबर तक पूरे एक माह रहेगा। 17 सितंबर रविवार को दोपहर 01 बजकर 42 मिनट पर सूर्य सिंह से कन्या राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने से कुछ राशियों को कार्यस्थल पर सफलता मिलेगी, यश और कीर्ति में वृद्धि हो सकती है।

3. मंगल गोचर 2023: भूमि पुत्र मंगल का राशि परिवर्तन 18 अगस्त शुक्रवार को होगा। उस दिन शाम 04 बजकर 12 मिनट पर मंगल ग्रह कन्या राशि में गोचर करेगा। मंगल ग्रह कन्या राशि में 18 अगस्त से 3 अक्टूबर को शाम तक रहेगा। फिर वह तुला राशि में प्रवेश करेगा। कन्या में मंगल गोचर से कर्क, मेष, वृश्चिक और मिथुन राशि के जातकों को विशेष लाभ हो सकता है।

इन दो गांवों का राधा-कृष्ण से नाता! श्याम ने की जैसी लीला

यूपी, राजस्थान और हरियाणा की सीमा पर नूंह जिले का बिछोर गांव है। बिछोर गांव का इतिहास बेहद पौराणिक है। इस गांव से नंदगांव चंद किलोमीटर की दूरी पर है। यहां श्रद्धालु नंदगांव बरसाना का दर्शन करने आते हैं। प्राचीन मंदिर के पुजारी शत्रुघ्न पांडे ने बताया कि बिछोर गांव में प्राचीन केशव कुंड है और श्री लक्ष्मणजी का देशभर में एकमात्र मंदिर भी है।

ऐसा माना जाता है कि नंद गांव से चरवाहे गायों को चराने के लिए बिछोर गांव के आस-पास के इलाके में आते थे। इस गांव में प्राचीन केशव कुंड है। बताते हैं कि श्रीकृष्ण और श्रीराधा ने गाय चराते हुए इस केशव कुंड में स्नान किया था। यह कुंड हजारों साल पुराना है। पहले यह कच्चा था, लेकिन अब इसे करीब 50 साल पहले पक्का बना दिया गया है। गांव के युवा और श्रद्धालु आज भी यहां डुबकी लगाते हैं।

एक-दूसरे को नहीं पहचान पाए थे श्रीकृष्ण-राधा

पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण और राधा ने जब इस कुंड में डुबकी लगाई और पानी से बाहर आए तो उन्होंने एक दूसरे को नहीं पहचाना। यहां पर दोनों बिछड़ गए, इसलिए इस गांव का नाम बिछोर पड़ा। वहीं बिछोर से चंद किलोमीटर की दूरी पर नूंह का सिंगार गांव है, जो जिले का सबसे बड़ा गांव है। पुजारी के मुताबिक, जब श्रीकृष्ण और राधा सिंगार गांव पहुंचे तो उन्होंने एक-दूसरे को पहचान लिया, जिसके बाद श्रीकृष्ण ने राधा का श्रृंगार किया। यह इलाका बृज की भूमि कहलाता है।

यहां स्वयंभू शिवलिंग

मंदिर के पुजारी के मुताबिक, केशव कुंड के नजदीक भोले बाबा का प्राचीन स्वयंभू मंदिर है। यह शिवलिंग जमीन के नीचे से प्रकट हुआ था। यहीं पर उनकी प्रतिमा भी है। इसे हजारों साल पुराना बताया जाता है। बड़ी संख्या में लोग आज भी यहां पूजा करने के साथ-साथ स्नान करने आते हैं। इन दिनों चौरासी कोस की परिक्रमा चल रही है, इसलिए आम दिनों के मुकाबले श्रद्धालुओं की अच्छी खासी संख्या केशव कुंड और भोले बाबा के मंदिर में देखी जा रही है।

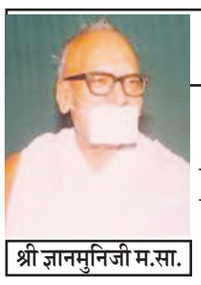

श्री ज्ञानमुनिजी म.सा.

ठोकर पर ठोकर लगे, मूढ न पावे ज्ञान

* जाकौ बुद्धि बल होत है, ताहि न रिपु की आस ।
घन बूँदे कह कर सकें, सिर पर छतना जास ॥
* हुस्न की दुनिया को आँखों से ही न देख ।
अपनी एक तर्जे नजर इजाद कर ।।
* मन मातंग वश करन कूँ, ज्ञानां कुश चित धार ।
क्षमा थंभ सूँ बाँधकर, लज्जा सांकल डार ॥
* जो तूं चाहे ज्ञानसुख, तो विषयन मन फैर ।
और जगह भटके मती, अपने ही में हेर ॥
* कामधेनु अरु कल्पतरु, इस भव सुख दातार ।
इणभव परभव दुहन में, ज्ञानां करे निस्तार ।।
* पारस अरु ज्ञान बीच अंतर जानि महन्त ।
वह लोहा कंचन करे, वह गुण देय अनंत ।।
* ज्ञान करो ज्ञानी बनो, पाओ नित्य सम्मान ।
अपने में पाओ सभी, आप गुणों की खान ।
* जीवन में सुख दुःख की आंधी आती है, आकर जाती है ।
ज्ञानी के चित्त में क्षोभ नहीं, मूरख को नाच नचाती हैं ।
* ठोकर लगते एक ही, समझे चतुर सुजान ।
ठोकर पर ठोकर लगे, मूढ न पावे ज्ञान ।।
* मल माटी रा गूंगला, कदिया न भंवरा होय ।
कादा मायै कलीजता, दिया जमारो खोय ॥
* आगम निगम पुरान को, रात दिन सुनता रहा ।
निज भेद को जाना नहीं, तो गरदन हिलाए क्या हुआ ।

'सिंघम अगेन' से जुड़ा एक और एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ

मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी भारत की सबसे बड़ी कॉप फिल्म बनाने की तैयारियों में हैं, जिसका नाम 'सिंघम अगेन' है। इस मूवी में अजय देवगन लीड रोल में हैं। इसके अलावा इससे कई और स्टार्स के जुड़ने की जानकारी है।

रिपोर्ट की मानें तो, 'सिंघम अगेन' में रणवीर सिंह, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे नजर आएंगे। इतना ही नहीं करीना कपूर इस हाई-ऑक्टेन एक्शन पैक्ड फिल्म में अजय की पत्नी के किरदार में देखी जाएंगी। इसी बीच इससे एक और एक्शन स्टार के जुड़ने की जानकारी सामने आई है, जो फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए काफी है।

'सिंघम अगेन' से जुड़े टाइगर श्रॉफ

ताजा जानकारी के मुताबिक, रोहित शेट्टी के कॉप जगत से एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ का नाम जुड़ गया है। इस मूवी में टाइगर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। यह कैमियो रोल रोहित शेट्टी के जरिए निर्मित कॉप वर्ल्ड में टाइगर के प्रवेश को चिन्हित करेगी, जहां उन्हें एक नए और बेहतरीन किरदार के तौर पर पेश किया जाएगा। 'सिंघम', 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' के समान, टाइगर श्रॉफ के पुलिस व्यक्तित्व में कई ऐसे गुण होंगे, जो उनके असल चरित्र को दर्शाएगा।

12 दिन तक शूटिंग करेंगे टाइगर

रिपोर्ट तो यह भी है कि टाइगर को एक अलग कॉप फ्रेंचाइजी फिल्म में भी एक्टिंग करने का अवसर मिला था, लेकिन उन्होंने इसके बजाए रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहतर समझा।

'सिंघम अगेन' में टाइगर श्रॉफ को कहानी के एक खास भाग में शामिल किया गया है, जिसमें उनका किरदार काफी अहम होने जा रहा है। टाइगर ने शूटिंग के लिए 12 दिन का समय दिया है, और वह रोहित शेट्टी को आवश्यकताओं के अनुसार अधिक समय देने को तैयार हैं।

'सिंघम अगेन' में शामिल पांच सुपरस्टार

'सिंघम अगेन' टाइगर के लिए भविष्य में अपनी खुद की स्टैंडअलोन कॉप फिल्म बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। वहीं, इसमें दीपिका पादुकोण भी एक पुलिसवाली की भूमिका में नजर आएंगी। इस तरह कॉप यूनिवर्स में कुल पांच पुलिसकर्मी होंगे, जिसमें अजय देवगन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और दीपिका पादुकोण का नाम शामिल है।

ऋचा ने शुरू की इंटरनेशनल फिल्म 'आइना' की शूटिंग

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा फिल्म 'आइना' को लेकर चर्चा में हैं। यह उनका पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है। अभिनेत्री ने लंदन में इसकी शूटिंग शुरू कर दी है। सामने आए बयान के मुताबिक, 'आइना' एक इंडो-ब्रिटिश प्रोजेक्ट है, जिसमें ऋचा चड्ढा लीड किरदार निभाती नजर आएंगी। इसमें वह 'द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया' फेम एक्टर विलियम मोसेले के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी।

कहा जा रहा है कि फिल्म 'आइना' रियल लाइफ ड्रामा पर आधारित है। इस फिल्म को लेकर ऋचा काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है, 'मैंने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सारी स्क्रिप्ट्स पढ़ी थीं, लेकिन कोई भी पसंद नहीं आ रही थी। लेकिन, जब 'आइना' आई तो यह तुरंत पसंद आ गई और अब फाइनली यह बन रही है। मैं बहुत ज्यादा रोमांचित हूं'।

ऋचा चड्ढा का कहना है कि इस फिल्म की स्टोरीलाइन काफी दिलचस्प है। मुझे अपने इंटरनेशनल डेब्यू के लिए एक मजबूत स्क्रिप्ट की तलाश थी और 'आइना' इस मामले में बिल्कुल सही बैठती है। ऋचा चड्ढा ने विदेशी फिल्म में काम करने का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया, 'पूरी फिल्म यूके में शूट होगी और उनका वर्किंग कल्चर हमारे से बिल्कुल अलग है। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कई वर्षों का अनुभव होने के बाद भी, मैं यहां फ्रेशर जैसा फील कर रही हूं।' बता दें कि 'आइना' के अलावा ऋचा चड्ढा आने वाले वक्त में 'फुकरे 3' में भी नजर आएंगी। यह फिल्म एक दिसंबर को रिलीज होगी। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अपने प्रोडक्शन हाउस के पहले प्रोजेक्ट 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का काम भी पूरा कर लिया है। यह फिल्म 16 वर्षीय एक लड़की की जिंदगी पर आधारित है, जिसके रिश्ते अपनी मां से काफी जटिल हैं।

अपनी पीआर रणनीति को खराब बताने वालों को जान्हवी ने दिया जवाब, बोलीं- जैसी हूं, वैसी रहूंगी

जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'बवाल' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है। जान्हवी के साथ फिल्म में वरुण धवन नजर आए हैं। फिल्म को दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। जान्हवी कपूर के करियर की शुरुआत से अक्सर उनके बारे में यह कहा गया है कि वह अपनी फिल्मों का पीआर ठीक से नहीं करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस बारे में चुप्पी तोड़ी है।

जान्हवी कपूर हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान इंडस्ट्री में अपनी अब तक की यात्रा पर बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कई बार स्टारडम डर से प्रेरित होता है। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में अपने अलग रवैये को लेकर भी कई बातें सामने रखीं।

जान्हवी का कहना है कि अक्सर वह ऐसी बातें सुनती हैं कि कोई फिल्म खराब या अच्छी नहीं होती, सिर्फ मार्केटिंग खराब होती है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उनकी किसी फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया तो उन्हें बोला गया कि मार्केटिंग अच्छी नहीं की गई। हालांकि, जान्हवी ने किसी के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि ऐसा अक्सर होता है।

जान्हवी ने आगे कहा कि जब आप इंडस्ट्री में होते हैं या ऐसे माहौल में होते हैं तो एक डर होता है। हर कोई जहां खुद को नोटिस कराने के लिए चिल्ला रहा होता है, वहां आप सिर्फ इसलिए डरे रहते हैं कि आप ऐसे माहौल में चुप हैं तो क्या कोई आपको नोटिस करेगा? जान्हवी कपूर ने आगे कहा कि वह जैसी हैं, वैसी बनी रहने के लिए उन्होंने बहुत हिम्मत दिखाई है। एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई काम पर्याप्त नहीं होता'। उन्होंने आखिर में कहा कि इस तरह का रवैया अपनाने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है और यह काफी ज्यादा चैलेंजिंग है। बता दें कि 'बवाल' अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है।

उरी के बाद यामी गौतम ने फिर मिलाया पति आदित्य धर संग हाथ ? 'धूम धाम' में नजर आएंगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम को आखिरी बार नेटफ्लिक्स इंडिया की फिल्म 'चोर निकल के भागा' में देखा गया था। इस रोमांचक डकैती पर आधारित फिल्म में एक्ट्रेस फ्लाइट अटेंडेंट के किरदार में नजर आई थीं। वहीं, इन दिनों यामी 'ओएमजी 2' में अपनी वकील की भूमिका को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी नजर आएंगे। इसके अलावा यामी अपने फिल्ममेकर पति आदित्य धर के साथ एक फिल्म में काम करने जा रही हैं, जिसका अपडेट उत्साह बढ़ाने वाला है।

'धूम धाम' में नजर आएंगी यामी

रिपोर्ट की मानें तो, यामी गौतम जल्द ही रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'धूम धाम' में नजर आएंगी, जिसे उनके पति और फिल्ममेकर आदित्य धर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 'धूम धाम' को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज किया जाएगा। जानकारी हो कि यह पहली बार नहीं है, जब यामी और आदित्य ने पेशेवर रूप से सहयोग किया है। वे पहले सफल प्रोजेक्ट 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के लिए सहयोग कर चुके हैं।

सितंबर में शुरू होगी 'धूम धाम' की शूटिंग

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म 'धूम धाम' को लेकर जानकारी है कि इसकी शूटिंग इसी वर्ष सितंबर महीने तक शुरू होगी। फिल्म के ज्यादातर सीन कश्मीर और दिल्ली में फिल्माए जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यामी को स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है, और यह परियोजना सच्ची घटनाओं से प्रेरित राजनीतिक थ्रिलर बताई जा रही है। मूवी की कहानी असाधारण परिस्थितियों का सामना करने वाली एक दृढ़ महिला के इर्द-गिर्द घूमती है।

यामी के पति आदित्य धर होंगे प्रोड्यूसर

अपने बैनर बी62 स्टूडियोज के तहत, आदित्य धर फिल्म का निर्माण करेंगे, जबकि गोवा के दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता आदित्य सुहास जंभाले निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। आदित्य सुहास जंभाले ने क्रिटिक्स के जरिए लघु फिल्मों जैसे 'आबा...एकताय ना?', 'खरवास,' और 'अमृतसर जंक्शन' के डायरेक्शन में अपने असाधारण काम के लिए प्रशंसा हासिल की है।

नोरा फतेही के हाथ लगी साउथ फिल्म वरुण तेज के साथ साझा करेंगी स्क्रीन

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बॉलीवुड में अपने लिए खास जगह बनाई है। इसके अलावा उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया है। मुख्य रूप से नोरा अपने डांस के लिए जानी जाती हैं। फिल्म 'सत्यमेव जयते' में अपने 'दिलबर' गाने से उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। नोरा के फैंस के लिए एक खुबरी है। नोरा फतेही जल्द ही साउथ एक्टर वरुण तेज के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।

स्पेशल डांस नंबर भी करेंगी?

खबरों के मुताबिक करुणा कुमार के निर्देशन में बन रही फिल्म में नोरा, वरुण तेज के साथ काम करेंगी। अभी इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है और इसे अभी 'वीटी14' कहा जा रहा है। खबरों के मुताबिक नोरा इस फिल्म में अहम रोल अदा करेंगी। फिल्म में अभिनय करने के अलावा नोरा इसमें एक स्पेशल डांस नंबर भी करती दिखेंगी।

एक्शन का दम दिखाएंगे वरुण

वरुण तेज के वर्क फ्रंट की बात करें तो 'वीटी14' के अलावा वह एक्शन थ्रिलर फिल्म 'गांडीवधारी अर्जुन' में भी नजर आएंगे। हाल ही में उनकी इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया। फिल्म में एक्टर कुछ हार्डकोर एक्शन सीन करते दिखेंगे। बता दें कि वरुण तेज की यह फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन प्रवीण सत्तारू ने किया है। इस फिल्म से किया था डेब्यू

बता दें कि नोरा मूल रूप से कनाडाई मूल की मॉडल, डांसर, सिंगर और एक्ट्रेस हैं। वह हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म 'रोअरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' (2014) के जरिए हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। वह बिग बॉस के सीजन नौ में भी हिस्सा ले चुकी हैं। इसके अलावा वह 'झलक दिखला जा' में भी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं।

साउथ में रजनीकांत का जलवा अब भी बरकरार, महज 15 सेकंड में बुक हुए जेलर ऑडियो लॉन्च के पास

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स की बात हो तो रजनीकांत का नाम सबसे पहले आता है। उम्र के इस पड़ाव में आने के बाद भी वह जबर्दस्त एक्शन से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। फैंस को भी उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। थलाईवा के नाम से मशहूर रजनीकांत जल्द ही जेलर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर काफी बज बन चुका है।

यह फिल्म 10 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके रिलीज होने में 15 दिन से भी कम समय बचा है, इसलिए फिल्म निर्माताओं ने 28 जुलाई को चेन्नई में फिल्म का ट्रेलर और ऑडियो लॉन्च करने की योजना बनाई है।

जानकारी के मुताबिक ऑडियो और ट्रेलर लॉन्च पास खुलने के 15 सेकंड में ही बिक गए। सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माताओं ने कहा कि प्रशंसकों के लिए घोषित 1000 मुफ्त पास बुक हो गए और इसमें महज 15 सेकंड का समय लगा। एक पोस्टर साझा करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कहा कि सभी पास पर केवल 15 सेकंड में ही दावा कर दिया गया। बता दें कि 'जेलर' एक एक्शन थ्रिलर है और फिल्म में रजनीकांत, राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, मोहनलाल, टाइगर श्रॉफ, शिवा राजकुमार, सुनील और योगी बाबू हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो इस फिल्म के अलावा रजनीकांत लाल सलाम में भी नजर आने वाले हैं। इसका निर्देशन उनकी बेटी ऐश्वर्या कर रही हैं। हाल ही में अभिनेता ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी की है। दोनों ही फिल्मों से फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें हैं।

'डर' के लिए ऐश्वर्या थीं यश चोपड़ा की पहली पसंद, फिर हुआ कुछ ऐसा और जूही चावला को मिल गई फिल्म

यश चोपड़ा की फिल्म डर उस समय की कल्ट क्लासिक फिल्म थी। इस फिल्म में शाहरुख खान, सनी देओल और जूही चावला ने अपने अभिनय से फैंस का दिल जीत लिया था। सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर नीता लुल्ला ने अब इस बात का खुलासा किया है कि इस फिल्म के लिए पहले ऐश्वर्या राय को कास्ट किया जा रहा था। डर के लिए मेकर्स की पहली च्वाइस ऐश्वर्या ही थीं, लेकिन बात नहीं बनी और एक्ट्रेस को बदलना पड़ गया।

नीता लुल्ला ने बताया कि वह ऐश्वर्या राय के साथ पहली बार यश चोपड़ा के ऑफिस में मिली थीं। वहां यश चोपड़ा और ऐश्वर्या डर फिल्म को लेकर बात कर रहे थे। नीता ने बताया कि यश चोपड़ा का फोन आया, उन्होंने कहा, ऐश्वर्या के साथ लुक टेस्ट कर लें। हमने उनका लुक टेस्ट किया, उसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं। लेकिन यश चोपड़ा जानते थे कि ये चीजें काम नहीं करेंगी।

यश चोपड़ा जानते थे कि ऐश्वर्या अपने मिस वर्ल्ड पेजेंट के लिए जा रही थीं। और वह उसके लिए चली गईं। इस तरह यह फिल्म जूही चावला के खाते में आ गई। इसके बाद ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बन गईं और उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। हालांकि ब्यूटी क्वीन बनने से पहले भी ऐश्वर्या यहां एक लोकप्रिय मॉडल थीं। ऐश्वर्या राय ने मणिरत्नम की इरुवर, जींस, आ अब लौट चलें, हम दिल दे चुके सनम, ताल, देवदास में भी अहम भूमिका निभा चुकी हैं। बता दें कि नीता लुल्ला ने ऐश्वर्या राय की फिल्म जींस के लिए ड्रेस तैयार की थी। ऐश्वर्या ने नीता लुल्ला से कहा था कि वह फिल्म के लिए उनके कपड़े तैयार करें।

हर 4 मिनट में 3 बच्चों का आईवीएफ से जन्म

आईवीएफ सेंटर कम पड़ रहे, लंबी वेटिंग लिस्ट; 1978 में शुरू हुई ये तकनीक

IVF यानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन

- इन विट्रो यानी बॉडी के बाहर की गई कोई तकनीक। जो तकनीक हमारी बॉडी के अंदर की जाती है, उसे हम इन वीवो कहते हैं। IVF तकनीक का इस्तेमाल आपकी बॉडी के बाहर किया जाता है। इसलिए इसे इन विट्रो कहते हैं।
- फर्टिलाइजेशन का मतलब है पुरुष का स्पर्म और महिला के एग को मिक्स करना। जब ये पूरा काम ह्यूमन बॉडी के बाहर प्रयोगशाला में किया जाता है, तो इस तकनीक को IVF ट्रीटमेंट कहते हैं।

दुनिया में इस वक्त 1.20 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने जीवन की शुरुआत मां के गर्भ से नहीं बल्कि किसी लैब के जार से की है। दुनिया भर में हर 3 मिनट में 4 ऐसे बच्चों का जन्म हो रहा है।

1978 से शुरू हुई इस आईवीएफ तकनीक की मांग अब इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लगातार बढ़ते आईवीएफ सेंटर्स मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं और लोग वेटिंग में हैं।

दुनिया के कई देशों में एलजीबीटी समुदाय को कानूनी मान्यता मिल गई है। इसके बाद उनके माता-पिता बनने की चाहत भी आईवीएफ के जरिए पूरी हो रही है। जेनेटिक बीमारियों से परेशान लोगों को आईवीएफ तकनीक ज्यादा सुरक्षित लगने लगी है।

महिलाओं की मां बनने की बढ़ती उम्र ने बढ़ाई आईवीएफ की मांग

कोलंबिया विश्वविद्यालय के फर्टिलिटी सेंटर के जेव विलियम्स कहते हैं- 1990 के बाद जबसे भ्रुण में सेल्स को हटाने की तकनीक विकसित हुई,

अगली पीढ़ी को आनुवांशिक रोगों से बचाने के लिए लोग आईवीएफ के जरिए संतान पाने की कोशिश करने लगे। इससे आनुवांशिक रोगों से मुक्त बच्चे पैदा हो रहे हैं।

लेकिन इन सबसे ज्यादा महिलाओं की मां बनने की बढ़ती उम्र की वजह से आईवीएफ की मांग दुनिया भर में बढ़ी है। इंग्लैंड और वेल्स में पहले बच्चे की मां बनने की औसत उम्र 29 साल है। चीन के शंघाई में 30 साल और अमेरिका में 35 साल हो गई है।

चीन में हर साल आईवीएफ के 10 लाख साइकिल

घटती और बूढ़ी होती आबादी से परेशान चीन आईवीएफ के सहारे अपनी आबादी बढ़ा रहा है। यहां हर साल 10 लाख से ज्यादा आईवीएफ साइकिल चलती है, जिससे दुनिया में सबसे ज्यादा बच्चे यहां आईवीएफ से जन्म ले रहे हैं। चीन के कई राज्यों ने सिंगल मदर को भी आईवीएफ से बच्चों के जन्म की इजाजत दे दी है। चीन की महिलाएं दुनिया के दूसरे देशों में जाकर भी एग फ्रीजिंग करा रही हैं। कई बार तो कंपनियां इसका खर्च उठा रही हैं।

वॉलमार्ट जैसे रिटेल चेन स्टोर में खोल रहे आईवीएफ सेंटर

आईवीएफ अब भी एक महंगी तकनीक है। रिटेल स्टोर चेन वॉलमार्ट ने बढ़ती मांग को देखते हुए अपने कुछ बड़े शहरों के स्टोर में आईवीएफ सेंटर खोले हैं। अगले कुछ सालों में कंपनी अपने सभी स्टोर में आईवीएफ सेंटर खोलने की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा रिटेल सेक्टर की दूसरी कई बड़ी कंपनियां भी आईवीएफ सेक्टर में कारोबार शुरू करने की योजना बना रही हैं। इसके लिए वे अपने स्टोर में ही सेंटर तैयार कर रही हैं।

भारत में 5 साल में आईवीएफ साइकिल 6 लाख हो सकते हैं

भारत में इस समय 3.5 करोड़ इनफर्टाइल लोग हैं। इसमें सिर्फ 2% ही इसका इलाज कराते हैं।

इसमें आईवीएफ भी शामिल है। दूसरे देशों में यह आंकड़ा भारत से काफी अधिक है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में करीब 2,80,000 आईवीएफ साइकिल हुए। अगले पांच सालों में इसमें 15 से 20% की बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। अगले 5 सालों में ये साइकिल बढ़कर 5.5 से 6 लाख होने की उम्मीद है।

25 की उम्र में सोचने की क्षमता सबसे ज्यादा मैराथन जैसी धैर्य वाली गेम्स का पीक 40 की उम्र में

कभी-कभी हमारे जेहन में बढ़ती उम्र को लेकर सिहरन पैदा होने लगती है, लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ जीवन बेहतर होता जाता है। सभी सोच कौशल और पैटर्न एक ही उम्र में चरम पर नहीं होते हैं। मिसाल के तौर पर किशोरों में खूब सारी ऊर्जा हो सकती है, लेकिन बड़े वयस्कों के पास सबसे अच्छी शब्दावली, रचनात्मकता और समस्याओं के समाधान का सबसे बेहतर आइडिया होता है।

50 की उम्र क्रिटिकल एनालिसिस के लिए सबसे बेहतरीन होती है। हार्वर्ड और बोस्टन अटेंशन एंड लर्निंग लेबोरेटरी ने प्रभावशाली अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों की एक विस्तृत श्रृंखला के नए शोध और गहन विश्लेषण के बाद ये सभी निष्कर्ष निकाले हैं।

नौकायन जैसे सहनशक्ति वाले खेल 40 में सर्वश्रेष्ठ

हमारा शरीर शुरुआती वक्त में उस काम के लिए श्रेष्ठ होता है, जिनमें अपार ऊर्जा लगती है। दौड़ना, स्केटिंग व तैराकी तेज-तर्रार मांसपेशियों पर निर्भर करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों के फाइबर्स कमजोर होने लगते हैं, जिससे तेजी से दौड़ना या तैरना कठिन हो जाता है। यही वजह है कि उच्च ऊर्जा वाले खेलों के पीक की उम्र 20-30 साल और मैराथन, नौकायन जैसे सहनशक्ति वाले खेलों के लिए 40 साल है।

प्रयोगात्मक सोच के कौशल 50 के दशक में सबसे बेहतरीन

रचनात्मकता, एथलेटिक कौशल और कल्पनाशीलता अक्सर युवाओं से जुड़े होते हैं। लेकिन शोध से पता चलता है कि वृद्ध लोग 'प्रयोगात्मक' सोच में सबसे कुशल होते हैं जो सालों के संचित ज्ञान, शिक्षा और अनुभव को दर्शाता है। इनका कौशल 50 के दशक के मध्य में चरम पर होता है। आउट ऑफ बॉक्स सोच और विभिन्न स्थितियों के लिए बहुत सारी संभावनाएं पैदा करने में सक्षम होते हैं।

क्या मोबाइल फोन से बढ़ रहा है ब्रेन ट्यूमर का खतरा?

ब्रेन ट्यूमर बीमारी से जुड़े मिथ्य और फैक्ट्स

ब्रेन हमारे शरीर का मास्टर अंग माना जाता है। सभी अंगों को किस प्रकार से काम करना है, भूख से लेकर नींद तक सब कुछ यहीं से कंट्रोल होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को मस्तिष्क की सेहत को लेकर विशेष सावधानी और सतर्कता बरतते रहने की सलाह दी जाती है। दुर्भाग्यवश हमारे दिनचर्या की कुछ गड़बड़ आदतें ब्रेन के लिए कई प्रकार की समस्याओं का कारण बनती जा रही हैं।

वैश्विक स्तर पर मस्तिष्क से संबंधित रोगों के बढ़ते जोखिम को कम करने और इसकी बीमारियों से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 22 जुलाई के वर्ल्ड ब्रेन डे मनाया जाता है। इस क्रम में इस साल का थीम है- ब्रेन हेल्थ एंड डिसेबिलिटी, लीव नो वन बिहाइंड।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ब्रेन से संबंधित जो बीमारी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है वह है- ब्रेन ट्यूमर। हालांकि ज्यादातर लोगों को इस रोग के बारे में सही जानकारी नहीं है। गलत जानकारियां रोग के समय पर निदान और इलाज में बाधा बन सकती हैं। आइए ब्रेन ट्यूमर से जुड़ी ऐसी ही कुछ अफवाहों के बारे में जानते हैं।

मिथ- मोबाइल फोन बढ़ा रहे हैं ब्रेन ट्यूमर का खतरा।

मोबाइल फोन के अधिक इस्तेमाल को कई प्रकार की बीमारियों को बढ़ाने वाला माना जाता है। अक्सर लोग तर्क देते हैं कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर की आशंका भी बढ़ जाती है, हालांकि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुताबिक ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है जो इसकी पुष्टि करता हो।

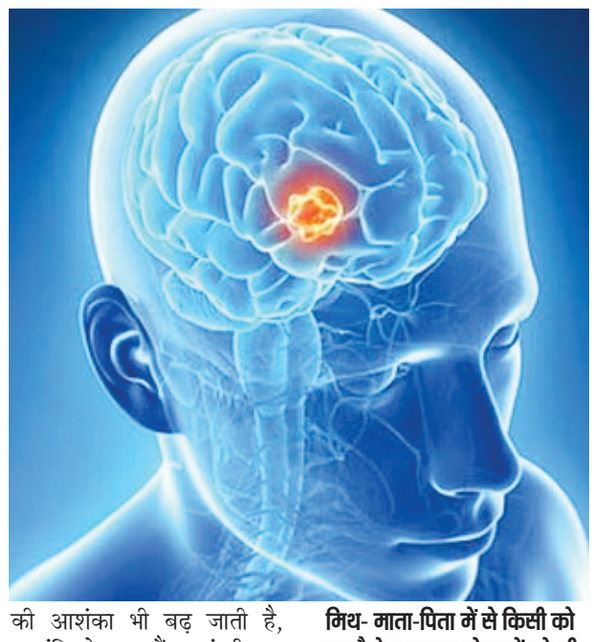

लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव जरूर पड़ सकता है, पर इससे ब्रेन ट्यूमर होने का जोखिम नहीं होता है।

मिथ- माता-पिता में से किसी को रहा है ब्रेन ट्यूमर तो बच्चों को भी खतरा

डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याओं की तरह ही अक्सर ब्रेन ट्यूमर के भी आनुवांशिक जोखिमों को लेकर आशंका जताई जाती रही है। हालांकि इसको भी प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कई प्रकार के पर्यावरणीय या जीवनशैली के कारक ब्रेन ट्यूमर के मुख्य कारण हैं। यह माता-पिता से बच्चों में पास होता हो इसके सबूत बहुत कम या न के बराबर हैं।

मिथ- 60 से ऊपर के लोगों को ही होता है ब्रेन ट्यूमर।

अगर आपको लगता है कि ब्रेन ट्यूमर की समस्या सिर्फ उम्रदराज लोगों को होती है तो यह गलत जानकारी आपको भ्रमित कर सकती है। ब्रेन ट्यूमर एक ऐसी बीमारी है जो बच्चों और वयस्कों दोनों में हो सकती है। निदान किए गए सभी ब्रेन ट्यूमर के मामलों में से लगभग 3.9 प्रतिशत मामले 0-14 वर्ष की आयु के बच्चों में होते हैं। इसलिए सभी आयुवर्ग के लोगों के लिए ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों को समझना और जल्द से जल्द इलाज प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

मिथ- ब्रेन ट्यूमर का मतलब आपको हो गया है कैंसर।

ज्यादातर लोगों का मानना है कि ब्रेन ट्यूमर, कैंसरकारक होते हैं, पर यह पूरा सच नहीं है। ब्रेन ट्यूमर कैंसरयुक्त और गैर-कैंसरयुक्त दोनों प्रकार के हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, केवल एक-तिहाई ब्रेन ट्यूमर ही कैंसर का रूप लेते हैं। यदि समय पर निदान हो जाए, तो उचित उपचार से ब्रेन ट्यूमर का इलाज किया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि अगर आपमें इससे संबंधित लक्षण दिख रहे हैं तो समय पर इसकी पहचान कर इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें।

देश-विदेश तक हिंदी को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी

केंद्रीय हिंदी संस्थान के नवनियुक्त निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने कहा कि हिंदी संपूर्ण भारत को जोडने वाली भाषा है। आज हिंदी के माध्यम से पूरे भारतवर्ष में एकात्मकता का भाव है। यह भाव स्वतंत्रता के काल से ही महसूस किया गया था। इस दौरान जो क्रांतिकारी नीतियां देश के तत्कालीन कर्णधार बना रहे थे, यह सभी नीतियां हिंदी में ही थीं। उस समय कवि भी हिंदी में राष्ट्रप्रेम से भरी जोशीली कविताओं की रचना कर रहे थे, चाहे वह माखनलाल चतुर्वेदी की ₹पुष्प की अभिलाषा कविता हो, या फिर मैथिलीशरण गुप्त की मनुष्यता किंतु खेद की बात है कि कुछ राजनीतिक षडयंत्र के कारण हिंदी को जो स्थान मिलना चाहिए, वह पूरी तरह नहीं मिल पाया है। भविष्य में भी हिंदी को उचित स्थान मिल पाएगा, यह भी संदेश के घेरे में है। यह हुई देश की बात, किंतु अंतराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी किसी का मोहताज नहीं है। हिंदी फिल्मों तथा बाजार ने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यह वर्तमान में विश्व संचार की भाषा बन गई है। वर्तमान के हमारे प्रधानमंत्री विदेश में जहां भी जा रहे हैं, हिंदी में भाषण दे रहे हैं। यह भारतीय भाषाई अस्मिता की पहचान है। वर्तमान में हिंदी ने स्वयं को तकनीकी तथा कौशल विकास के साथ जोड लिया है। उन्होंने कहा कि हमें आशावादी दृष्टिकोण रखना चाहिए कि आने वाली शताब्दी हिंदी की ही होगी। अपने संस्थान के बारे में प्रो. कुलकर्णी ने बताया कि केंद्रीय हिंदी संथान, आगरा की स्थापना अहिंदी भाषी प्रदेशों में हिंदी शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से ही की गई थी। सच्चाई तो यह है कि हर प्रदेश की अपनी-अपनी संस्कृति होती है, अपना-अपना परिवेश होता है। जब हम पूर्वोत्तर की बात करेंगे, तो आज भी उन प्रदेशों, चाहे आसाम हो या मेघालय या सिक्किम हो या अरुणाचल प्रदेश, में हिंदी की वही स्थिति है, जो विदेशों में हिंदी की है। जैसे विदेशी विद्यार्थियों को हिंदी पढाना बड़ा कठिन है, वैसे यहां के विद्यार्थियों को हिंदी पढाना भी मुश्किल है। अतः इन प्रदेशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार करना तथा इन राज्यों में हिंदी शिक्षक तैयार करना केंद्रीय हिंदी संस्थान के लिए एक चुनौती भरा कार्य है। हाल ही में पूर्वोत्तर के राज्यों के कई छात्र व शिक्षकों ने मुझे अपनी समस्या बताई थी कि उन्हें हिंदी की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने वहां पर संस्थान द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम शुरू करने का भी आग्रह किया। हमने उन शिक्षकों की समस्या को ध्यान में रखते हुए कई हिंदी पुस्तकें तैयार की हैं। इधर दक्षिण में खासकर तामिलनाडू में भी हिंदी को लेकर यही समस्या है। यहां भी संस्थान हिंदी के प्रचार-प्रसार में दमखम में जुटा हुआ है। तमिलनाडू में जनता हिंदी सिखना चाहती है, किंतु राजनीतिक षडयंत्र के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है।

प्रो. कुलकर्णी ने कहा कि हिंदी आज बाजार की भाषा बन गई है। जनता को इसे सिखने से कोई रोक नहीं सकता, इसलिए सरकार चाहे या नहीं चाहे जनता तथा विद्यार्थी हिंदी सिखना चाह रहे हैं। अब तक केंद्रीय हिंदी संस्थान अहिंदी भाषी प्रदेशों में 12 लाख से अधिक हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुका है। वर्तमान में मिजोरम राज्य में 3000 हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का जिम्मा हमें मिला है। आसाम से भी 2500 अनट्रेंड शिक्षकों को ट्रेंड करने की मांग आयी है। नई शिक्षा नीति पर प्रो. कुलकर्णी ने बताया कि नई शिक्षा नीति में प्रादेशिक भाषाओं में शिक्षा प्रदान किये जाने को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए हम सभी को उन भाषाओं में स्तरीय पाठ्य पुस्तकें तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने मेघालय की तीसरी कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक के लिए हिंदी पाठ्य पुस्तकें तैयार की है। साथ ही नई शिक्षा नीति ने भारत में लुप्त प्रायः भाषाओं को जीवित करने पर भी जोर दिया है। अब उन भाषाओं का डिजिटालाइजेशन किया जा रहा है। इसमें कोश निर्माण आदि कार्य जारी हैं।

तेलंगाना में हिंदी की स्थिति काफी मजबूत है, किंतु यहां की सरकार को इस पर और ध्यान देने की जरूरत है। यहां के हिंदी शिक्षक यह बता रहे हैं कि यहां के स्कूलों में उन्हें उपेक्षा की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि वे हिंदी के शिक्षक हैं, जो बिलकुल सही नहीं है। कहीं पर भी अंग्रेजी को अधिक महत्व दिया जाना भारतीय समाज व संस्कृति के लिए अनुकूल नहीं है। यह बहुत ही चिंतन व चिंता का विषय है। यहां के हैदराबाद विश्वविद्यालय हो, इफ्लू हो, मानू हो यहां दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा हो या फिर हिंदी प्रचार सभा, नामपल्ली हो, हिंदी का पठन-पाठन तथा शोध कार्य जोरों पर जारी है। इसमें हमारे संस्थान का हैदराबाद केंद्र भी विशेष सहयोग दे रहा है। समय-समय पर संगोष्ठियां आदि आयोजित करने में आर्थिक मदद दी जा रही है और आगे भी दी जाएगी। यहां से निकलने वाली हिंदी पत्रिकाएं भी सशक्त हैं। संस्थान के हैदराबाद केंद्र द्वारा निकाली जा रही पत्रिका समन्वय दक्षिण भी अन्यतम है। हैदराबाद शहर से कई वर्षों से निकल रहे हिंदी समाचार पत्रों का हिंदी को बढावा देने में विशेष सहयोग रहा है।

इस दौरान केंद्रीय हिंदी संस्थान के हैदराबाद केंद्र प्रभारी डॉ. गंगाधर वानोडे ने बताया कि हिंदी जन मन की भाषा है। यहां के लोगों को सिर्फ अपनी मातृभाषा या अंग्रजी पढने से काम नहीं चलेगा। देश को अगर जानना है तो हिंदी चाहिए ही चाहिए। संस्थान का हैदराबाद केंद्र हिंदी को बढावा देने तथा कौशल आधारित बनाते हुए युवाओं को रोजगारक्षम बनाने के लिए कई नये सांध्यकालीन पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है, क्योंकि युवा दिन के समय व्यस्त रहने के कारण उन्हें हिंदी के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा सायं के समय दी जा सकती है।

इस अल्पावधि पाठ्यक्रमों से युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो पाएंगे। हैदराबाद केंद्र द्वारा पांडिचेरी, गोवा, तामिलनाडू, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना भर के हिंदी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अलावा कई संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। हमारे संस्थान के प्रत्येक अधिकारी से लेकर शिक्षक इस दिशा में प्रयासरत हैं। इस दिशा में हमारे नवनियुक्त निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी जी से मिल रहे प्रोत्साहन सराहनीय है।

बारिश के मौसम में रूसी से हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू टिप्स

बारिश का मौसम चल रहा है। इस मौसम का इंतजार लोगों को सालभर रहता है। बारिश की वजह से ही तेज और उमस वाली गर्मी से राहत मिलती है लेकिन बारिश अपने साथ कई ऐसी परेशानियां लेकर आती है, जिसका सही समय पर इलाज करना काफी जरूरी होता है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति बारिश में भीगता है तो उसके सामने त्वचा से संबंधी परेशानियां आने लगती हैं। बारिश के पानी में भीगने के बाद त्वचा पर खुजली होना बेहद आम बात है।

त्वचा पर खुजली के अलावा बालों का झड़ना, बालों में डैंड्रफ होना, स्कैल्प पर खुजली की समस्या भी काफी आम है। सबसे ज्यादा परेशानी तो तब होती है, जब सिर पर डैंड्रफ हो जाता है। बालों में होने वाली रूसी को हटाने के लिए आप या तो पार्लर जा सकते हैं, या फिर कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर आप डैंड्रफ से छुटकारा पा सकते हैं।

घरेलू नुस्खों के लिए आपको ज्यादा कुछ करना नहीं पड़ेगा।

रूसी को हटाता है टी ट्री तेल

ये तेल आपके बालों के लिए रामबाण साबित हो सकता है। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो टी ट्री तेल को नारियल तेल के साथ मिलाएं और इसे अपने बालों में लगाएं। कुछ ही दिनों में आपको डैंड्रफ से राहत मिलेगी।

विनेगर

सेब के सिरके का इस्तेमाल करके आप बालों की रूसी को खत्म कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एप्पल साइडर विनेगर और पानी को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसे बाल धोने से पहले बालों में लगा लें। कुछ देर बाद बालों को धो लें।

एलोवेरा

एलोवेरा के इस्तेमाल से आप अपने बालों में होने वाले डैंड्रफ को हटा सकते हैं। इसके लिए सीधे ताजे एलोवेरा जेल को अपने बालों में लगाएं और कुछ समय बाद बालों को धो लें। ये जरूर आपको फायदा पहुंचाएगा।

नींबू

अगर आप नींबू का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो पहले इसे एक बार टेस्ट जरूर कर लें। नींबू कई लोगों को सूट नहीं करता है। अगर ये आपको सूट करता है तो ताजा नींबू का रस अपने स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करते हुए 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। ये रूसी को खत्म करने में मददगार होता है।

बेकिंग सोडा

बालों में बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करने के लिए आपको बस बालों को हल्का गीला करके बेकिंग सोडा के पेस्ट को बालों में लगाना है। कुछ दिन इसका इस्तेमाल आपको जरूर फायदा पहुंचाएगा।

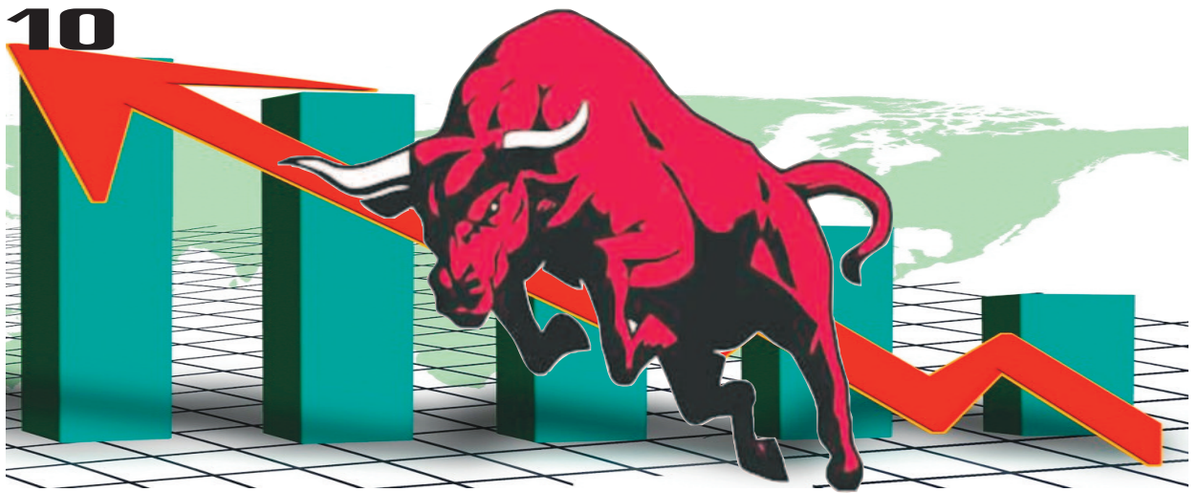

भारत ने किया चावल बैन

अमेरिका में दुकानदारों ने कहा नहीं मिलेगा एक पैकेट से ज्यादा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पिछले दिनों गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था. इसके बाद से अमेरिका (यूएस) के डिपार्टमेंटल स्टोर्स पर चावल खरीदने के लिए भगदड़ मच गई. चावल खरीदने के लिए इस कदर भीड़ उमड़ी की स्टोर्स ने ग्राहकों द्वारा खरीदे जा रहे चावल के बैग की संख्या पर लिमिट लगा दिया. कई स्टोर्स पर स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए 'प्रति परिवार केवल एक चावल बैग' का नोटिस लगा दिया है. लेकिन चावल की जमाखोरी को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं.

जमाखोरी की आशंका बढ़ी

इस बात की आशंका बढ़ गई है कि लोग चावल को स्टोर कर बाद में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काफी अधिक कीमतों पर बेचने का प्रयास कर सकते हैं. भारत के गैर-बासमती चावल के निर्यात प्रतिबंध लगाने से ग्लोबल लेवल पर विशेष रूप से प्रवासी भारतीयों पर असर पड़ा है. कई एनआरआई ने कथित तौर पर सोना मसूरी चावल के 10-15 बैग खरीदे हैं.

भारत द्वारा चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध के असर को कई एनआरआई ने ट्विटर के जरिए दिखाने की कोशिश की. उन्होंने किराने की दुकानों पर लगी भीड़ और हड़बड़ी में खरीदारी करते लोगों के वीडियो शेयर किए. हालांकि, प्रमुख चावल निर्यातक डेक्कन ग्रेन्स इंडिया के निदेशक किरण कुमार पोला ने कहा कि अमेरिका में एनआरआई को चावल की उपलब्धता के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अमेरिका में पर्याप्त स्टॉक हैं और यह छह महीने तक चलेगा.

कई देशों को चावल निर्यात करता है भारत

देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है. भारत से गैर-बासमती सफेद चावल का कुल निर्यात 2022-23 में 4.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था, जबकि पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में यह 2.62 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था. भारत सबसे ज्यादा गैर-बासमती सफेद चावल थाईलैंड इटली, स्पेन, श्रीलंका और संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात करता है. चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में लगभग 15.54 लाख टन सफेद चावल का निर्यात किया गया है, जो कि एक साल पहले की अवधि में केवल 11.55 लाख टन ही था, यानी सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निर्यात में 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.

दोगुनी कीमतों पर बिक रहा चावल

अमेरिका में भारत से एक्सपोर्ट होने वाले चावल की बड़ी खपत है और भारत के Rice Ban के फैसले के चलते वहां इस तरह के हालात पैदा हो गए हैं. बताया तो ये भी जा रहा है कि स्टोर्स पर उमड़ रही इस भीड़ को देखते कई जगह चावल ऊंची और मनमानी कीमतों पर बेचा जा रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 9.07 किलो चावल के बैग की कीमत जो पहले 16-18 डॉलर के आसपास थी. वो अब दोगुनी हो गई है और कुछ जगहों पर कीमत 50 डॉलर तक पहुंच गई है.

रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज हुआ, 25 जून से प्रभावी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपनी इकाई रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज कर दिया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली आरआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, "यह सूचित किया जाता है कि एनसीएलटी की मुंबई पीठ की ओर से 28 जून 2023 को दिए गए आदेश के तहत मंजूर योजना के खंड 20 के संदर्भ में और कंपनी पंजीयक, मुंबई से 25 जुलाई, 2023 को जारी निगमन प्रमाण पत्र के अनुसार कंपनी का नाम रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड से बदलकर 'जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड' कर दिया गया है। बुधवार को बीएसई पर आरआईएल के शेयर 40.20 रुपये (1.62%) की बढ़त के साथ 2,526.00 रुपये के भाव पर कारोबार करते दिखे।

कतर इनवेस्टमेंट अथॉरिटी रिलायंस रिटेल में करेगा एक अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कतर का सॉवरेन वेल्थ फंड कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (क्यूआईए) कथित तौर पर मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब खाड़ी देशों के फंड भारतीय बाजार में अपनी भागीदारी बढ़ाने को गति देने की कोशिश कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार क्यूआईए रिलायंस रिटेल वेंचर्स में माइनॉरिटी स्टेक खरीदने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि यह निवेश कम से कम एक अरब डॉलर का हो सकता है, जो 100 अरब डॉलर की वैल्यू वाली कंपनी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि समझौते को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, इसके अनुसार कतर के फंड ने अभी तक सौदे को मंजूरी नहीं दी है।

रिलायंस रिटेल लग्जरी फैशन से लेकर ग्रॉसरी तक अपने कंज्यूमर बिजनेस का विस्तार कर रही है। रिलायंस अपने रिटेल कारोबार के विस्तार पर भारी खर्च कर रहा है और उसका नेतृत्व मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी कर रही हैं। रिलायंस रिटेल ने अपना विस्तार करने के लिए बीते महीनों में कई ब्रांडों का अधिग्रहण किया है। रिलायंस रिटेल ने 2020 में सऊदी अरब के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड से 1.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी के लिए 2.04 अरब डॉलर का निवेश हासिल किया था। रिपोर्ट के अनुसार उस समय कंपनी का मूल्यांकन 62.4 अरब डॉलर था। केकेआर और अबू धाबी के दो सॉवरेन इन्वेस्टमेंट फंड भी कंपनी के शेयरधारकों में शामिल हैं।

इस बीच, अप्रैल-जून तिमाही में रिलायंस रिटेल के शुद्ध लाभ में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 2,448 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,061 करोड़ रुपये था।

सोना-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी महंगा हुआ है. सोने की कीमत 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 74 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 59541 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 74298 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 59143 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 59541 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी महंगा हुआ है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-17 बजे
चंद्र-	तुला	में	वृष--	01-01 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	03-03 बजे
बुध-	सिंह	में	कर्क...	05-14 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-27 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-33 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	11-38 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-48 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	16-02 बजे
			मकर..	18-09 बजे
			कुंभ...	19-59 बजे
			मीन ..	21-37 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-**वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-57** सूर्य अस्त- **18-48**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **15 -47** तक उपरान्त दशमी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , गुरुवार **27July**
नक्षत्र - विशाखा - **01-27** तक उपरान्त अनुराधा
योग - शुभ - **13 - 37** - तक उप शुक्ल
करण- कौलव - **15 -47** - तक उप- तैतिल
विशेष:- **पूर्ण रवि योग**
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:57 - 07:32 शुभ	अमृत.	18:48 - 20:13 शुभ
रोग	07:32 - 09:09 अशुभ	चंचल	20:13 - 21:36 शुभ
उत्पात	09:09 - 10:46 अशुभ	रोग	21:36 - 22:59 अशुभ
चंचल	10:46 - 12:23 शुभ	काल	22:59 - 00:23 अशुभ
लाभ	12:23 - 13:59 शुभ	लाभ	00:23 - 01:46 शुभ
अमृत	13:59 - 15:36 शुभ	उत्पात	01:46 - 03:09 अशुभ
काल	15:36 - 17:13 अशुभ	शुभ	03:09 - 04:32 शुभ
शुभ	17:13 - 18:48 शुभ	अमृत	04:32 - 05:57 शुभ

आठवे वेतन आयोग की स्थापना पर सरकार ने किया बड़ा खुलासा, सदन में मंत्री ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) की दर जनवरी 2024 तक 50% या उससे भी अधिक होने की उम्मीद है। डीए की दर वर्तमान में 7 वें वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर तय की जाती है। पिछले वेतन आयोग ने यह भी सिफारिश की थी कि मुद्रास्फीति के प्रभाव को बेअसर करने के लिए भविष्य में वेतन संशोधन तब किया जाना चाहिए जब डीए/डीआर मूल वेतन से 50% या उससे अधिक तक पहुंच जाए।

इसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी बनता है कि क्या सरकार 8वें वेतन आयोग का गठन करने की योजना बना रही है? वित्त मंत्रालय के अनुसार आठवें वेतन आयोग के गठन का फिलहाल कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 25 जुलाई, 2023 को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। चौधरी एक सदस्य के सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें पूछा गया था, जनवरी 2024 से डीए/डीआर की दर 50 प्रतिशत या उससे भी अधिक होने का अनुमान है, ऐसे में क्या केंद्र सरकार ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की स्थापना का प्रस्ताव किया है?

एयर इंडिया में नए रूप में दखिंगे बड़ी मूंछों वाले 'महाराजा'

छूटेगा 76 साल पुराना नाता!

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। एयर इंडिया की ब्रांडगि में अहम भूमकिा नभिाने वाले महाराजा अब एक नई भूमकिा में दखिाई दे सकते हैं. जेआरडी टाटा के समय में बॉबी कूका ने महाराजा को चमकाया था. मीडयिा रपिोर्ट के अनुसार एयर इंडिया के महाराजा को पीछे की सीट मिल सकती है. बॉबी कूका कंपनी के कमर्शियल डायरेक्टर थे. उन्होंने ही एक समय पर महाराजा के रोल में एयर इंडिया की ब्रांडिंग की थी. सात दशक से भी ज्यादा का समय बीतने के बाद एयर इंडिया को फरि से टाटा ग्रुप का मालकिाना हक मलिा है. ऐसे में एक बार फरि से एयरलाइन की ब्रांडिंग पर काम चल रहा है.

महाराजा को टाटा कहने की तैयारी

एयर इंडिया की तरफ से मस्कट के तौर पर महाराजा को टाटा कहने की तैयारी की जा रही है. आने वाले समय में महाराजा दूसरी भूमिका में दखिाई दे सकता है. टाटा ग्रुप ने जनवरी 2022 में एयर इंडिया को खरीदा था. उसके बाद से इसकी ब्रांडगि पर काम कयिा जा रहा है. इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशति रपिोर्ट में दावा कयिा गया कि एयरलाइन अपने हवाई अड्डे के लाउंज और प्रीमियम क्लास के लिए महाराजा की छवि का उपयोग जारी रख सकती है. लेकनि इसे शुभंकर के रूप में यूज नहीं कयिा जाएगा.

लोगो में 1946 में बदलाव

आखरिी बार 76 साल से ज्यादा पुराने महाराजा के लोगो में 1946 में बदलाव कयिा गया था.

रिपोर्ट में कहा गया कि एयरलाइन को नई पोशाक भी मिलेगी. इसमें लाल, सफेद और बैंगनी रंग होंगे. जबकि लाल और सफेद एयर इंडिया के रंग हैं, बैंगनी विस्तारा की पोशाक से लिया जाएगा. टाटा ग्रुप ने अपनी एयरलाइंस - विस्तारा और एयर इंडिया के एकीकरण की घोषणा की. लेनदेन मार्च 2024 तक पूरा होने का अनुमान है.

ईटी की रिपोर्ट कहा गया कि एयर इंडिया की ब्रांडिंग रणनीति को फिर से तैयार करने के लिए लंदन स्थित ब्रांड और डिजाइन कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचरब्रांड से करार कयिा गया है. नई ब्रांडिंग से पर्दा अगस्त में उठने की उम्मीद की जा रही है.

चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपए का परिचालन लाभ कमा सकती हैं पेट्रोलियम कंपनियां

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू बाजार में ऊंचे खुदरा मूल्य और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल के दाम कमोबेश निचले स्तर पर रहने से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में कम-से-कम एक लाख करोड़ रुपए का कर-पूर्व लाभ हासिल होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। चालू वित्त वर्ष में अबतक कच्चे तेल की कीमत एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक नीचे आ चुकी है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों ने इस दौरान दाम नहीं घटाए हैं। तेल कीमतों में मई, 2022 से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

क्रिसिल ने बुधवार को जारी एक नोट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) एक लाख करोड़ रुपए का परिचालन लाभ कमा सकती हैं। वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान पेट्रोलियम कंपनियों का औसत परिचालन लाभ 60,000 करोड़ रुपये रहा था। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में तो यह 33,000 करोड़ रुपए के निचले स्तर पर आ गया था। यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों पर आधारित है। पेट्रोलियम कंपनियां दो कारोबार से पैसा कमाती हैं। पहला रिफाइनिंग है। इसमें उन्हें सकल रिफाइनिंग मार्जिन मिलता है। यह रिफाइनरी के गेट पर शोधित उत्पाद के दाम में से कच्चे तेल का दाम घटाकर निकाला जाता है।

दूसरा कारोबार पेट्रोल पंपों के जरिए पेट्रोल, डीजल की बिक्री का है।

सेंसेक्स में 351 अंकों की तेजी, निफ्टी 19,778 के स्तर पर बंद हुआ

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मिलेजुले ग्लोबल संकेतों के बीच शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (26 जुलाई) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 351 अंक चढ़कर 66,707 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 98 अंकों की तेजी रही। ये 19,778 के स्तर पर बंद हुआ। जून तिमाही के रिजल्ट के बाद पीएनबी का शेयर 4.17% चढ़ा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही। NSE पर ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा 1.50% की तेजी पीएसयू बैंक इंडेक्स में रही। रियल्टी और FMCG भी 1% से ज्यादा चढ़े। ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में मामूली गिरावट रही। ऑटो 0.01% और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.31% गिरकर बंद हुआ।

अब कपड़ों के लिए भारत सरकार बनाएगी 'इंडिया साइज'

अब तक यूके-अमेरिकी साइज में तैयार होते हैं कपड़े

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कपड़े खरीदते समय हम भारतीयों को ब्रिटेन, अमेरिकी साइज में से चुनाव करना होता है। ये अमेरिका, यूरोप के नागरिकों की शारीरिक बनावट पर आधारित हैं, जो अक्सर भारतीयों पर फिट नहीं होते। इस मुश्किल को समझते हुए केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय इंडिया साइज बनवा रहा है। टेक्सटाइल सचिव रचना शाह ने मंगलवार को कारोबारी संगठन फिक्की के कार्यक्रम में बताया कि इंडिया साइज में कपड़ों की नाप और मानक आकार भारतीयों की शारीरिक बनावट के अनुसार होंगे, जो हमें बेहतर ढंग से फिट होंगे।

इस समय एक्स्ट्रा स्मॉल (एक्सएस), स्मॉल (एस), मीडियम (एम), लार्ज (एल), एक्स्ट्रा लार्ज (एक्सएल) और डबल एक्स्ट्रा लार्ज (डबल एक्सएल) नाप के कपड़े भारत में मिल रहे हैं। यह अमेरिका और ब्रिटेन में तय किए गए हैं। कंपनी भारतीय हो या विदेशी, भारत में इन्हीं नाप में कपड़े बेचती है, जबकि विदेशियों की ऊंचाई, वजन, शारीरिक बनावट हमसे अलग होती हैं। इसी वजह से अक्सर नाप की समस्या आती है। रचना शाह ने बताया, कपड़ा मंत्रालय ने इंडिया साइज परियोजना को अनुमति दी है।

25 हजार महिला-पुरुषों की शारीरिक बनावट से होंगे तैयार

परियोजना के तहत भारत के विभिन्न हिस्सों से 25 हजार महिला व पुरुषों की शारीरिक बनावट का डाटा जुटाया जाएगा। 15 से 65 साल के इन लोगों के समस्त शरीर का त्रिआयामी स्कैन किया जाएगा। इसके आधार पर बनी नई नाप का प्रयोग भारतीय और विदेशी कंपनियां परिधान तैयार करते समय करेंगी।

कपड़े ही नहीं, यह अध्ययन वाहन, फिटनेस व खेल, कला, कंप्यूटर गेमिंग और विमान निर्माण जैसे सेक्टर में भी भारतीयों की शारीरिक बनावट के अनुसार उत्पाद बनाने में मदद करेगा।

ये होते हैं तकनीकी वस्त्र

यह प्राकृतिक या मानव निर्मित तत्वों से बनते हैं और कृषि, निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा, खेल परिधान, स्वास्थ्य क्षेत्रों में उपयोग होते हैं। विशेष जरूरतों के अनुसार यह तकनीकी वस्त्र बनाए जाते हैं। इनका उद्देश्य सुंदरता नहीं, बल्कि व्यवहारिक उपयोग होता है।

उत्पादन और निर्यात बढ़ाने पर जोर

अगले पांच साल में घरेलू तकनीकी वस्त्र क्षेत्र को चार हजार से पांच हजार करोड़ डॉलर तक पहुंचाने का सरकार का लक्ष्य है। अभी यह 2.2 हजार करोड़ डॉलर है। इसी अवधि में निर्यात भी मौजूदा 250 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 1,000 करोड़ पहुंचाने पर जोर है। रचना शाह ने बताया कि दुनियाभर में तकनीकी वस्त्र क्षेत्र करीब 25 हजार करोड़ डॉलर का है, जिसके साल 2026 तक 32.5 हजार करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके लिए सरकार बहुआयामी नजरिए से काम कर रही है। शोध एवं विकास गतिविधियों, विभिन्न उपयोगों के विकास, दक्ष मानव बल बढ़ाने, कौशल विकास पर काम किया जा रहा है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी ।आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओं और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी। आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओं की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी भलाई इसी में है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा ।आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मणिपुर की 5 कहानियां : निर्वस्त्र घुमाया, गैंगरेप किया, जिंदा जलाया

वायरल वीडियो वाली पीड़िता की मां बोलीं– सीएम का फोन तक नहीं आया

इंफाल, 26 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मेरे पति को मार दिया। बेटे को मार दिया। बेटी के कपड़े उतारकर घुमाया, उसे पीटा और गैंगरेप किया। एक दिन में मेरा सब कुछ खत्म हो गया। आज तक न तो सीएम, न ही किसी मंत्री का फोन आया। वीडियो वायरल होने के बाद भी नहीं आया।' ये कहते हुए पीड़िता की मां जोर-जोर से रोने लगती हैं। करीब आधे घंटे तक लगातार रोती जाती हैं।

ये उस लड़की की मां है, जिसे आपने 19 जुलाई को मणिपुर से वायरल हुए वीडियो में देखा था। 4 मई को इस लड़की समेत 3 औरतों को मैतेई भीड़ ने निर्वस्त्र कर परेड कराई। लड़की के साथ गैंगरेप भी हुआ।

21 साल की पीड़िता इतने गहरे सदमे में है कि फिलहाल कुकी लीडर्स ने उसे किसी अनजान जगह भेज दिया है। मां अब भी चुराचांदपुर में है। वो दिन भर रोती हैं। कहती हैं- 'इतनी हिम्मत भी नहीं कि बेटी से मिल सकूं।'

मणिपुर में हिंसा 3 मई को शुरू हुई। कुकी-मैतेई के बीच दंगे हुए और इंफाल वैली और कुकी इलाकों के बीच बॉर्डर बन गया। दोनों तरफ बंकर बन गए और आम लोग बंदूकें लेकर तैनात हैं। 19 जुलाई को वीडियो वायरल होने के बाद इस तरह की हिंसा के कई मामले सामने आए हैं। कुछ मिले और कुछ सिर्फ अब कहानी हैं

कहानी: 1

4 मई 2023, जगह: थोउबाल

पीड़िता की मां बिना कुछ बोले रोते जाती हैं, पूछती हैं– मेरी बेटी का क्या गुनाह था

मणिपुर का दूसरा सबसे बड़ा टाउन चुराचांदपुर। ये शहर अब कुकी लोगों की राजधानी की तरह है। संकरी गलियों से होते हुए हम एक झोपड़ीनुमा घर पहुंचे। मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में घर शंकुधारी यानी वीशेप के होते हैं। लोहे के दरवाजे से होते हुए आंगन पार कर हम एक कमरे में दाखिल हुए। 4-5 महिलाएं बैठी थीं, एक लड़का भी था।

एक महिला ने बताया कि सामने बैठी महिला उसी 21 साल की लड़की की मां है, जो वायरल वीडियो केस में रेप सर्वाइवर है। हमें देखते ही 42 साल की महिला फूट-फूट कर रोने लगीं। बिना रुके रोती रहीं। पास बैठी औरतें पहले कुछ देर चुप रहीं, फिर उन्हें रोता देख वे भी रोने लगीं। पास बैठा लड़का भी रोने लगा।

ये मां अब बिना रोए एक बात भी ठीक से नहीं बोल पाती। अब उसके पास सिर्फ 18 साल का एक बेटा और रेप सर्वाइवर बेटी बची है।

करीब आधे घंटे बाद रोना बंद होता है, हम इंतजार करते रहते हैं। हाथ में ली एक पॉलिथीन तोड़ते-मरोड़ते हुए वो बोलना शुरू करती हैं- '4 मई के बाद से मैं बेटी से बात करने की हिम्मत भी नहीं कर पाती। मैं उससे मिल भी नहीं पाई हूं।'

'दो मिनट के लिए भी अकेले बैठती हूं, तो रोना आ जाता है। लोग आते हैं, बार-बार इसी बारे में बात करते हैं, मैं डिप्रेशन में हूं। किसी से बात करने, किसी का चेहरा देखने का मन नहीं कर रहा है।' वे चुप हो जाती हैं, फिर रोने लगती हैं।

हादसे के बाद 21 साल की सर्वाइवर को सुरक्षित जगह ले जाया गया है। वो ट्रॉमा से गुजर रही है, उसे किसी से मिलने नहीं दिया जा रहा है। रेप सर्वाइवर की मां कुछ शांत होती हैं, फिर कहती हैं, 'वो सब हुए 80 दिन हो गए। पूरे देश से मीडिया वाले आए, लेकिन अब तक मणिपुर सरकार से एक मंत्री या अफसर नहीं आया। सीएम ने फोन तक नहीं किया। कोई पूछने नहीं आया, मैं कैसी हूं, मुझ पर क्या बीत रही है। अब मुझमें हिम्मत नहीं है। मैं ये कहानी अब और नहीं सुना पाऊंगी।' वे फिर चुप हो जाती हैं। वो एयरहोस्टेस बनना चाहती थी,

अब सब सपना ही रह जाएगा

कुछ देर चुप रहने के बाद रेप सर्वाइवर की मां फिर बोलती हैं, 'मेरी बेटी के बचपन से बहुत बड़े सपने थे। बीए कर रही है, अभी 5वें सेमेस्टर में है। कम उम्र से ही उसे दिल की बीमारी थी। कोई भी सोच सकता है कि हार्ट प्रॉब्लम होने के बाद, इतनी क्रूरता से गुजरना उसके लिए कितना मुश्किल भरा होगा। घटना के बाद वो बेहोश हो गई थी, कई दिन तक एक शब्द भी नहीं बोली।'

आस-पड़ोस के लोगों से बात करने पर पता चलता है कि परिवार गरीब है। लड़की के पिता चर्च में छोटे-मोटे काम करते थे। बड़े भाई की भीड़ ने हत्या कर दी, वही परिवार का अकेला कमाने वाला था। 18 साल का भाई अब परिवार की आखिरी उम्मीद है। वो आर्मी में जाना चाहता है। उसने बात नहीं की, सब्जी काटता रहा। वो मां के लिए शाम के खाने का इंतजाम कर रहा था।

वीडियो वायरल नहीं होता, तो क्या हमें न्याय नहीं मिलना चाहिए था

वायरल हुए वीडियो में एक और महिला नजर आई थी। 42 साल की ये सर्वाइवर भी फिलहाल बात करने की हालत में नहीं हैं। महिला के पति मिलते हैं। उन्होंने भारतीय फौज में बरसों तक सर्विस दी है। 1999 में कारगिल युद्ध भी लड़ा।

वीडियो देखने के बाद सवाल करते हैं, 'क्या इसी दिन के लिए मैंने अपने देश के लिए जान दांव पर लगाई थी, मेरी पत्नी के साथ ये सब हुआ और पुलिस मुंह देखती रही। 4 मई को ये घटना हुई, लेकिन मणिपुर पुलिस ने केस तक दर्ज करने में हफ्तों लगा दिए। इसी से पुलिस की सोच साफ हो जाती है।'

उस घटना को याद करते हुए महिला के पति कहते हैं- 'मैतेई भीड़ ने गांव पर हमला कर दिया। मेरी पत्नी समेत 5 लोग एक साथ भागे। पुलिस की गाड़ी दिखी, तो उन्होंने मदद मांगी। पुलिस ने उन्हें गाड़ी में बैठा लिया। भीड़ आई और पुलिस के सामने ही सभी को बाहर निकाला। मर्दों को दूर ले गए। पुरुषों ने महिलाओं को बचाने की कोशिश की, तो उन्हें मार दिया गया।' वे आगे कहते हैं, 'मणिपुर सरकार की तरफ से अब तक कोई मिलने नहीं आया, न ही किसी ने बात की। मदद मिलने के बारे में तो हम सोच भी नहीं रहे। बीरेन सिंह सरकार पर हमारा रत्ती भर भरोसा नहीं है। हमारी मांग है कि रेप केस की जांच सेंट्रल एजेंसी को करनी चाहिए। जिन मैतेई लोगों ने हमारे साथ ऐसा किया है, हम उनकी जांच पर कैसे भरोसा कर सकते हैं। अब कुकी और मैतेई का साथ रहना संभव नहीं। सरकार पूरी तरह फेल रही है।'

कहानी: 2

दो लड़कियों से गैंगरेप, फोन पर कहा- बेटी जिंदा चाहिए या उसे मार दें

43 साल की एक महिला कांगपोकपी के रिफ्यूजी कैंप में रह रही हैं। उनके परिवार में 7 लोग थे, जिनमें से 2 लोगों की हिंसा में मौत हो गई है। पूरा परिवार बिखर गया, घर पीछे छूट गया, बाद में जला दिया गया।

अपनी 24 साल की बेटी की कहानी सुनाते हुए वो बार-बार रोती हैं। बताती हैं, 'मेरी बेटी एक मैतेई के कार वॉश में काम करती थी। 5 मई को शाम करीब 5 बजे एक फोन आया। उधर से किसी महिला ने मुझसे पूछा- क्या चाहती हो, तुम्हारी बेटी जिंदा रहे या उसे मार दें? इसके बाद अचानक कॉल कट गया।'

16 मई को कांगपोकपी के साइकुल पुलिस स्टेशन में इस घटना की जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। ये एफआईआर आईपीसी के सेक्शन (65) (5) 2023 एसकेएल-पीएस, यू/एस 326/354/366/375/302/34 के तहत दर्ज की गई। एफआईआर के मुताबिक, 21 साल और 24 साल की दो कुकी लड़कियां इंफाल ईस्ट में एक कार वॉश में काम करती थीं। भीड़ ने उन्हें पीटा, गैंगरेप किया और हत्या कर दी। इंफाल के जानिम्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी से 24 साल की लड़की की लाश मिली। परिवार को नहीं पता कि बेटी का पोस्टमॉर्टम किया गया या नहीं। 13 जून साइकुल की जीरो एफआईआर इंफाल ईस्ट के पोरोमपाट पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की गई है।

इस घटना का गवाह एक नगा लड़का है, जो लड़कियों के साथ इसी कार वॉश में काम करता था। उसने पुलिस को बताया, 'भीड़ कुकी लोगों का पता पूछ रही थी। कार वॉश में काम करने वाले एक मैतेई ने डरकर उन्हें लड़कियों के कमरे की तरफ भेज दिया।'

'भीड़ लड़कियों को घसीटकर बाहर ले आई। उनके मुंह में कपड़ा ठूंसकर एक हॉल में ले गए और दरवाजा बंद कर दिया। 7 बजे के आस-पास हॉल का दरवाजा खुला, तो दोनों लड़कियां मर चुकी थीं और हर तरफ खून बिखरा था।'

कहानी: 3

भीड़ ने 57 साल की गौजावुंग को भी नहीं छोड़ा, बेटे के साथ पीट-पीटकर मार दिया

57 साल की गौजावुंग और उनके 27 साल के बेटे गौलालसांग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। गौजावुंग मणिपुर सरकार में अंडर सेक्रेटरी थीं। बेटे गौलालसांग की नई-नई शादी हुई थी। हिंसा शुरू होने के बाद ये परिवार लांगोल एरिया में रिश्तेदार के घर चला गया था। 3 मई 2023 की सुबह वे सरकारी क्वार्टर में लौट आए। घर से सीआरपीएफ का रिलीफ कैंप सिर्फ दो किमी दूर था। परिवार ने वहीं जाने का फैसला लिया। रास्ते में करीब 250 लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सभी के हाथों में डंडे, पत्थर और ईंटें थीं। गौजावुंग ने अपना आईकार्ड दिखाया, लेकिन भीड़ पर कोई असर नहीं हुआ।

उनकी कार में आग लगा दी गई। इसी अफरातफरी में गौजावुंग और उनका परिवार एक घर में छिप गया। भीड़ को उस जगह का पता चला, तो लोग वहां भी पहुंच गए। उन्होंने गौजावुंग के बेटे को घेर लिया। बेटे को बचाने के लिए गौजावुंग बाहर आ गईं। दोनों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

कहानी: 4

भीड़ ने पकड़ लिया, मैतेई औरतें लड़कों से कह रही थीं- इसका रेप करो

गौजावुंग जैसी ही कहानी चिंगथियानियांग की है। वे परिवार के साथ एक रिलीफ कैंप के पास पहुंची थीं। तभी 200 से 250 लोगों ने उन्हें घेर लिया। उनकी गाड़ी तोड़ दी। भीड़ उनके पति और सास को बुरी तरह पीट रही थी। चिंगथियानियांग को भी सिर, हाथ और पैरों पर मारा गया। हमला करने वालों में मैतेई महिला संगठन मीरा पैबिस की मेंबर्स भी थीं। उन्होंने चिंगथियानियांग के कपड़े फाड़ने की कोशिश की। वे खून से लथपथ थीं, उसी हालत में भीड़ उन्हें धक्के मार-मारकर चला रही थी।

एक कम्युनिटी हॉल के सामने भीड़ रुकी और लोग आपस में बात करने लगे कि चिंगथियानियांग के साथ क्या किया जाए। आरोप है कि मीरा पैबिस की मेंबर्स ने मर्दों से कहा कि वे चिंगथियानियांग से रेप करें। यहां से भीड़ उन्हें आगे ले गई। कुछ देर बाद वे डिप्टी कमिश्नर ऑफिस के सामने थे। वहां पुलिस भी थी। भीड़ ने पुलिसवालों को धमकाया कि उन्होंने मदद की, तो उन पर भी अटैक करेंगे। यहां चिंगथियानियांग के सिर पर डंडे मारे गए। उन्हें जब होश आया, वे रिम्स के आईसीयू में थीं। उनकी कई सर्जरी हो चुकी थी। सिर और हाथ में फ्रैक्चर था। यहीं उन्हें पता चला कि उनके पति और सास की मौत हो चुकी है।

कहानी: 5

मैतेई औरतें हॉस्टल में घुस आईं, बोलीं- इन्हें मार डालो, रेप करो, जला दो

ये कहानी एग्नेस की है, उनके साथ कुकी-जो कम्युनिटी की एक महिला नर्सिंग की पढ़ाई करती है। शाम को मैतेई भीड़ उनके हॉस्टल में घुस गई। आधार कार्ड देखे और दोनों को घसीटकर सड़क पर ले आए। यहां भी मैतेई संगठन मीरा पैबिस की महिलाएं मौजूद थीं। वे भीड़ से कह रही थीं कि इन्हें मार डालो, रेप करो, जला दो, इनके साथ वही करो, जो इनके लोगों ने हमारी महिलाओं के साथ किया। एग्नेस और उनकी दोस्त के चेहरे पर घूंसे मारे गए। बुरी तरह पीटने के बाद उन्हें एक हॉस्पिटल के बाहर फेंक दिया गया।

भीड़ में शामिल लोग 3 मई को सर्कुलेट एक फोटो के बारे में बात कर रहे थे, जिसमें एक नर्सिंग स्टूडेंट की रेप के बाद हत्या का दावा किया गया था। हालांकि, बताया गया है कि ये फोटो दिल्ली की है।

स्कूल में मिड डे मील खाकर 30 बच्चे बीमार

13 बच्चों की हालत गंभीर, मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी, उल्टी, पेट–सिर दर्द की शिकायत

कोरबा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले के बीरतराई गांव के मिडिल स्कूल में मिड डे मील खाकर करीब 30 बच्चे बीमार हो गए हैं। सभी बच्चों को करतला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया। इनमें से कुछ बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में मंगलवार दोपहर 1 बजे के करीब बच्चों ने मिड डे मील खाया। मध्याह्न भोजन में करील, भिंडी और आलू मिक्स बना था। सभी बच्चों ने खाना खाया। खाना खाने के एक घंटे के बाद से बच्चों की तबियत खराब होने लगी। सभी बच्चों को उल्टी, पेट और सिर दर्द शुरू हो गया।

छठवीं, सातवीं और आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब 30 छात्र-छात्राओं की हालत खराब हो गई। सभी बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्र में भर्ती कराया गया। इनमें से 13 बच्चों की हालत गंभीर थी, जिन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आरएमओ यशवंत कुमार साहू ने बताया कि 13 बच्चों को जिला अस्पताल भेजा गया है, वहीं कुछ बच्चे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं। कुछ बच्चे जिनकी हालत संभल गई, उन्हें घर भेज गिया गया है। वहीं मिडिल स्कूल के शिक्षक कन्हैयालाल कमर ने बताया कि मिड डे मील खाने के बाद बच्चे बाहर खेल रहे थे कि उनकी तबियत अचानक खराब होने लगी, तब जाकर सभी को अस्पताल लाया गया। बीएमओ डॉ राकेश पटेल ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंध के बावजूद करील की सब्जी बनाई गई

कोमल बांस के डंठल को काटकर करील बनाया जाता है। उसे सुरक्षित रखने के लिए चूने पानी में रखा जाता है। वन विभाग ने करील बनाने पर साफ प्रतिबंध लगाया हुआ है, इसके बावजूद स्कूल में इसकी सब्जी क्यों बनी, ये एक बड़ा सवाल है। हैरत की बात तो ये भी है कि प्रतिबंध के बावजूद ये बाजार में धड़ल्ले से बिक रहा है। जिला मेडिकल अस्पताल के डीन डॉ अविनाश मेश्राम ने बताया कि करील की सब्जी खाने से बच्चों को फूड प्वाइजनिंग हुई। फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है। बता दें कि मिडिल स्कूल बीरतराई में 48 छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। मंगलवार को यहां चावल के साथ बेसन की कढ़ी और करील की सब्जी बनाई गई थी। इधर इसे खाकर बच्चों की तबियत खराब होने की खबर मिलते ही अभिभावकों की भीड़ स्कूल में उमड़ पड़ी।

चुनाव से पहले राम नाम पर सियासत

कांग्रेस बोली– रमन कार्यकाल में करीना, सलमान पर करोड़ों लुटाए, भूपेश सरकार राम नाम पर खर्च कर रही

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले राम नाम पर फिर एक बार सियासत शुरू हो गई है। पूर्व मंत्री और बीजेपी के विधायक अजय चंद्राकर ने बाकायदा एक वीडियो जारी करके राम नाम के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर सियासी तीर छोड़े हैं जबकि कांग्रेस ने भी पलटवार करते हुए कहा है कि रमन कार्यकाल में करीना कपूर और सलमान खान पर करोड़ों लुटाए गए, जबकि भूपेश सरकार राम नाम पर खर्च कर रही है।

अजय चंद्राकर ने सरकार पर राम का नाम लेकर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राम वन गमन पर्यटन परिपथ के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में 4 करोड़ 69 लाख से ज्यादा खर्च किया गया। देश में पहली बार किसी आयोजन के लिए इतना खर्च किया गया होगा। कांग्रेस राम के नाम पर भ्रष्टाचार कर रही है। उनकी माने तो भ्रष्टाचार करने वालों को एक दिन जेल जाना ही

पड़ेगा।

बीजेपी राम विरोधी - कांग्रेस

चंद्राकर के आरोपों पर प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि 15 साल भाजपा की सरकार के दौरान राम वन गमन पथ का ध्यान नहीं दिया गया। माता कौशल्या के मंदिर का जीर्णोद्धार भी नहीं किया गया। सलमान खान और करीना कपूर के पीछे करोड़ों रुपए लौटाने वाले भाजपा के लोग भगवान राम के लिए खर्च की गई राशि पर घोटाले का आरोप लगा रहे हैं, ये दुर्भाग्य जनक है। चंद्राकर का ये बयान भारतीय जनता पार्टी के राम विरोधी होने का प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार राम नाम पर खर्च कर रही है, राम काज कर रही है, राम का गुणगान कर रही है तो भाजपाइयों को गड़बड़ियां दिख हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि 15 साल में भाजपा की सरकार ने खाली भ्रष्टाचार ही तो किया है। सत्ता जाने के बाद भी कमीशनखोरी की गंदगी इनके दिमाग में बैठी है। इसलिए इन्हें अब राम नाम पर हुए खर्च में भी घोटाला दिख रहा है। आखिर भाजपा को राम नाम से राम नाम के गुणगान से इतनी नफरत क्यों है? बीजेपी के नेता भगवान राम के नाम से चंदा लेते हैं, वोट लेते हैं लेकिन राम काज नहीं करते हैं। ना ही उनके बताए मार्ग में चलते हैं।

चुनावी साल में राम वन गमन पथ का काम जोरो पर है। राम वन गमन पथ उन जगहों से होकर गुजर रही है, जहां भगवान राम के पैर पड़े हैं। यह देश के कई जिलों से होकर गुजरा है। राम वन गमन पथ की लंबाई 2260 किमी है। छत्तीसगढ़ से राम वन गमन पथ का अधिकांश हिस्सा गुजर रहा है। इसमें कोरिया से लेकर सुकमा तक का हिस्सा है।

बच्ची से दुष्कर्म करने वाला मंत्री का करीबी

पूर्व मंत्री केदार बोले- कवासी लखमा का खास है आरोपी, नाम का नहीं किया खुलासा

जगदलपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले की 5 साल की छात्रा से दुष्कर्म के मामले ने अब सियासी तूल पकड़ लिया है। पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता केदार कश्यप के मुताबिक रेपिस्ट आबकारी मंत्री कवासी लखमा का खास है। उसे बचाने का प्रयास किया जा रहा है। थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। केदार के बयान से यह जाहिर हो रहा है कि बीजेपी रेपिस्ट को जानती है। हालांकि, नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

केदार कश्यप ने आज बयान दिया है कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के एक पोटाकेबिन में लगभग 500 बच्चियां रहकर पढ़ाई करती हैं। यहां की एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। जिसकी जानकारी मुझे रात में मिली थी। इस संबंध में हमने सुकमा के एसपी से भी बातचीत की। साथ ही 5 सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। इस दल को जांच के लिए रवाना कर दिया गया है।

मामले के आरोपी को बताया जा रहा अज्ञात

उन्होंने कहा कि, इस मामले के आरोपी को अज्ञात बताया जा रहा है। लेकिन, हमें जो जानकारी मिली है आरोपी का परिवार और पोटाकेबिन अधीक्षिका आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खास हैं। कवासी लखमा भी इस पर अपना बयान देकर स्पष्ट कर सकते हैं और को दोषी को पकड़वाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन हमें इस सरकार से उम्मीद नहीं है। हमारी छोटी-छोटी बच्चियों के साथ रेप हो रहा है।

मंत्री ने साधी चुप्पी - केदार

उसी जिले के रहने वाले प्रदेश के आबकारी मंत्री चुप्पी साधकर बैठे हुए हैं। आरोपी को जानते हुए भी उसे अज्ञात घोषित करवा देते हैं। इसी वजह से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। यह टीम मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर मामले की तह तक जाएगी।

दो बार दिया अलग बयान

जिस तरह से केदार कश्यप ने मीडिया को अपना बयान दिया है इससे साफ जाहिर हो रहा है कि, भाजपा आरोपी को जानती है। लेकिन, उसके नाम का खुलासा करने से बच रही है। केदार के इस बयान के बाद जब दैनिक भास्कर ने दोबारा उनसे बातचीत की तो उन्होंने अपना बयान पलटते हुए कहा कि, जो लोग आरोपी को बचा रहे हैं वे लोग आबकारी मंत्री के खासमखास हैं। केदार के ये दो अलग-अलग बयान हैं लेकिन, इसकी कड़ी सिर्फ एक ही है कि बीजेपी रेपिस्ट को जानती है।

नक्सलियों ने रोका पुल निर्माण

खूंटी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। खूंटी जिले के मुरहू में देर रात बाइक पर सवार होकर हथियारबंद नक्सली पहुंचे और मजदूरों को साथ मारपीट की। वहां मौजूद जेसीबी, बाइक और दूसरी गाड़ियों में भी जमकर तोड़फोड़ की है। घटना मंगलवार देर रात की है। पुलिस को मामले की सूचना दी गयी है जिसके बाद इस पर जांच जारी है।

नक्सलियों ने मजदूरों के साथ की मारपीट

बताया जा रहा है कि पीएलएफआई नक्सलियों ने मंगलवार देर रात जमकर उत्पात मचाया है। तीन नक्सलियों ने मुरहू थाना क्षेत्र के सुरूंदा और मारंगटोली स्थित पुल निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के मारपीट भी की है। वहां मौजूद वाहनों में भी तोड़फोड़ की है। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची. लेकिन इससे पहले ही नक्सली फरार हो गये। मजदूरों ने बताया कि एक बाइक पर ही सवार होकर तीन नक्सली पहुंचे थे। वहां पहुंचते के साथ ही उन्होंने मजदूरों के साथ मारपीट शुरू कर दी। मजदूरों को हॉकी स्टीक से पीटा गया है, इसी हॉकी से वाहनों में भी तोड़फोड़ की गयी है। एक नक्सली देसी कट्टा निकालकर उसमें गोली भरने लगा था। मौके के देखते हुए सीबी चालक सहित दूसरे मजदूर वहां से किसी तरह जान बचाकर भागे। मजदूरों ने इसकी सूचना ठेकेदार को दी. फिर ठेकेदार ने एसपी को इसकी घटना की जानकारी दी. एसपी के निर्देश पर डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि यह पीएलएफआई नक्सली थे या स्थानीय बदमाश। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने इस निर्माण के पहले लेवी मांगी थी लेकिन उनके पास पैसे नहीं पहुंचे।

ईडी के सामने नहीं आए कारोबारी विष्णु अग्रवाल

जमीन हेराफेरी मामले में होनी थी पूछताछ, पूजा पाठ का हवाला देकर हाजिर होने में जतायी असमर्थता

रांची, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारोबारी विष्णु अग्रवाल आज फिर ईडी के सामने पेश नहीं हुए। आज उनसे रांची के चेशायर होम, पुगडू और सिरमटोली में सेना की जमीन समेत कई अन्य जमीन की खरीद-बिक्री में हुई हेराफेरी के संबंध में पूछताछ की जानी थी। लेकिन वे नहीं आए। ईडी सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अधिकारियों को बताया है कि वे पूजा पाठ में व्यस्त हैं। यह लंबी अवधि की पूजा है। उन्होंने यह जानकारी मेल के माध्यम से दी है। इससे पहले वे स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर ईडी के सवालों से बचते रहे। अब वे भगवान का सहारा ले रहे हैं।

ईडी की ओर से जारी समन में उन्हें आज 11 बजे तक ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय हिनू पहुंचने को कहा गया था। पर वो आज भी ईडी ऑफिस नहीं आए। इसके बाद ईडी

ने समन जारी कर 31 जुलाई को आने को कहा है।

कारोबारी विष्णु अग्रवाल को इससे पहले 17 जुलाई को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन वे हाजिर नहीं हुए। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए ईडी से तीन सप्ताह का वक्त मांगा थाप पर जांच एजेंसी ने उन्हें ज्यादा वक्त नहीं दिया। उन्हें फिर 26 जुलाई को बुलाया है। हालांकि आज भी वे ईडी के समक्ष उपस्थित होंगे या नहीं, इसको लेकर संशय है। आशंका है कि स्वास्थ्य कारणों से वे बुधवार को भी एजेंसी के समक्ष अपनी उपस्थित टाल सकते हैं। गौरतलब हो कि जमीन से जुड़े मामले को लेकर खुलासा तब हुआ जब रांची के अफसर अली को ईडी ने गिरफ्तार किया। इससे पहले साल 2022 के चार नवंबर को जमीन घोटाले में विष्णु अग्रवाल के कई ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। बाद में तीन बार विष्णु अग्रवाल को पूछताछ के लिए समन भेजा गया। जमीन के तमाम मामलों के साथ चेशायर होम रोड की जमीन की खरीद में उनका नाम सामने आया था। जांच में ईडी ने पाया कि जमीन की इस डील में प्रेम प्रकाश की भूमिका भी सामने आयी थी। वहीं पुगडू में 9.30 एकड़ खास महल जमीन की खरीद में भी फर्जीवाड़े की बात सामने आयी थी।

कई हफ्ते से लापता विदेश मंत्री की कुर्सी छिनी

चीन में क्यों गायब हो जाती हैं मशहूर हस्तियां?

बीजिंग, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कई हफ्तों की चुप्पी के बाद चीन ने आखिरकार अपने विदेश मंत्री किन गैंग को बर्खास्त कर दिया है। गैंग बीते कई हफ्तों से लापता हैं। चीन की शीर्ष विधायिका 'स्टेट काउंसिल' ने मंगलवार को एक सत्र बुलाया। इस दौरान किन गैंग को विदेश मंत्री के पद से हटाने पर मुहर लगाई गई।

हालांकि, किन गैंग के मामले में यह भी दिलचस्प है कि मंगलवार की बैठक के बाद भी वह स्टेट काउंसिल में बने हुए हैं। इस फैसले ने उनके करियर पर सवालिया निशान लगा दिया है। किन गैंग उन चीनी हस्तियों में शामिल हो चुके हैं जो रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। इन हस्तियों के बारे में

अचानक गायब होने वाले चीनी हस्तियों में सबसे हालिया मामला बाओ फान का था। इस साल फरवरी में अरबपति बाओ लापता हो गए थे। रेनेसां होल्डिंग्स के सीईओ बाओ के ग्राहकों में दीदी और मेइटुआन जैसी दिग्गज टेक कंपनियां शामिल हैं। उनको चीन के टेक उद्योग में एक अनुभवी डीलमेकर के रूप में जाना जाता

है। उन्होंने देश की दो प्रमुख खाद्य वितरण कंपनियों मितुआन और डियानपिंग के बीच 2015 के विलय में ब्रोकर की मदद की थी। मई में खबरें आईं कि लापता होने के बाद से वह देश के शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी निगरानीकर्ता की हिरासत में हैं और उनकी हिरासत अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

हू जिंताओ

बिना कारण लापता होने वाले चीनी हस्तियों में एक नाम हू जिंताओ का है। हू राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पहले देश की सत्ताधारी पार्टी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के महासचिव रह चुके हैं। अक्टूबर 2022 में पार्टी की 20वीं कांग्रेस के समापन समारोह में हू को बैठक स्थल 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' से बाहर ले जाया गया। आधिकारिक स्पष्टीकरण यह था कि हू अचानक और थोड़े समय के लिए बीमार पड़ गए थे। हालांकि, कई पर्यवेक्षकों को संदेह था कि असली कारण राजनीतिक था। करीब दो महीने लापता रहने के बाद हू जिंताओ अचानक दिसंबर में एक नेता के अंतिम संस्कार में दिखाई दिए।

जैक मा

नवंबर 2020 में चीन के सबसे सफल बिजनेसमैन और जाने-माने अरबपतियों में से एक जैक मा तीन महीने के लिए गायब हो गए थे। गायब होने से पहले जैक चीनी बाजार के नियामकों की आलोचना कर रहे थे। वह सार्वजनिक रूप से अपनी डिजिटल भुगतान फर्म एंट फाइनेंशियल की लिस्टिंग की तैयारी कर रहे थे। 2021 में जैक मा फिर से दिखाई दिए। हालांकि, उसके बाद उनकी और उनकी कंपनी की स्थिति में बहुत कुछ बदल चुका था।

रेन सीचैंग

2020 में रियल स्टेट व्यवसायी रेन सीचैंग लापता हो गए। रेन कई महीने तक गायब रहे। गायब होने से पहले रेन राष्ट्रपति शी जिनपिंग सरकार की कोरोना रोकने में असफल रहने पर आलोचना कर रहे थे। बाद में रेन को भ्रष्टाचार के आरोप में 18 साल की जेल हो गई।

फैन बिंगबिंग

ऐसा नहीं है कि केवल राजनेता और कारोबारी ही चीनी सरकार की आंखों की किरकिरी बनते हैं। जुलाई 2018 में मेगास्टार अभिनेता फैन बिंगबिंग अचानक सोशल मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब हो गईं। इससे अफवाहें फैल गईं कि फैन चीन से भाग गई हैं या घर में नजरबंद हैं। उन पर कर चोरी के आरोप लगे जिसके लिए फैन ने लगभग 883 मिलियन युआन (£ 96.2 मिलियन) का जुर्माना भरा। वह लगभग एक साल बाद फिर से सामने आईं।

वू जियाओहुई

2017 में बीमा दिग्गज अनबैंग ने अपने शेयर धारकों को बताया कि उनकी कंपनी के अध्यक्ष वू जियाओहुई अब अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे। उस वक्त वू को सरकारी जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि, अनबैंग ने उस वक्त वू की अनुपस्थिति के लिए व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया था। बाद में वू को 18 साल की जेल हो गई।

जियाओ जियानहुआ

2017 में ही चीन के सबसे अमीर लोगों में रहे जियाओ जियानहुआ के साथ भी ऐसा ही हुआ था। जिओ को चीनी सुरक्षा अधिकारियों द्वारा हॉन्गकॉन्ग में उनके होटल से उठा लिया गया था। वहां से उन्हें चीन लाया गया। अगस्त 2022 में उनके ऊपर रिश्वतखोरी सहित अन्य वित्तीय अपराधों का आरोप लगा उन्हें 13 साल की जेल की सजा दे दी गई।

गुओ गुआंगचांग

2015 में कम से कम पांच अधिकारी लापता हुए थे जिनमें एक नाम गुओ गुआंगचांग का भी था। गुओ एक संपत्ति प्रबंधन समूह फोसुन इंटरनेशनल के अध्यक्ष हैं। यही समूह वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स फुटबॉल क्लब का भी मालिक है। गुओ को भ्रष्टाचार की जांच में सहायता के लिए पुलिस ने दिसंबर में हिरासत में लिया था। हालांकि, कुछ दिनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- कोहिनूर लेकर ही लौटेंगे

कहा- पहले अंग्रेज भारत में बोलते थे, अब हम बोल रहे और ये सुन रहे

लंदन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र शास्त्री लंदन गए हुए हैं। यहां वो लोगों को राम कथा सुना रहे हैं। यहीं पर एक प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा- हम कोहिनूर लेकर ही भारत वापस जाएंगे। भक्तों से बात करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि उन्हें लगातार भारत से फोन आ रहे हैं और लोग पूछ रहे हैं कि वो भारत कब लौटेंगे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अब उनको लंदन में ही अच्छा लग रहा है। पहले अंग्रेज भारत जाकर बोलते थे और हमारे दादा सुनते थे, लेकिन अब हम इंग्लैंड आकर बोलते हैं और वहां के लोग बातें सुनते हैं। पंडित शास्त्री ने कहा कि ब्रिटेन के लोग बहुत अच्छे हैं। मैं चाहता हूं कि यहां के राजा ऐसे ही देश की इकोनॉमी और अध्यात्म बढ़ाते रहें। इसके साथ ही उन्होंने लंदन के लोगों को धन्यवाद भी कहा।

ब्रिटेन ने माना- जबरन ले गए थे कोहिनूर

इससे पहले मई में ब्रिटेन की रॉयल फैमिली ने ये मान लिया था कि ईस्ट इंडिया कंपनी भारत से

कोहिनूर हीरा ले गई थी। महाराजा दलीप सिंह को इसे सरेंडर करने के लिए मजबूर किया गया था। ब्रिटेन के टावर ऑफ लंदन में रॉयल ज्वेल्स की प्रदर्शनी में बताया गया है कि लाहौर संधि के तहत दलीप सिंह के सामने कोहिनूर सौंपने की शर्त रखी गई थी। बकिंघम पैलेस के रॉयल कलेक्शन ट्रस्ट की मंजूरी के बाद प्रदर्शनी में ये टेक्स्ट लिखा गया है।

कोहिनूर हीरा 'विजय का प्रतीक'

क्राउन ज्वेल्स एग्जीबिशन में कोहिनूर पर एक फिल्म भी दिखाई गई है। इसमें इसके पूरे इतिहास को एक ग्राफिक मैप के जरिए दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि हीरे को गोलकुंडा की खदानों से निकाले जाने का दावा किया जाता है। इसके बाद एक तस्वीर में महाराजा दलीप सिंह इसे ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंपते नजर आ रहे हैं। एक और तस्वीर में ब्रिटेन की क्वीन मदर के ताज में कोहिनूर जड़ा नजर आ रहा है। टॉवर ऑफ लंदन में ये एग्जीबिशन किंग चार्ल्स की ताजपोशी के अवसर पर लगाई गई है। 6 मई को किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की ताजपोशी हुई थी। कोहिनूर जड़े ताज को सबसे पहले ब्रिटेन की क्वीन मदर ने पहना था। इसके बाद ये ताज क्वीन एलिजाबेथ को मिला था। इस ताज में कोहिनूर के अलावा अफ्रीका का बेशकीमती हीरा ग्रेट स्टार ऑफ अफ्रीका सहित कई कीमती पत्थर जड़े हैं। इसकी कीमत करीब 40 करोड़ डॉलर आंकी गई है।

मणिपुर गैंगरेप पर अमेरिका बोला- घटना डरावनी

पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार की कोशिशों को हमारा समर्थन

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो समुदायों के बीच 3 मई को शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। इस बीच वहां 2 महिलाओं के साथ हुए गैंगरेप के मामले में अमेरिका की प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिका से इस मामले को डरावना और चौंकाने वाला बताया है।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा- दो महिलाओं पर हुए हमले का वीडियो देखकर हम स्तब्ध हैं। हम घटना में पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदनाए जताते हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार की कोशिशों का समर्थन करते हैं।

यूएस विदेश मंत्रालय ने कहा- हर समुदाय के लोगों और संपत्ति की रक्षा हो

पटेल ने कहा- भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि किसी भी सभ्य समाज में महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार शर्मनाक है। हम पहले भी कह चुके हैं कि मणिपुर मामले

में हम शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में हैं और उम्मीद करते हैं कि हर समुदाय के लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा की जाएगी।

अमेरिकी राजदूत बोले- भारत ने मदद मांगी तो हम तैयार

इससे पहले भारत में मौजूद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि ये भारत का आंतरिक मामला है। वो जहां भी ऐसी हिंसक घटनाएं देखते हैं तो उन्हें दुख पहुंचता है। इससे पहले 6 जुलाई को भी अमेरिका ने भी मणिपुर की हिंसा पर चिंता जाहिर की थी।

तब एरिक गार्सेटी ने कहा है कि अगर भारत मदद मांगता है तो हम उसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था- हम जानते हैं कि ये भारत का आंतरिक मसला है, हम जल्द से जल्द शांति की उम्मीद करते हैं। मणिपुर के हालातों पर हमें कोई रणनीतिक चिंता नहीं है, हमें सिर्फ लोगों की चिंता है।

ये मुद्दा ब्रिटेन की संसद में भी उठाया जा चुका है। ब्रिटेन में धार्मिक आजादी से जुड़े मामलों की स्पेशल राजदूत और सांसद फियोना ब्रूस ने 20 जून को बीबीसी पर मणिपुर हिंसा की ठीक से रिपोर्टिंग न करने के आरोप लगाए थे। ब्रूस ने ब्रिटेन के निचले सदन में सवाल किया था कि मणिपुर में मई से कई सौ चर्च जलाए गए हैं, 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 50 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। न सिर्फ चर्च, बल्कि उनसे जुड़े स्कूलों को भी निशाने पर रखा गया है। ब्रूस ने कहा कि इससे साफ होता है कि ये सब प्लानिंग के तहत किया जा रहा है और धर्म इन हमलों में बड़ा फैक्टर है। 4 मई को ही दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना थोउबाल जिले में हुई थी। इसका वीडियो 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कुछ लोग दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके ले गए और उनसे अश्लील हरकतें कीं। एक पीड़ित महिला के पति ने बताया- 'हजार लोगों की भीड़ ने गांव पर हमला किया था। मैं भीड़ से अपनी पत्नी और गांव वालों को नहीं बचा पाया। पुलिसवालों ने भी हमें सुरक्षा नहीं दी। भीड़ तीन घंटे तक दरिंदगी करती रही।

रूसी लड़ाकू विमान ने अमेरिकी ड्रोन पर फ्लेयर्स दागे

सीरिया में एमक्यू-9 ड्रोन का प्रोपेलर खराब हुआ एयरफोर्स ने कहा- ऐसी हरकतें बंद करे रूस

दमिश्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सीरिया में एक रूसी फाइटर जेट ने अमेरिकी ड्रोन पर फ्लेयर्स दागे। इस दौरान अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन का प्रोपेलर खराब हो गया। यूएस एयरफोर्स सेंट्रल के लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिन्केविच ने मंगलवार को बताया कि ये घटना रविवार की है। रूसी लड़ाकू विमान अमेरिकी ड्रोन के बेहद करीब उड़ान भर रहा था। इसके बाद वो ड्रोन के ऊपर चला गया और उस पर फ्लेयर्स छोड़ने लगा।

इनमें से एक फ्लेयर ड्रोन के प्रोपेलर पर आकर लगा जिससे उसे काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, बाद में ड्रोन का क्रू उसे बेस स्टेशन तक ले जाने में कामयाब रहा। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा- सीरिया में आईएसआईएस को हराना ही हमारा मकसद है। ऐसे में रूस की तरफ से ये गैर-जिम्मेदाराना रवैया मिशन में अड़ंगे लगा रहा है। उन्हें तुरंत इस तरह की हरकतें बंद करनी चाहिए।

इससे पहले भी अमेरिका सीरिया में रूस पर लगातार उसके ड्रोन्स को निशाना बनाने का

आरोप लगा चुका है। हालांकि, इस पर रूस कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है। करीब 20 दिन पहले भी अमेरिकी एयरफोर्स ने वीडियो शेयर कर दावा किया था रूस के 3 सुखोई फाइटर जेट ने उसके 3 एमक्यू-9 ड्रोन्स को सीरिया में परेशान किया था।

एयरफोर्स के बयान के मुताबिक, रूस के सिखोई-35 फायटर जेट्स ने ड्रोन्स के सामने पैराशूट से फ्लेयर्स दागे थे, जिससे उनका फ्रंट व्यू ब्लॉक हो गया था। इसके बाद ड्रोन को अपना रास्ता बदलना पड़ा था।

सीरिया में अमेरिका और रूस दोनों की आर्मी अक्सर ऑपरेशन चलाती रहती हैं। अमेरिका की करीब 900 फोर्सेज सीरिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से लड़ने के लिए कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्स के साथ काम करने के लिए तैनात हैं। वहीं रूस की सेना सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थन में वहां मौजूद है।

मार्च में ब्लैक सी के ऊपर सुखोई ने अमेरिकी ड्रोन पर हमला किया था

इससे पहले मार्च में रूस-यूक्रेन बॉर्डर के करीब रूस के सुखोई फाइटर जेट ने अमेरिका के एडवांस्ड रीपर ड्रोन पर हमला किया था। ब्लैक सी के ऊपर अमेरिकी ड्रोन एमक्यू-9 रीपर सर्विलांस कर रहा था। रूस के दो सू-27 ने इस रीपर को 40 मिनट तक घेरकर उस पर फ्यूल गिराया था। ये फ्यूल रीपर के प्रोपेलर में पहुंचा और ड्रोन कुछ देर बाद ब्लैक सी में क्रैश हो गया था।

इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ गया था। यूएस एयरफोर्स के जनरल जेम्स हैकर ने रूस की हरकत को बेहद गैरजिम्मेदार और भड़काऊ बताया था।

उधर, रूस ने अमेरिका के आरोपों से इनकार किया था। उसने कहा था- यह महज एक हादसा है। हम मलबा तलाशने में अमेरिका की मदद करेंगे। इसके लिए हमारे पास अमेरिका और नाटो से ज्यादा बेहतर तकनीक है।

नेतन्याहू के खिलाफ पूरे इजराइल में प्रदर्शन

तेल अवीव, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल में सोमवार को पास हुए ज्युडीशियल ओवरहॉल बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन जारी हैं। नए कानूनी बदलाव के तहत अब इजराइल में सुप्रीम कोर्ट सरकार के किसी भी फैसले को गलत बताकर खारिज नहीं कर सकेगा। इजराइली बार एसोसिएशन ने मंगलवार को हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस में इसके खिलाफ याचिका दायर की है।

बिल के विरोध में मंगलवार को इजराइल के डॉक्टर्स की मेडिकल एसोसिएशन ने 24 घंटे की हड़ताल का ऐलान किया था। यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, उनकी हड़ताल पर लेबर कोर्ट ने रोक लगा दी, जिसके बाद डॉक्टर काम पर लौट आए।

उधर, प्रोटेस्ट के बीच क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने इजराइल की क्रेडिट रेटिंग घटा दी है। वहीं, यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन ने कहा है कि इजरायल में ज्युडीशियरी की आजादी को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। अमेरिका ने कहा है कि लोकतंत्र में बड़े बदलावों के लिए व्यापक सहमति होनी चाहिए।

29 हफ्तों के प्रदर्शन के बाद भी पास हुआ बिल

इजराइल में 29 हफ्तों से जारी प्रदर्शन के बावजूद सोमवार को ज्युडीशियल ओवरहॉल बिल का अहम हिस्सा पास हो गया था। बिल पर वोटिंग के दौरान हजारों इजराइली तेल अवीव की सड़कों पर प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू अब रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरह हो गए हैं। वो देश को तानाशाही की ओर धकेल रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान नॉर्थ कोरिया का झंडा भी लहराया

कानूनी बदलाव के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने नारे लगाए- लोकतंत्र या विद्रोह। उन्होंने कहा कि इजराइल में तानाशाही नहीं चलेगी। इस दौरान कई पत्रकारों पर भी हमले हुए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बेगिन हाईवे को बंद कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया में तट पर 100 पायलेट व्हेल आईं : 51 की मौत, 46 का रेस्क्यू जारी

एक्सपर्ट बोले- इनका किनारे आना स्वाभाविक नहीं

कैनबरा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के समुद्री तट पर 51 पायलट व्हेल की मौत हो गई। बुधवार सुबह पार्क और वाइल्डलाइफ सर्विस ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के चीनेस बीच पर करीब 100 पायलट व्हेल्स पहुंची थीं। यहां फंसे रहने के बाद रात भर में 51 पायलट व्हेल की मौत हो गई। उन्होंने कहा- हम बाकी 46 व्हेल को गहरे पानी में भेजने की कोशिश कर रहे हैं।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार की सुबह पायलट व्हेल का एक ग्रुप अल्बानी से 60 किलोमीटर पूर्व में चेनेस बीच के पास तैरते देखाई दिया था। इसके बाद शाम होने तक व्हेल का ग्रुप समुद्र के किनारे पहुंचने लगा और शाम तक चीनेस बीच व्हेल से ढक गया। इसके बाद मरीन एक्सपर्ट्स और कई वॉलंटियर्स ने रातभर बीच के पास कैंपिंग की।

डॉक्टर्स-एक्सपर्ट्स की टीम ने रातभर तट पर की कैम्पिंग

इस टीम में पर्थ चिड़ियाघर के डॉक्टर्स, एक्सपर्ट्स जहाज और स्लिंग्स के साथ दूसरे सभी इक्विपमेंट लेकर मौजूद थे। इन लोगों को ऑस्ट्रेलिया के एनिमल लवर्स और दूसरे कई लोगों ने मदद की पेशकश भी की। विशेषज्ञों ने बताया कि व्हेल्स का अचानक से तट पर पहुंचना असामान्य है और ये पॉड में किसी बीमारी के फैलने का भी संकेत हो सकता है। हालांकि, व्हेल तट पर क्यों पहुंच रही हैं इसकी सही वजह अभी सामने नहीं आई है।

इससे करीब 1 हफ्ते पहले स्कॉटलैंड के आइल ऑफ लुइस पर ट्रैग म्होर समुद्र तट पर भी 55 व्हेल्स की मौत हो गई थी। 23 जुलाई को सूचना मिली थी कि समुद्र के किनारे कई व्हेल्स फंसी हुई हैं। इसके बाद पुलिस, रेस्क्यू टीम और कोस्ट गार्ड की टीम तट पर पहुंची थी, लेकिन तब तक ज्यादातर व्हेल्स की मौत हो चुकी थी।

पिछले साल न्यूजीलैंड में 500 पायलट व्हेल की हुई थी मौत

पिछले साल न्यूजीलैंड में दो अलग-अलग घटनाओं में करीब 500 पायलट व्हेलों के फंसने से इसी तरह की मौत हो गई थी. इसके बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में भी मैक्वेरी हार्बर के पास लगभग 230 व्हेल फंस गई थीं, जिनमें से 200 की मौत हो गई थी।

क्या होती हैं पायलट व्हेल?

पायलट व्हेल समुद्री डॉलफिन की एक प्रजाति है, जो समूह में यात्रा करती हैं। ये समुद्र तट पर अपने समूह के एक लीडर (पायलट) को फॉलो करती हैं और ग्रुप में किसी साथी के घायल हो जाने पर उसके आसपास बड़ी संख्या में इकठ्ठा हो जाती हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

कोलंबो, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हाल ही में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की थी और वहां रह रहे तमिलों को साथ संबंध सुधारने पर भी बातचीत की थी। वहीं अब राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे बुधवार को श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिलों के जातीय मेल-मिलाप के जटिल मुद्दे पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक करेंगे। अपनी दिल्ली यात्रा से पहले, विक्रमसिंघे ने उत्तर और पूर्वी प्रांतों में प्रतिनिधित्व करने वाली तमिल पार्टियों के साथ एक बैठक में प्रांतों को पुलिस शक्तियां दिए बिना सर्वदलीय सहमति से श्रीलंकाई संविधान में 13वें संशोधन (13ए) के पूर्ण कार्यान्वयन पर सहमति व्यक्त की थी। सर्वदलीय सम्मेलन में भागीदारी को लेकर श्रीलंका की विपक्षी पार्टियां बंटी हुई नजर आईं। जबकि राष्ट्रीय सुलह पर सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों के नेताओं को निमंत्रण दिया गया था, कुछ विपक्षी दलों ने दावा किया है कि उन्हें सटीक एजेंडे की जानकारी नहीं है। श्रीलंकाई संसद में मुख्य विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा कि हमें बैठक के एजेंडे के बारे में सूचित नहीं किया गया है। लेकिन हम लोगों की खातिर इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) ने बैठक से बाहर निकलने का अधिकार सुरक्षित रखा है अगर यह वास्तविक प्रयास के बजाय राजनीतिक नौटंकी साबित हुई। जबकि दूसरे सबसे बड़े विपक्षी समूह जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने कहा कि वे इसमें भाग नहीं लेंगे, अन्य राजनीतिक दलों ने कहा कि वे भाग लेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की श्रीलंका फ्रीडम पार्टी के दयासिरी जयसेकेरा ने कहा कि हम बैठक में भाग लेने जा रहे हैं।

पीएम हुन सेन ने की इस्तीफे की घोषणा

कंबोडिया, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से कंबोडिया के प्रधानमंत्री पद पर बने हुए हुन सेन ने बुधवार को कहा कि वह तीन सप्ताह में प्रधानमंत्री पद छोड़ देंगे और अपने सबसे बड़े बेटे को पद सौंप देंगे। रविवार को हुए चुनाव में पीएम हुन सेन के बड़े बेटे ने संसद में पहली बार जीत दर्ज की है। यह घोषणा हुन सेन की कम्बोडियन पीपुल्स पार्टी द्वारा सप्ताहांत के चुनावों में भारी जीत हासिल करने के बाद की गई है। हालांकि, पश्चिमी देशों और अधिकार संगठनों ने चुनाव की 'न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष' कहकर आलोचना की और कहा कि चुनाव में देश के मुख्य विपक्ष को दबा दिया गया। हुन सेन 38 वर्षों से कंबोडिया के निरंकुश नेता रहे हैं, लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने कहा था कि वह अगले पांच साल के कार्यकाल के दौरान अपने सबसे बड़े बेटे हुन मानेट को यह पद सौंप देंगे। 45 साल के हुन मैनेट फिलहाल देश की सेना के प्रमुख हैं। एशिया में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले नेता हुन सेन ने एक टेलीविजन संबोधन में में कहा कि उन्होंने राजा नोरोडोम सिहामोनी को अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था और राजा एक औपचारिकता के तहत सहमत हो गए थे। हुन सेन ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा रविवार को हुए चुनाव के अंतिम नतीजों की रिपोर्ट आने के बाद उनके बेटे को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की याचिका की खारिज

तोशाखाना मामले में कार्यवाही रोकने को लेकर की थी अपील

इस्लामाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाक सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। अदालत ने बुधवार को उनके ऊपर चल रहे तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी।

इमरान खान पर पीएम पद पर रहते हुए तोहफे में मिले कीमती सामनों को बेचने का आरोप लगा है। हालांकि इमरान खान इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) द्वारा मामले में राहत से इनकार किए जाने के बाद इमरान खान ने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पिछले साल 21 अक्तूबर को पूर्व प्रधानमंत्री को तोशाखाना मामले में झूठे बयान और गलत घोषणा करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। उपहारों की गलत जानकारी देने को लेकर मई में एक ट्रायल कोर्ट ने मामले की स्थिरता को चुनौती देने वाली इमरान खान की याचिका खारिज कर दी और पीटीआई प्रमुख इमरान को दोषी ठहराया। इसके बाद, खान ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को आईएचसी के समक्ष चुनौती दी, जिसने मामले को दोबारा जांच के लिए ट्रायल कोर्ट में वापस भेज दिया।

आठ जुलाई को, ट्रायल कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि ईसीपी की याचिका विचार योग्य है और पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ आगे की कार्यवाही की गई, जिन्होंने राहत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। बुधवार की सुनवाई के दौरान दो सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी ने टिप्पणी की कि शीर्ष अदालत तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में ट्रायल कोर्ट के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान इमरान खान पर तोहफे में मिली एक बेशकीमती कलाई घड़ी के अलावा कई महंगे सामान बेचे जाने के भी आरोप लगा है।

महेश जोशी बोले-गुढ़ा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करूंगा

कहा- लाल डायरी की साजिश में गुढ़ा के साथ बीजेपी शामिल

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के जलदाय मंत्री महेश जोशी के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर तकरार बढ़ गई है। मंत्री महेश जोशी अब गुढ़ा के आरापों को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाएंगे। गुढ़ा ने मंत्री महेश जोश सहित कई मंत्रियों को रेपिस्ट करार दिया था, उन आरोपों पर अब मंत्री महेश जोशी ने पहली बार रिएक्शन दिया है।

जलदाय मंत्री महेश जोशी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा- मैं राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ मानहानि की एफआईआर दर्ज करवा रहा हूं। वकीलों से राय ले रहा हूं, उसके बाद थाने जाकर केस करूंगा जिस तरह के आरोप उन्होंने मुझ पर लगाए हैं, उसका जवाब उन्हें कोर्ट में देना होगा।

महेश जोशी ने कहा- राजेंद्र गुढ़ा ने बीजेपी के साथ मिलकर कांग्रेस को बदनाम करने का प्रयास किया है। एक चीज को डायरी जैसा बताया जा रहा है जो डायरी लग ही नहीं रही। अगर

उनके पास कोई लाल डायरी है तो बताना चाहिए कि उस लाल डायरी में क्या है? बीजेपी भी इस षड्यंत्र में शामिल है। गुढ़ा विधानसभा में जिसे लाल डायरी बताकर लहरा रहे थे, वे खुद चाह रहे थे कि वह इधर उधर हो जाए जिससे कि बाद में वे कह सकें कि वह खो गई। कांग्रेस के किसी विधायक के पास वह कथित डायरी है या गुढ़ा ने उसे कहीं फेंक दी, वो तो वही जाने।

महेश जोशी ने कहा- गुढ़ा जिस समय विधानसभा में डायरी लहरा रहे थे, उसके कुछ देर बाद ही बीजेपी विधायक भी छोटी छोटीर लाल डायरियां लेकर आ गए। जिस समय गुढ़ा मामला उठा रहे थे उसी समय बीजेपी के विधायक भी लाल डायरियां लहरा रहे थे। यह साजिश की तरफ साफ इशारा कर रहा है। बिना मिलीभगत ऐसा नहीं हो सकता।

मणिपुर जल रहा है, केंद्र सरकार सो रही है

मणिपुर घटना को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए गहलोत ने कहा- मणिपुर जल रहा है और केंद्र सरकार सो रही है। वंहा महिला अत्याचार की ऐसी वीभत्स घटनाएं हो रही हैं और विपक्ष के आवाज उठाने के बाद लंबे समय तक बीजेपी नेता बोले तक नहीं। बाद में पीएम मोदी ने खानापूर्ति के लिए बयान जारी कर इतिश्री कर ली। जनता इनके आचरण को देख रही है।

बीजेपी राजस्थान को नीचा दिखा रही

महेश जोशी ने कहा-राजस्थान में कानून व्यवस्था अच्छी है। राजस्थान पुलिस अच्छा काम कर रही है। सीएम अशोक गहलोत ने हर मोर्चे पर अच्छा काम किया है। इससे बौखला कर बीजेपी अनर्गल आरोप लगा रही है। पीएम मोदी ने मणिपुर की तुलना राजस्थान से करके प्रदेश का अपमान किया है। बीजेपी और पीएम बार बार राजस्थान को नीचा दिखा रहे हैं।

कांग्रेस विधायकों के घर पहुंची बीजेपी महिला मोर्चा

यूडीएच मंत्री धारीवाल के आवास के बाहर लहराई लाल डायरी; थाली-चम्मच बजाकर किया प्रदर्शन

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता कांग्रेसी विधायकों के घरों पर थाली बजाकर प्रदर्शन कर रहीं हैं।

इसी कड़ी में जयपुर में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के सरकारी आवास बाहर प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता धारीवाल के आवास के मेन गेट पर चढ़ गईं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

लहराई लाल डायरी

महिला कार्यकर्ताओं ने धारीवाल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लाल डायरी भी लहराई। यहां मौजूद महिला कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रदर्शन के लिए सबसे पहले धारीवाल के आवास को चुना गया। जिसके पीछे उनकी विवादित बयानबाजी है।

बता दें कि धारीवाल ने राजस्थान में रेप के मामलों पर कहा था कि यह मर्दों का प्रदेश है। इसी के चलते बीजेपी महिला मोर्चा ने सबसे पहले धारीवाल का सरकारी आवास चुना। यहां भी लाल डायरी का मुद्दा उठाया गया।

महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं: रक्षा भंडारी

प्रदर्शन को लेकर महिला मोर्चा की अध्यक्ष रक्षा भंडारी ने बताया कि कांग्रेस की गहलोत सरकार में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। सड़क से लेकर स्कूल, कॉलेज, कार्यस्थल पर महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जंगलराज के खिलाफ प्रदेश स्तर पर नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चल रहा है।

जिसमें महिला मोर्चा को विधायकों के घरों पर थाली नाद प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी मिली हैं। वहीं इस प्रदर्शन के बाद हम शक्ति केन्द्र व मंडल स्तर पर जनसंपर्क करके आमजन को 1 अगस्त को जयपुर में होने वाले प्रदर्शन में आने का आह्वान करेंगे।

युवा मोर्चा निकालेगा मोटरसाइकिल रैली

महिला मोर्चा के प्रदर्शन के अगले दिन गुरुवार को प्रदेश की 200 विधानसभाओं में युवा मोर्चा मोटरसाइकिल रैली निकालेगा।

इस रैली में विधानसभा के बीजेपी कार्यकर्ता शामिल होंगे। मोटरसाइकिल रैली को लेकर युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची ने कहा कि हम मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को जागरूक करने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं के सपनों पर कुठाराघात कर रही है। प्रदेश में हर दिन पेपर लीक हो रहे हैं और बेरोजगारी चरम पर है। ऐसे में प्रदेश का युवा आक्रोशित हैं। इसी को लेकर प्रदेश भाजपा नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चला रहा है। जिसमें प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों सहित हर वर्ग के मुद्दे को पुरजोर तरीके से बीजेपी उठा रही है।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा जल्द हो सकते हैं गिरफ्तार!

विदेशी डॉक्टर के हॉस्पिटल के कब्जे से जुड़ा केस; करीबी चेयरमैन भी निलंबित

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक साल पुराने जमीनी विवाद से जुड़े केस की फाइल अब पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) ऑफिस से सीआईडी-सीबी को भेजी गई है। ऐसे में अब गुढ़ा के लिए परेशानी बढ़ सकती है।

इधर, सरकार ने गुढ़ा के करीबियों पर भी एक्शन शुरू कर दिया है। भ्रष्टाचार के मामले में गुढ़ा के करीबी उदयपुरवाटी (झुंझुनूं) नगर पालिका के चेयरमैन रामनिवास सैनी को स्वायत शासन विभाग ने सस्पेंड कर दिया है। वहीं, इससे पहले इसी जमीनी विवाद में गुढ़ा के निजी सहायक दीपेंद्र सिंह और साले अभय सिंह की गिरफ्तारी हो चुकी है। दावा किया जा रहा है कि पुलिस पूछताछ और जांच में कहीं

न कहीं गुढ़ा की भी भूमिका सामने आई थी।

गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में लिया था गुढ़ा का नाम

दरअसल, मामला एक साल पहले जयपुर ग्रामीण के गोविंदगढ़ के बलेखन गांव का है। यहां अफ्रीका में रहने वाले डॉक्टर बनवारी लाल मील का हॉस्पिटल है। जानकारी के अनुसार 20 अगस्त 2022 को हॉस्पिटल में कब्जा करने के लिए बड़ी संख्या में अभय सिंह कुछ बदमाशों को लेकर पहुंचा था। पुलिस ने उस दौरान ग्रामीणों की मदद से 14 लोगों को हॉस्पिटल पर कब्जा करने के मामले में गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने गुढ़ा के पीए दीपेन्द्र सिंह और बिल्डर सत्यनारायण गुप्ता को भी गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों से हुई पूछताछ के बाद पुलिस ने बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा को भी इस मामले में आरोपी मानते हुए नामजद किया था। उस समय गुढ़ा मंत्री थे इसलिए पुलिस एक्शन से भी बचती रही।

जानकार सूत्रों की मानें तो पुलिस मुख्यालय की सीआईडी सीबी ने इस फाइल पर गुढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। जानकार सूत्रों की मानें तो जयपुर ग्रामीण पुलिस इस फाइल पर पूरा काम कर चुकी है। केवल औपचारिकता के लिए फाइल को सीआईडी सीबी के पास भेजा गया है। अब जल्द ही गुढ़ा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हो सकते हैं। दरअसल, विधायक,मंत्री, एमपी के खिलाफ दर्ज केस की जांच एक बार सीआईडी सीबी से कराने का नियम है। इसलिए फाइल को पुलिस मुख्यालय में सीआईडी सीबी को भेजी गई है।

अध्यक्ष पद से किया गया सस्पेंड

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के करीबी और उदयपुरवाटी के नगर पालिका चेयरमैन रामनिवास सैनी को डीएलबी विभाग ने अध्यक्ष और पार्षद पद से निलंबित कर दिया है। दरसअल साल 2022 में हुई चार बागवानों की भर्ती को गलत मानते हुए कुछ पार्षदों ने इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में टिप्पणी की है कि जिन चार पदों पर भर्ती की गई वे स्वीकृत ही नहीं थे। नगर पालिका अध्यक्ष ने मिलीभगत करके जिन चार जनों को नियुक्ति दी वे आपस में रिश्तेदार हैं।

इस प्रकार भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह से अनियमित माना गया व मिली भगत करके नियम विरुद्ध की हुई माना गया।

कैबिनेट मंत्री बोले- मणिपुर में डबल इंजल सरकार फेल

प्रधानमंत्री पर कहा- 56 इंच का सीना, दुख प्रकट करने में 79 दिन

अलवर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के विभित्स हालातों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर कांग्रेस सहित पूरे देश का विपक्ष बुधवार को सड़कों पर उतरा है। अलवर शहर में कांग्रेस के बड़े नेताओं ने कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पैदल मार्च निकाला। कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली व शकुंतला रावत ने मोदी सरकार को घेरा। मोती डूंगरी से मिनी सचिवालय तक विरोध मार्च निकाला गया।

कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि हमारे हिंदुस्तान में महिलाओं को गोली मारी जाती है। निर्वस्त्र किया गया। हजारों घर छोड़ गए। न जाने कितने लोग मणिपुर में जख्मी है। 90 दिनों से ये हाल है। 56 इंच के सीने वाले मोदी को दुख प्रकट करने में 79

दिन लग गए तो कार्रवाई कब होगी। लोगों को लूटा जा रहा है काटा जा रहा है। इसके बावजदू सरकार मौन हैं। मणिपुर में डबल इंजन की सरकार है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को वहां जाने से रोक दिया गया। इस कारण पूरा विपक्ष मोदीजी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर सड़कों पर आया। इसका पूरे देश के सामने खुलासा होना चाहिए कि कैसे मणिपुर में केंद्र व वहां की राज्य सरकार फेल रही है।

कांग्रेस तो बराबर विरोध में खड़ी है। मणिपुर के हालातों को कांग्रेस ने सामने रखा है।

लाल डायरी पर रावत ने कहा

लाल डायरी पर कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि इसमें कुछ नहीं है। राजस्थान में विपक्ष की पार्टी बीजेपी के नेताओं के पास कुछ विरोध करने के लिए बचा नहीं। इसलिए अब डायरी लेकर आए हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के पास कोई मुद्दा तक नहीं छोड़ा। इस कारण लाल डायरी को मुद्दा बनाने का प्रयास किया गया। जबकि लाल डायरी लाने वालों को पता नहीं है कि उसमें क्या है।

जयपुर में तेज बारिश, सड़कों पर पानी भरा

अलवर में झमाझम, 4 जिलों में अलर्ट

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आज दोपहर कई जगहों पर तेज बारिश हुई। टोंक रोड पर एक फीट तक पानी भर गया। अलवर और उससे लगते एनसीआर एरिया में भी दोपहर बाद बरसात हुई। सीकर और झुंझुनूं के कुछ इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र ने आज जयपुर, भरतपुर, अजमेर और बीकानेर में मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो जयपुर, दौसा, बाड़मेर, गंगानगर, अलवर, जालोर, उदयपुर, झुंझुनूं, चूरू, सिरोही, भरतपुर समेत कई जिलों में 1 से लेकर 3 इंच तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात सिरोही के देलदर में 71MM हुई। सिरोही में कई जगह हुई तेज बारिश के कारण यहां वेस्ट बनास में लगातार पानी आ रहा है।

बनास, त्रिवेणी समेत दूसरी नदियों में लगातार पानी आने से बीसलपुर बांध का गेज तेजी से बढ़ने लगा है। बीसलपुर बांध का गेज पिछले 24 घंटे के दौरान 3 सेमी. तक बढ़ गया। बांध का गेज आज सुबह 313.59 सेमी. हो गया।

जयपुर में सड़कों पर पानी-पानी

जयपुर में आज दोपहर करीब 12:30 बजे बारिश शुरू हो गई। टोंक रोड, 22 गोदाम, सहकार मार्ग, परकोटा, एमआई रोड, जेएलएन मार्ग समेत कई जगहों पर रुक-रुक कर तेज बारिश हुई। टोंक रोड पर बारिश के बाद आधा से एक फीट तक पानी भर गया।

इससे ट्रैफिक का संचालन बाधित हुआ। यही नहीं, भारत जोड़ो एलिवेटेड रोड पर सोडाला से अंबेडकर सर्किल की ओर करीब 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

29 जुलाई से थमेगा बारिश का दौर

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आज आंध्र प्रदेश-ओडिशा तट पर बंगाल की खाड़ी में एक वेलमार्क लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। मानसून ट्रफ लाइन आज जैसलमेर, कोटा से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से आज जयपुर, भरतपुर, अजमेर व बीकानेर संभाग में मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकांश भागों में मध्यम और कहीं-कहीं पर तेज बारिश होने की संभावना है।

27 जुलाई को दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर अधिकांश भागों में मानसून सक्रिय रहने से हल्की-मध्यम बारिश और कोटा, उदयपुर, जयपुर संभाग में एक-दो स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। 28 जुलाई को बारिश की गतिविधियां भरतपुर, जयपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में जारी रहने की संभावना है।

29 जुलाई से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आने और केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

राज्य में अब तक 80 फीसदी ज्यादा बरसात

राजस्थान में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 80 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राज्य में अब तक कुल 325.9मिमी बरसात हुई है, जबकि एक जून से 25 जुलाई तक राज्य में औसत बरसात 180.8मिमी तक होती है। जिलेवार रिपोर्ट देखें तो केवल बारां ऐसा जिला है जहां सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश हुई है। जबकि शेष सभी जिलों में बारिश सामान्य से ज्यादा है। अब तक सबसे ज्यादा बरसात 927.8मिमी सिरोही जिले में हो चुकी है।

पांच प्रमुख शहरों का हाल

जयपुर : आज दोपहर बाद ग्रामीण इलाकों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने यहां तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

कोटा : मौसम विभाग ने आज येलो अलर्ट जारी किया है। यहां कई जगह तेज बारिश होने का अनुमान है।

उदयपुर : आज दिनभर आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

जोधपुर : आज आसमान में बादल छाने और उमस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज यहां हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

बीकानेर : आज दोपहर बाद आसमान में बादल छाने के साथ बारिश हो सकती है। यहां मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

कोटा में तेजी से फैल रहा पिंक आई रोग

आई फ्लू के मरीज रोज पहुंच रहे अस्पताल एंटीबायोटिक्स की होने लगी शॉर्टेज

कोटा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बरसात के मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण आंखो की बीमारियां खासकर आई-फ्लू बहुत तेजी से फैल रहा है। राजस्थान एवं देश के कई राज्यों में बरसात के पानी के साथ साथ अनेकों मानसूनी बीमारियों ने भी जन्म ले लिया जिनमें से आई-फ्लू भी एक है। इसे पिंक आई या कन्जंक्टिवाइटिस इंफेक्शन के नाम से जाना जाता है। इन दिनों देशभर में वायरल आई-फ्लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसका प्रमुख कारण एडिनोवायरस (टाईप 8 व 19) है। इन दिनों वायरल आई-फ्लू से पीड़ित हजारों व्यक्ति नेत्र विशेषज्ञों के पास इलाज के लिए पहुंच रहे है। कोटा के नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान में उनके अस्पताल में रोज तीस से ज्यादा मरीज सिर्फ आई फ्लू के आ रहे है। जिनमें से अनेकों स्कूली बच्चें और कोचिंग छात्र भी हैं। आई-फ्लू के कम्युनिटी स्प्रेड को रोकने के लिए हमें सावधानी रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि अभी स्थिति यह है कि इस बीमारी के चलते एंटीबायोटिक्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। ऐसे में कई बार शॉर्टेज की स्थिति बन जाती है। बारिश का मौसम यानी कंजेक्टिवाइटिस मौसम। आँखों की आई-फ्लू नामक बीमारी बारिश के मौसम में बहुत तेजी से फैलती है। इसे आम भाषा में आंख आना भी कहते है। आई-फ्लू एक बेहद संक्रामक नेत्र रोग है। आई-फ्लू बरसात के समय विषाणुओं के संक्रमण से होता है। शुरुआत में आई-फ्लू नामक इन्फेक्शन एक आंख में होता है, पर सावधानी न बरतने पर यह दूसरी आंख में हो सकता है। इसमें पहले आंख लाल होना शुरू होती है और कुछ घंटों में ही जलन, चुभन, पलकों में सूजन होने लगती है तथा आँख से पानी आने लगता है।

व्यापारी पर फायरिंग कर मांगी 50 लाख रुपए की रंगदारी

30 सेकेंड में चिट्ठी फेंकी, फायर किया; धमकी- परिवार खत्म कर देंगे

बानसूर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में कई गैंग एक्टिव हैं। खुलेआम रंगदारी के लिए धमकियां दी जा रही हैं। फायर किए जा रहे हैं। लूट और गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। ऐसे में व्यापारी वर्ग में खास तौर से रोष है। अलवर जिले के बानसूर कस्बे में मंगलवार शाम 7.55 बजे व्यापारी की दुकान पर 50 लाख की रंगदारी की चिट्ठी फेंकी गई, फिर फायर किया गया। इस घटना के बाद इलाके में रातभर दहशत रही। आरोपी 4 बदमाश दो अपाचे बाइकों पर आए थे। अभी तक पुलिस को उनका सुराग नहीं लगा है। व्यापारियों में इस घटना को लेकर नाराजगी और गुस्सा है। सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई है।

पीड़ित व्यापारी ने बताया कि महज 30 सेकेंड में बदमाश दुकान के काउंटर पर रंगदारी की धमकी वाली चिट्ठी भी रख गए और भरे बाजार

फायरिंग कर फरार भी हो गए। बानसूर कस्बे के हरसौरा रोड पर थोक व्यापारी महावीर बलासीया की थोक किराने की दुकान है। हितेश कुमार विनोद कुमार के नाम से इसी दुकान पर कल शाम 7.55 बजे दो अपाचे बाइकों पर 4 बदमाश पहुंचे। एक-एक बाइक पर 2-2 बदमाश थे। एक बाइक बानसूर की तरफ से आई थी तो दूसरी हरसौरा चौक की तरफ से। दोनों में से एक बाइक दुकान के पास रुकी जबकि दूसरी थोड़ा आगे चली गई। दुकान के पास वाली बाइक पर सवार दो युवकों में से पीछे बैठा बदमाश उतरा। उसने जींस शर्ट पहनी थी और चेहरे पर तौलिया बांधा हुआ था।

बदमाश दुकान के काउंटर तक पहुंचा और एक कागज रखकर लौट गया। दुकान पर 5-6 ग्राहक थे इसलिए उसकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया। बाइक को उसका साथी पहले ही स्टार्ट कर खड़ा था। बदमाश ने देसी कट्टा निकाला और दुकान पर तानकर हवाई फायर किया। व्यापारी महावीर बलासीया का कहना है कि उसे इससे पहले कभी रंगदारी को लेकर धमकी नहीं मिली। 50 लाख की रंगदारी मांगी गई है। नहीं देने पर परिवार समेत खत्म करने की बात लिखी है।

वारदात की सूचना मिली तो दुकान पर व्यापारी इकट्ठा हो गए और घटना का विरोध किया। धमकी और फायरिंग की सूचना बानसूर पुलिस को दी। रात 8.30 बजे तक बानसूर थाना अधिकारी हेमराज सराधना मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

भरी एटीएम मशीन ले गए बदमाश

एटीएम बूथ पर न सिक्योरिटी गार्ड न सीसीटीवी कैमरे

भरतपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर के सेवर थाना इलाके में कुछ बदमाश देर रात एक इंडिकैश कंपनी के एटीएम मशीन को उखाड़ कर ले गए। एटीएम बूथ के अंदर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। जिससे यह अभी तक पता नहीं लग पाया कि कितने बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बदमाश किस वाहन से आए और उनकी संख्या कितनी थी। फिलहाल पुलिस एटीएम बूथ के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। एटीएम मशीन में करीब 1 लाख रुपए थे।

घटना देर रात करीब 1 बजे की है। सेवर थाना पुलिस की गश्त गाड़ी एटीएम के पास खड़ी थी। तभी गश्त की गाड़ी को सूचना मिली कि सेवर थाने के पास भगवान हनुमान के मंदिर में एक ट्रक ने टक्कर मार दी है। सूचना मिलने पर गश्त की गाड़ी थाने पहुंची। ट्रक का ड्राइवर ट्रक को वहीं छोड़कर भाग चुका था।

जैसे ही गश्त की गाड़ी एटीएम बूथ के पास से थाने पहुंची तभी पीछे से बदमाश एटीएम मशीन को उखाड़ कर ले गए। थोड़ी देर थाने पर रहने के बाद गश्त की गाड़ी फिर से सेवर कस्बे में पहुंची और गश्त करते हुए एटीएम बूथ के पास आकर खड़ी हो गई।

जब पुलिसकर्मियों की गश्त खत्म हुई तो पुलिसकर्मी सभी एटीएम मशीनों को चेक कर रहे थे। चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी इंडिकैश एटीएम के अंदर गए। बूथ से 1 एटीएम मशीन गायब थी। पुलिसकर्मियों को शक हुआ कि बूथ से 1 एटीएम गायब है।

मणिपुर हिंसा के विरोध में सड़क पर उतरे कांग्रेसी

कोटा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता आज सड़क पर उतरे। देहात व शहर कांग्रेस की टीम ने अलग अलग जगह पर प्रदर्शन किया। कोटा देहात की ओर से कांग्रेस कार्यालय से इंदिरा गांधी मूर्ति सर्किल तक मार्च निकाला। सर्किल पर धरने पर बैठ गए। धरने में विधायक भरत सिंह कुंदनपुर, लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्डू, देहात अध्यक्ष भानुप्रताप, सहित देहात के पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल हुए।

इधर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सर्किट हाउस से कलेक्टेट तक विरोध मार्च निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में पीसीसी सचिव अमित धारीवाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी,खादी ग्रामोधोग बोर्ड के उपाध्यक्ष पंकज मेहता, निगम महापौर राजीव भारती समेत पार्षद व पार्टी पदाधिकारी ,कार्यकर्ता शामिल हुए। पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया। शहर अध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने कहा कि मणिपुर में गांव के गांव जला दिए गए। महिला को निवस्त्र कर घुमाया गया। इससे बड़ी शर्मनाक घटना आज तक देश में नहीं हुई। दुख इस बात का है कि पीएम कुछ नहीं बोल रहे।

साइबराबाद सीपी ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ की इंटरैक्टिव बैठक

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवीन्द्र और एससीएससी के महासचिव रमेश काजा ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साइबराबाद में यातायात परिदृश्य में सुधार के लिए उद्योग जगत के वरिष्ठ नेता, आईटी, आईटीईएस, फार्मा, होटल और अस्पताल के सीईओ और अन्य के साथ एक इंटरैक्टिव बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, स्टीफन रवीन्द्र ने कहा कि लगातार बारिश के दौरान सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत, साइबराबाद पुलिस ने एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है और आईएमडी के पूर्वानुमानों का लगातार पालन कर रही है, जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रही है - जल जमाव की पहचान कर रही है।" क्षेत्रों में, आठ टीमों द्वारा पीएसआईओसी के माध्यम से 24 घंटे सभी व्यस्त सड़कों की निगरानी की गई, तेजी से प्रतिक्रिया के लिए 10 आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें बनाई गईं। सड़क पर अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात करने के लिए, लगभग 1800-2000 कर्मियों को तैनात किया गया था और इस संख्या में कानून और व्यवस्था के साथ-साथ यातायात पुलिस भी शामिल थी। उन्होंने कहा कि विभाग जल जमाव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर रहा है और जीएचएमसी के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि इनका तुरंत समाधान किया जा सके। स्टीफन रवीन्द्र ने सभी संगठनों को भेजी गई सलाह को लागू करने के लिए उद्योग को धन्यवाद दिया, जिसमें चरणबद्ध तरीके से कर्मचारियों के अलग-अलग लॉगआउट का सुझाव दिया गया था। जब तक मानसून का प्रकोप कम नहीं हो जाता, तब तक कुछ और दिनों तक यही रुख जारी रहेगा। उन्होंने कार्यालय जाने वालों को सलाह दी कि वे कार पूलिंग करें, जहां भी संभव हो मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का प्रभावी ढंग से उपयोग करें और इससे सड़कों पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। एससीएससी के महासचिव रमेश काजा ने कहा कि एससीएससी इस तरह के इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, ताकि उद्योग को पता चल सके कि पुलिस जमीनी स्तर पर क्या कर रही है और उन्हें यह समझने का अवसर भी मिलेगा कि किस तरह की चुनौतियां हैं। लगातार बारिश से बनी स्थिति से निपटने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। उन्होंने पुलिस द्वारा अलग-अलग समय पर जारी की गई सलाह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए उद्योग को धन्यवाद दिया और उद्योग से कार पूलिंग के विकल्प पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया। डीसीपी ट्रैफिक, हर्षवर्द्धन ने उद्योग को सुझाए गए चरणबद्ध लॉगआउट समय पर सलाह देने के पीछे के कारणों के बारे में बताया।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में धमाका सेल आज से

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजीगुड़ा में वार्षिक धमाका सेल गुरुवार 27 जुलाई को सुबह 10:30 बजे से आरंभ होगी। आज यहाँ प्रतिष्ठान के गौतमचन्द सेहलोत ने बताया कि पिछले 11 वर्ष की भांति इस वर्ष भी नये और प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए वार्षिक धमाका सेल आरंभ की जा रही है। एसएलजे के प्रमुख मीठालाल सेहलोत का मानना है कि सेल मुख्य रूप से नये ग्राहकों को जोड़ती है। वर्षभर प्रतिष्ठान अपने अनुसार उचित दर पर व्यापार करता है और एसएलजे का मानना हषै कि वर्ष में पाँच दिन ग्राहों के मुताबिक व्यापार होना चाहिए। इसी भावना को ध्यान में रखकर गत 11 वर्षों से सेल चलाई जा रही है, जसे अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सेल में ग्राहक खुश होंगे और आफर्स का भरपूर लाभ उठायेंगे। इस धमाका सेल में आंध्र, तेलंगाना ही नहीं बल्कि देश के कई शहरों से ग्राहक अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। एक ही छत के नीचे हीरे और सोने के आभूषणों की विविध रेंज उचित दर पर प्राप्त होगी। शोरूम में उपलब्ध डिजाइन भी सभी को बहुत पसंद आती है। इस सेल की खासियत नो मेकिंग नो वेस्टेज है, यानि सेल के दौरान गहनों की खरीददारी पर मेकिंग चार्ज नहीं लिया जाएगा। वेस्टेज भी नहीं जोड़ा जाएगा।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा की सावन की सैर 27 अगस्त को

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा की सावन की सैर 27 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। कल कमेटी के सदस्यों की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि सावन की सैर के रूप में परिवार के सभी सदस्यों के लिए पावनी रसोर्ट, मोइनाबाद एक गेट-टूगेदर आयोजित किया जाएगा। इसमें सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक सभी मनोरंजन और खेल शामिल होंगे।

सिकंदराबाद से रवाना हुई नौवीं भारत गौरव 'पुण्य क्षेत्र यात्रा' ट्रेन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की भारत गौरव ट्रेनों को रेल उपयोगकर्ताओं से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। दो तेलुगु राज्यों के रेल यात्रियों को एक अनूठा अवसर प्रदान करने वाली टूरिस्ट सर्किट ट्रेन के रूप में शुरू की गई यह ट्रेन 8 यात्राएँ पूरी करने के बाद 26 जुलाई को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी 9 वीं यात्रा शुरू कर चुकी है।

तमिलनाडु की निवासी, श्रीमती सोमैया गोपीनाथ ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से ट्रेन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आईआरसीटीसी के समूह महाप्रबंधक पी. राजकुमार भी उपस्थित थे। यह ट्रेन दो तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों को देश के पूर्वी और उत्तरी भाग के कुछ सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा करने का एक अनूठा अवसर देती है। सिकंदराबाद के अलावा, ट्रेन दोनों तेलुगु राज्यों में 8 स्थानों जैसे काजीपेट, खम्मम, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, पेंडुर्ती और विजयनगरम- पर बोर्डिंग व डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करती है। उन्हें नौ दिनों की अवधि में पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर ले जाया जाएगा। रेल यात्रियों को ट्रेन द्वारा प्रदान किए गए अनूठे अवसर को देखते हुए, न केवल सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से बल्कि मार्ग के स्टेशनों से भी यात्री भारत गौरव ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आए हैं। ट्रेन मिश्रित संरचना के साथ एसी और नॉन-एसी दोनों यात्रियों को अवसर प्रदान करती है। सिकंदराबाद स्टेशन के साथ-साथ रास्ते के स्टेशनों के रेल यात्रियों ने एसी और गैर-एसी दोनों ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाया है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन को यात्रियों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ट्रेन तीर्थयात्रियों को व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी के बिना सांस्कृतिक रूप से प्रमुख और ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को प्रमुख बढ़ावा देंगी।

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी : सेवाभारती को दान दिये गये 20 कंप्यूटर

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत, एसबीआई लर्निंग एंड डेवलपमेंट, सिकंदराबाद ने सेवा भारती तेलंगाना को 20 नवीनीकृत कंप्यूटर दान किए। श्रीमती मंजू शर्मा, महाप्रबंधक, नेटवर्क-1, हैदराबाद सर्कल ने कंप्यूटर सेवा भारती, तेलंगाना के निदेशक कुलदीप सक्सेना को नवीनीकृत कंप्यूटर सौंपे।

इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती मंजू शर्मा ने उस संगठन का समर्थन करने की एसबीआई की प्रतिबद्धता दोहराई जो समाज में वंचित वर्ग के लिए कल्याणकारी गतिविधियां चला रहे हैं और उनके जीवन में सकारात्मक प्रभाव पैदा कर रहे हैं।

कुलदीप सक्सेना ने एसबीआई को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और बताया कि कंप्यूटर के वर्तमान दान का उपयोग सेवा भारती प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सेवा भारती बेसहारा लड़कों, लड़कियों और अनाथ बच्चों को उनके कल्याण के लिए शिक्षा, छात्रावास सुविधा, कौशल विकास केंद्र और अस्पताल प्रदान करके सहायता कर रही है। कार्यक्रम के दौरान श्री जितेंद्र कुमार शर्मा (डीजीएम एवं सीडीओ), रामकृष्ण, निदेशक एसबीआईएलडी सिकंदराबाद, संकाय सदस्य और स्थानीय प्रधान कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जाहीराबाद में श्री सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य।

पुरुषोत्तम मास पर मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट रोड में आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भाग लेते हुए पंडित संजय शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, यज्ञ यजमान श्रीमती दीपा-राधेश्याम अग्रवाल, आरती यजमान राजेंद्र गुप्ता, दिनेश सांखला व अन्य श्रद्धालु। इस अवसर पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम का दृश्य।

बजरंग सेना टीम ने जीएचएमसी उपमहापौर से की जनसमस्याओं की शिकायत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना टीम के प्रदेश अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव ने जीएचएमसी उपमहापौर श्रीमती श्रीलता शोभन रेड्डी से मुलाकात की तथा गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में नागरिक समस्याओं के बारे में अवगत कराया। उपमहापौर को गोशमहल निर्वाचन क्षेत्र में जनता द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों और समस्याओं जैसे कचरा, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी, गड्ढे आदि और बरसात के मौसम में निचले इलाकों में पानी भर जाने की समस्या के बारे में बताया गया। बजरंग सेना ने उपमहापौर से तत्काल आधार पर निर्वाचन क्षेत्र के नागरिक मुद्दों पर ध्यान देने का अनुरोध किया। ग्रेटर हैदराबाद के सचिव विनीत यादव और टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस चौकी के अभ्यर्थियों ने राज्य सचिवालय पर विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कांस्टेबल पद के अभ्यर्थियों ने आज यहां नए सचिवालय परिसर को घेरने की कोशिश की।

इस अवसर पर बोलते हुए, कांस्टेबल पद के उम्मीदवारों ने मांग की कि राज्य सरकार जीओ संख्या 46 को रद्द कर दे। उन्होंने मांग की कि भर्ती पुरानी पद्धति से की जानी चाहिए और ग्रामीण उम्मीदवारों को न्याय दिया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों ने चिंता व्यक्त की कि विवादास्पद जीओ के कारण उन्हें बहुत नुकसान होगा। सचिवालय में उस समय तनाव हो गया जब कांस्टेबल अभ्यर्थी प्रवेश पाने के लिए सचिवालय गेट की ओर दौड़ पड़े। उन्होंने सचिवालय गेट के सामने प्रदर्शन किया और जीओ नंबर 46 को रद्द करने की मांग की. पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच कुछ देर तक बहस भी हुई। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

पुरुषोत्तम मास पर राजपुरोहित समाज धार्मिक सेवा दल द्वारा श्री बालकदासजी महाराज आश्रम बड़ौदा, पावागढ, गणेश मंदिर कोट, सहारनपुर, सोमनाथ, द्वारिका, साथू भोमजी बा, आसोतरा ब्रह्मधाम, आत्मानन्दजी धाम बड़वा, अम्बाजी की यात्रा पूर्णकर नगर पधारने पर हरिसिंह, अमरसिंह, रामसिंह, नारायणसिंह, शंकरसिंह, विक्रमसिंह, दलपतसिंह, सोहनसिंह, जगदीशसिंह, विजयसिंह, जब्बरसिंह, बिहारीसिंह, अशोकसिंह, कानसिंह राजपुरोहित का पुष्प-माला से सम्मानकर उपस्थित अ.भा.राजपुरोहित संस्थान पुष्कर पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल, जोगाराम, राणाराम कुमावत व अन्य।

प्रगति महाविद्यालय में मना कारगिल विजय दिवस

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय के 4/1 कंपनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आज कारगिल विजय दिवस भव्यता से बनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. ए. माधवीलता ने एनसीसी कैडेट्स को बधाई दी और कहा कि कारगिल का युद्ध हमारी सेना के लिए जोखिम भरा था, फिर भी भारतीय सेना ने जो साहस दिखाया वो काबिले तारीफ रहा। आगे उन्होने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर भी सेना के अधीन कार्य कर रही है, इसलिए सभी एनसीसी कैडेट्स को सेना में भर्ती होने का प्रयास करते रहना चाहिए।

महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह ने कैडेट्स को कारगिल युद्ध एवं उससे जुड़े तथ्यों का जिक्र करते हुए शहीदों की वीर गाथाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत माता के इन सपूतों को आज संपूर्ण भारत वर्ष सलाम करता है। इस अवसर पर प्राचार्य, एनसीसी अधिकारी, प्राध्यापक वी वी रेड्डी एवं कैडेट्स ने शहिदों को श्रद्धांजलि अर्पित की भारत माता की जय के नारे लगाए।

हैदराबाद की महिला शिकागो की सड़कों पर कर रही है संघर्ष

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक युवती सैयदा लुलु मिन्हाज जैदी संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए गई थी। कथित तौर पर शिकागो की सड़कों पर चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रही है। अपना सामान चोरी होने के बाद अवसाद और भूख से जूझ रही है। अपनी बेटी की भलाई के लिए चिंतित, सैयदा की मां सैयदा वहाज फातिमा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से संपर्क किया है और उसे भारत वापस लाने में सहायता की अपील की है।

यह व्यथित करने वाला पत्र सोशल मीडिया पर तब सामने आया जब भारत राष्ट्र समिति के वरिष्ठ नेता खलीकुर रहमान ने इसे अपने ट्विटर अकाउंट पर साझा किया।

तेलंगाना सरकार 1,520 बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य सहायक पदों पर भर्ती करेगी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जमीनी स्तर पर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम में, तेलंगाना सरकार ने बुधवार को 1,520 बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य सहायक (महिला) की भर्ती के लिए एक अधिसूचना जारी की। तेलंगाना राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (एमएचएसआरबी) भर्ती अभियान चलाएगा।

अनुभव के आधार पर, उम्मीदवारों का पारिश्रमिक 31,040 रुपये से 92,050 रुपये तक होगा। एमपीएचए (महिला) उम्मीदवारों का चयन 100 अंकों के आधार पर किया जाएगा, जिनमें से 80 अंकों में लिखित परीक्षा शामिल है और शेष 20 अंक राज्य सरकार के अस्पतालों/संस्थानों/कार्यक्रमों में अनुबंध और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों दोनों के लिए सेवा के लिए दिए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन (https://mhsrb.telangana.gov.in) 25 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से सक्षम किए जाएंगे और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 19 सितंबर को शाम 5 बजे है।

चिंतल स्थित स्व. श्रीमती पुकलीदेवी पंवार की स्मृति में आयोजित जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए भक्त भजन मंडली भुराराम, भैराराम, सोहननाथ। अवसर पर भजनों का आनन्द लेते हुए आयोजक ढगलाराम, प्रेम पंवार (सहसचिव), जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, सलाहकार सोहनलाल परिहार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, श्री आईजी बाल संस्कार अध्यक्ष मोहनलाल सोलंकी, बंसीलाल प्रजापत, परिवारजन व समाज बन्धु।

भारी बारिश के बीच एनपीडीसीएल ने सुरक्षा सावधानियां जारी कीं

वारंगल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) की उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अन्नामनेनी गोपाल राव ने मौसम विभाग की चेतावनी, अगले तीन दिनों में राज्य में भारी बारिश की आशंका के तहत एक बयान जारी कर बिजली उपभोक्ताओं, विशेष रूप से टीएसएनपीडीसीएल के तहत 17 जिलों के किसानों से सतर्क रहने और सावधानी बरतने का आग्रह किया है। मानसून की शुरुआत और विद्युत दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ने के साथ, गोपाल राव ने सभी से उचित आत्म-नियंत्रण बरतने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की

सूखे हाथों को बिजली के उपकरणों से दूर रखें

बच्चों के लिए सावधानी : छोटे बच्चों को सावधान रहना चाहिए कि वे बिजली के उपकरणों के पास न जाएं और छतों से दूर रहें जहां वे बिजली के तारों के संपर्क में आ सकते हैं।

सुरक्षित चार्जिंग प्रथाएं: चार्ज करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से बचें और केवल 3-पिन प्लग वाले गुणवत्ता वाले चार्जर का उपयोग करें। सुनिश्चित करें कि पोल से घर तक आने वाले सर्विस तार छतरी के शीर्ष को न छुएं।

नमी से संबंधित खतरों से सावधान रहें: मानसून के दौरान बिजली के खंभों और जमीन में नमी के कारण विद्युत दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

यदि किसी को बिजली का झटका लगता है, तो आसपास खड़े लोगों को उस व्यक्ति को सीधे नहीं छूना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें झटके के स्रोत से अलग करने के लिए गैर-प्रवाहकीय वस्तुओं जैसे छड़ें या प्लास्टिक का उपयोग करें।

कोई स्व-मरम्मत या ट्रांसफार्मर के करीब नहीं: किसी भी परिस्थिति में व्यक्तियों को स्वयं-मरम्मत का प्रयास नहीं करना चाहिए, और किसानों को ट्रांसफार्मर के पास जाने से बचना चाहिए। पोल से मोटर तक पीवीसी बक्से और निर्बाध, उच्च गुणवत्ता वाले सर्विस तारों का उपयोग करें।

उचित अर्थिंग: स्टार्टर्स के लिए उचित अर्थिंग सुनिश्चित करें और चालू मोटरों, पाइपों और फुट वाल्वों को छूने से बचें।

क्षतिग्रस्त तारों की सूचना दें : यदि आपको टूटे, लटकते या ढीले बिजली के तार दिखें तो तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचित करें।

मवेशियों को बिजली लाइनों के नीचे न रखें: किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए मवेशियों को बिजली लाइनों के नीचे न रखें।

सुरक्षात्मक बाड़: सुनिश्चित करें कि बिजली के तार खेतों में सुरक्षात्मक बाड़ को न छूएं।

बिजली और गरज के साथ पेड़ों के नीचे न रहें: बरसात के मौसम में बिजली और गरज के साथ, सुरक्षा कारणों से पेड़ों के नीचे न रहने की सलाह दी जाती है।

गोपाल राव ने यह भी बताया कि 16 सर्किलों में बिजली की निरंतर निगरानी के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय में एक समर्पित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो 24/7 संचालित होता है। बिजली से संबंधित किसी भी समस्या या शिकायत के लिए, **निवासी टोल-फ्री नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:** 1800 425 0028 या 19121 इसके अतिरिक्त, स्थानीय चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए प्रत्येक सर्कल का अपना नियंत्रण कक्ष होता है। टीएसएनपीडीसीएल ने सभी बिजली उपभोक्ताओं से आगामी मानसून सीजन के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने और सुरक्षित रहने का आग्रह किया है।

इंडिया-पाकिस्तान मैच एक दिन पहले हो सकता है

अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को होना है मुकाबला

अहमदाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप मैच को एक दिन पहले आयोजित किया जा सकता है। 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मैच होना है। इसी दिन नवरात्रि का त्योहार भी शुरू हो रहा है। जिसे देखते हुए सिक्योरिटी एजेंसी ने मैच की तारीख या वेन्यू बदलने का सुझाव दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मैच अब 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में ही हो सकता है। दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कल यानी गुरुवार को ही वर्ल्ड कप वेन्यू के स्टेट एसोसिएशन की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। माना जा रहा है मीटिंग में मैच की नई तारीख या वेन्यू बदलने पर फैसला लिया जा सकता है।

भीड़ बहुत ज्यादा होने से दिक्कतें होंगी- बीसीसीआई अधिकारी

नाम न बताने की शर्त पर बीसीसीआई के अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'हम दूसरे ऑप्शन (वेन्यू के) तलाश रहे हैं, जल्द ही फैसला ले लिया जाएगा। सिक्योरिटी एजेंसी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान का हाई प्रोफाइल मैच नवरात्रि पर है। मैच के लिए हजारों फैंस अहमदाबाद ट्रैवल करेंगे, इस दिन नवरात्रि की वजह से भी शहर में बहुत भीड़ रहेगी।'

इंग्लैंड-अफगानिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को हो सकता है

भारत और पाकिस्तान के बीच

मैच अगर 14 अक्टूबर को शिफ्ट हुआ तो इंग्लैंड-अफगानिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को कराया जा सकता है। शेड्यूल के अनुसार, फिलहाल 14 अक्टूबर को 2 मैच होंगे। न्यूजीलैंड-बांग्लादेश के बीच बेंगलुरु में पहला और इंग्लैंड-अफगानिस्तान के बीच दिल्ली में दूसरा मुकाबला होगा। दिल्ली में होने वाला मुकाबला दोपहर 2 बजे से होगा, भारत-पाक मैच भी 2 बजे से ही होना है, इसीलिए इसी मैच की तारीख बदली जा सकती है। बाकी मैचों की टाइमिंग और वेन्यू में कोई बदलाव नहीं होगा। टीम इंडिया पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया और दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगी। वहीं पाकिस्तान 6 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में नीदरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी। यानी अगर 14 अक्टूबर भारत-पाक मुकाबला हुआ तो भारत को 2 दिन का रेस्ट मिलेगा, जबकि पाकिस्तान को एक ही दिन का गैप मिलेगा।

जय शाह 27 जुलाई को मीटिंग करेंगे

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने 27 जुलाई को मीटिंग बुलाई है। मीटिंग नई दिल्ली में होगी, जिसमें वर्ल्ड कप मैच होस्ट करने वाले सभी स्टेट एसोसिएशन के अधिकारियों को बुलाया गया है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई स्टेट एसोसिएशन के सामने सिक्योरिटी समस्या का मुद्दा रखेगा। इसी मीटिंग में वेन्यू या तारीख बदलने का फैसला लिया जा सकता है। स्टेट एसोसिशन को भेजे गए लेटर में बताया गया, 'सभी वर्ल्ड कप एसोसिएशन से मीटिंग में शामिल होने की रिक्वेस्ट की जा रही है। मुझे लगता है कि सभी संबंधितों (राज्य एसोसिएशन) को मिलकर बोर्ड के सामने आ रही समस्या पर चर्चा करनी चाहिए और एक फैसले पर पहुंचना चाहिए।'

अहमदाबाद में वर्ल्ड कप फाइनल भी होगा

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 27 जून को ही वर्ल्ड कप का शेड्यूल अनाउंस कर दिया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को 5 मैच मिले। यहां 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला होगा। 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के साथ 2 अन्य लीग मैच भी इस स्टेडियम में होंगे। 19 नवंबर को टूर्नामेंट का फाइनल भी अहमदाबाद में ही होगा

तारीख बदली तो फैंस को परेशानी होगी

सिक्योरिटी एजेंसी का सुझाव मानकर अगर मैच का वेन्यू या तारीख बदली गई तो अहमदाबाद में ट्रैवल प्लान बना चुके फैंस को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। टूर्नामेंट के मैचों की टिकट बिक्री अब तक शुरू नहीं हुई है, लेकिन फैंस ने अहमदाबाद में होटल के कमरे बुक करना शुरू कर दिया है।

होटल के साथ हॉस्पिटल रूम भी बुक किए

आईसीसी के शेड्यूल जारी करते ही देश-विदेश से हजारों फैंस ने अहमदाबाद में होटल रूम बुक कर लिए। होटल मालिकों ने उम्मीद के अनुसार किराया बढ़ा दिया। जिसे देखते हुए फैंस ने 15 अक्टूबर के आस-पास की तारीखों के लिए हॉस्पिटल तक के कमरे बुक कर लिए। हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने बताया कि लोग फुल बॉडी चेक-अप के नाम पर कमरे बुक कर रहे हैं। अगर वेन्यू या तारीख बदली तो होटल और हॉस्पिटल रूम की बुकिंग भारी मात्रा में कैंसिल होने की आशंका है, क्योंकि मैच जिस भी जगह री-शेड्यूल हो, फैंस भारत-पाकिस्तान का मैच देखने के लिए वहां पहुंचना चाहेंगे।

9 अलग-अलग वेन्यू पर मैच खेलेगी टीम इंडिया

वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का ओपनिंग मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा। मैच चेन्नई में होगा, इसके बाद टीम को 15 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, इसलिए भारत को बाकी 9 टीमों से एक-एक मुकाबला खेलना है। टीम इंडिया टूर्नामेंट के 10 में से 9 अलग-अलग वेन्यू पर सभी मुकाबले खेलेगी।

2016 के वर्ल्ड कप में भी वेन्यू बदला गया था

भारत में 2016 का टी-20 वर्ल्ड कप भी हुआ था, तब इंडिया-पाकिस्तान मैच का ही वेन्यू चेंज करना पड़ गया था। 19 मार्च को दोनों टीमों के बीच धर्मशाला में ग्रुप स्टेज का मैच होना था, लेकिन सिक्योरिटी कारणों के चलते मैच को कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शिफ्ट कराया। भारत ने विराट कोहली की फिफ्टी के दम पर मुकाबला 6 विकेट से जीता था।

आयरलैंड दौरे पर बुमराह को मिल सकती है कप्तानी

हार्दिक, रोहित और सूर्यकुमार बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी करेंगे

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू हो रही टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कमान नया कप्तान संभाल सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस दौरे की टीम में शामिल हुए तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है।

खेल वेबसाइट क्रिक बज की रिपोर्ट के मुताबिक, सीनियर खिलाड़ियों को आयरलैंड दौरे से आराम मिलेगा। वहीं लिमिटेड ओवर्स टीम के उप कप्तान हार्दिक पंड्या और टी-20 स्पेशलिस्ट सूर्यकुमार यादव प्रमुख खिलाड़ियों के साथ बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी करेंगे।

आयरलैंड में होने हैं 3 टी-20 मैच, बुमराह ने बॉलिंग प्रैक्टिस शुरू की

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बॉलिंग करना शुरू कर दी है। वह पिछले कुछ समय से फुल-फ्लो में बॉलिंग कर रहे हैं। आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया 3 टी-20 ही खेलेगी, जहां बुमराह को एक मैच में 4 ही ओवर बॉलिंग करनी होगी। कम ओवर फेंकने से बुमराह पर बॉलिंग का ज्यादा दबाव नहीं होगा। ऐसे में वह एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप के लिए भी तैयार हो सकेंगे।

आयरलैंड में भारत को 18, 20 और 23 अगस्त को 3 टी-20 खेलने हैं। अगर आयरलैंड दौरे पर बुमराह को मौका मिला तो बाकी सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में उन्हें कप्तानी भी सौंपी जा सकती है।

बुमराह ने भारत के लिए एक टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कप्तानी की है। ये मुकाबला पिछले साल जुलाई में खेला गया, जिसमें भारत को हार मिली थी।

सभी खिलाड़ियों के साथ तैयारी करना चाहते हैं द्रविड़

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में एशिया कप की तैयारी का कैम्प 24 और 25 अगस्त को लगेगा। हेड कोच राहुल द्रविड़ ने इस कैम्प में टीम के सभी खिलाड़ियों के शामिल होने की मांग की है, क्योंकि वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी इसी टूर्नामेंट से पुख्ता की जा सकती है। इस सिचुएशन में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ हार्दिक पंड्या भी कैम्प का हिस्सा होंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए उप कप्तान बनाए गए सूर्यकुमार यादव भी एशिया कप के कैम्प में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में वनडे स्क्वॉड में लगातार जगह दी जा रही है। इस कैम्प से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को छूट मिल सकती है।

बेंगलुरु में कैम्प के बाद श्रीलंका जाएगी भारतीय टीम

द्रविड़ के साथ बाकी कोचिंग स्टाफ को आयरलैंड दौरे से आराम दिया गया है, ताकि वे एशिया कप और वर्ल्ड कप की तैयारी अच्छे से कर सकें। बेंगलुरु में 24 और 25 अगस्त को 2 दिन का ट्रेनिंग कैम्प लग सकता है। कैम्प के बाद टीम इंडिया एशिया कप खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो जाएगी।

एशिया कप में भारत का पहला मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा। अगर टीम फाइनल में पहुंची तो उन्हें यहां 6 मैच खेलने होंगे। टूर्नामेंट 17 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद भारत में ही टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी। 27 सितंबर को तीसरे वनडे के बाद 29 सितंबर से वर्ल्ड कप के वॉर्म-अप मैच भी शुरू हो जाएंगे।

बीसीसीआई ने मार्च तक का होम कैलेंडर जारी किया

भारत के होम कैलेंडर की शुरुआत सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से होगी। यह सीरीज 22 सितंबर से शुरू होगी। टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले अपने घर में ऑस्ट्रेलिया से 3 वनडे मैच खेलेगी। वर्ल्ड कप के बाद 23 नवंबर से 5 टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें जनवरी-फरवरी में भारतीय दौरे पर आएंगी।

जापान ओपन बैडमिंटन : श्रीकांत, प्रणय प्री-क्वार्टर फाइनल में

त्रेसा-गायत्री की जोड़ी जीती; आकर्षी को यामागुची ने हराया

टोक्यो, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 के मेंस सिंगल्स में प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं जापान की स्टार शटलर अकाने यामागुची के खिलाफ हार के साथ ही आकर्षी कश्यप टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रणय का सामना श्रीकांत से

टोक्यो में खेले जा रहे टूर्नामेंट मेंस सिंगल्स के पहले दौर में श्रीकांत ने ताइवान के चोउ तीएन-चेन को सीधे गेमों में हराया। श्रीकांत ने चेन को 21-13, 21-13 से मात दी।

वर्ल्ड नंबर-10 प्रणय ने चीन के ली शिफेंग को 21-17, 21-13 से हराकर अंतिम-16 में जगह पक्की की। प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रणय का सामना हमवतन श्रीकांत से होगा। विमेंस सिंगल्स में यामागुची ने आकर्षी को 17-21, 17-21 से हराया।

त्रेसा-गायत्री की जोड़ी ने जापानी जोड़ी को हराया

विमेंस डबल्स में त्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला की भारतीय जोड़ी ने जापान की सयाका होबारा और सुइजू की जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की। त्रेसा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने जापानी जोड़ी को 11-21, 21-15, 21-14 से मात दी।

मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी ताइवान की ये होंग वेई और ली चिया हिसन की जोड़ी के खिलाफ पहले गेम की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। भारतीय जोड़ी 21-18, 9-21, 18-21 से मुकाबला हारी।

मेंस डबल्स में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत 10वें स्थान पर काबिज लियो रॉली कारनांडो और डेनियल मार्थिन की इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ करेगी।

खन्ना में इंटरनेशनल खिलाड़ी का अपमान

मलेशिया से ब्रॉन्ज मेडल जीतकर लौटा; नहीं हुआ स्वागत, मायूस होकर संन्यास का ऐलान

खन्ना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के खन्ना में इंटरनेशनल पैरा कराटे खिलाड़ी का अपमान हुआ। मलेशिया में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाकर शहर लौटे इस खिलाड़ी का किसी ने भी स्वागत नहीं किया। इतना ही नहीं खिलाड़ी दिल्ली से रोडवेज की बस पकड़कर खन्ना पहुंचा था। खिलाड़ी तरुण शर्मा ने मायूस होकर संन्यास का ऐलान कर दिया। तरुण शर्मा 21 से 23 जुलाई तक आयोजित दूसरी एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत की तरफ से भाग लेने मलेशिया गया था। इस चैंपियनशिप में 43 देशों के पैरा खिलाड़ी पहुंचे थे। भारत की तरफ से मात्र दो खिलाड़ी एक तरुण शर्मा और दूसरा दिल्ली से था।

तरुण ने मलेशिया में अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। उसे उम्मीद थी कि जब वह शहर पहुंचेगा तो उसका मान सम्मान होगा।

लेकिन तरुण जब बस स्टैंड पर उतरा तो वहां उस उपलब्धि की खुशी का कोई नामोनिशान नहीं था। तरुण को लेने उसके कुछ दोस्त ही पहुंचे थे। इस दौरान तरुण ने मायूस होकर संन्यास का ऐलान कर दिया।

तरुण शर्मा पैरा कराटे खिलाड़ी हैं। गरीब परिवार से संबंधित हैं। पिता के साथ सब्जी की रेहड़ी लगाकर परिवार का गुजारा चलाता था। कुछ महीने पहले पिता की मौत हो गई। अब खुद रेहड़ी लगाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार देश और राज्य का नाम रोशन कर चुका है। लंबे समय से सरकार के पास नौकरी की गुहार लगा रहा है। किसी प्रकार की कोई सरकारी मदद नहीं मिल रही है।

अपने खेल के शौक को पूरा करने के लिए तरुण ने घर तक गिरवी रखा है। 12 लाख रुपए का कर्ज है। इस बार भी 1 लाख रुपए कर्ज लेकर मलेशिया खेलने गया। इतनी गरीबी है कि दिल्ली से वापस रोडवेज की बस में खन्ना लौटा। शहर पहुंचने पर भी जब किसी को तरुण की जीत पर खुशी महसूस नहीं देखी गई तो वह मायूस हो गया। इंटरनेशनल पैरा कराटे खिलाड़ी इतना मायूस हो गया था कि गुस्से में आकर बोला कि अब भुक्की, अफीम, शराब बेचूंगा। जिस तरीके से कर्ज है उसे उतारना भी है। बाद में थोड़ा शांत होकर तरुण ने कहा कि उसकी मजबूरी है। परिवार को पालना है। देखता हूं धान का सीजन चल रहा है 400 रुपए दिहाड़ी करूंगा।

मलेशियाई गेंदबाज स्याजरुल का वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी-20 में 7 विकेट लिए:ऐसा करने वाले पहले प्लेयर बने, चीन 23 रन पर ऑल आउट

कुआला लम्पुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मलेशिया के तेज गेंदबाज स्याजरुल इदरस ने इतिहास रचते हुए टी-20 इंटरनेशनल में 7 विकेट झटक लिए। वह ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। इदरस ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 8 ही रन दिए। उनकी परफॉर्मेंस के दम पर मलेशिया ने चीन को 23 रन पर ही ऑल आउट कर दिया। फिर 24 रन का टारगेट टीम ने 4.5 ओवर में ही हासिल कर लिया।

सभी विकेट बोल्ड कर लिए

मलेशिया के स्याजरुल ने टी-20 वर्ल्ड कप के एशिया-बी क्वालिफायर में 7 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने कुआला लम्पुर में जारी क्वालिफायर स्टेज के पहले ही मैच में चीन के खिलाफ ये कारनामा किया। खास बात ये रही कि उन्होंने सभी बैटर्स को इन-स्विंगर गेंदों पर बोल्ड ही किया।

7 विकेट लेने वाले पहले प्लेयर बने

स्याजरुल टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास में 7 विकेट लेने वाले पहले ही गेंदबाज बने। उन्होंने नाइजीरिया के पीटर आहो का रिकॉर्ड तोड़ा। पीटर ने 2021 में सीएरा लीयोन के खिलाफ 5 रन देकर 6 विकेट लिए थे। फुल मेंबर नेशन में भारत के दीपक चाहर के नाम बेस्ट बॉलिंग फिगर का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ महज 7 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

टी-20 में अब तक 12 खिलाड़ियों ने एक ही पारी में 6 विकेट लिए थे, लेकिन कोई भी गेंदबाज 7 विकेट नहीं ले सका था। इनमें एसोसिएट देशों के 6 और

टेस्ट खेलने वाले देशों के भी 6 खिलाड़ी शामिल हैं।

9 रन बनाने में चीन ने गंवाए 10 विकेट

कुआला लम्पुर के मैदान पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी चीन की टीम अपना पहला ही इंटरनेशनल टी-20 मैच खेल रही थी। टीम ने 4 ओवर में बगैर नुकसान के 12 रन बना लिए थे। तभी इदरस अपने स्पेल का दूसरा ओवर लेकर आए, उन्होंने पहली ही गेंद पर चीन को झटका दिया। इदरस ने ओवर में 2 और विकेट लिए।

इदरस ने अपने तीसरे और चौथे ओवर में 2-2 विकेट लेकर 7 विकेट के साथ स्पेल खत्म किया। उन्होंने 4 ओवर में महज 8 रन दिए और एक मेडन ओवर भी फेंका। उनका स्पेल खत्म होने के बाद चीन का स्कोर 9 ओवर में 9 विकेट पर 20 रन रन हो गया। कुछ ओवर बाद ही चीन 23 रन पर ऑल आउट हो गया।

29 गेंदों में जीता मलेशिया

24 रन के छोटे टारगेट का पीछा करने उतरी मलेशिया टीम ने 2 ओवर में 3 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। फिर विरनदीप सिंह ने 14 ही गेंदों पर ही 19 रन बनाए और अपनी टीम को जीत दिला दी। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और एक छक्का लगाया और टीम को 4.5 ओवर में टारगेट हासिल करा दिया।

8 रन देकर 7 विकेट लेने वाले स्याजरुल इदरस प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

5 टीमों में क्वालिफायर जारी

टी-20 वर्ल्ड कप के एशिया-बी क्वालिफायर्स मलेशिया के कुआला लम्पुर में 26 जुलाई से एक अगस्त तक जारी हैं। टूर्नामेंट में चीन और मलेशिया के अलावा भूटान, म्यांमार और थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट की टॉप टीम एशिया रीजनल क्वालिफायर्स में हिस्सा लेगी। रीजनल क्वालिफायर्स की विजेता टीम 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई कर जाएगी।

वर्ल्ड कप 2023: चैंपियन बनेगी टीम इंडिया!

बस करना होगा इस फॉर्मूले पर काम, बोले कपिल देव

कपिल देव ने कहा है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप 2023 जीतने की प्रबल दावेदार है, लेकिन रोहित के नेतृत्व में उतरने वाली टीम को फैंस की उम्मीदों के भार से निपटना होगा।

कपिल देव ने कहा है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप 2023 जीतने की प्रबल दावेदार है।

भारत को पहली बार चैंपियन बनाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने माना है कि 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप में टीम इंडिया जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलने वाली टीम को ट्रॉफी उठाने के लिए फैंस की उम्मीदों के भार से निपटना होगा। बता दें कि विश्व कप का आगाज 5 अक्टूबर से भारत की मेजबानी में ही होगा।

जो भी टीम होगी वह विश्व कप उठा सकती है- कपिल देव

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कपिल देव ने बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत हमेशा की तरह इस बार भी वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए प्रबल दावेदार है। अभी तक टीम की घोषणा भले ही ना की गई हो, लेकिन भारतीय टीम ट्रॉफी जरूर उठा सकती है, मैं नहीं जानता कि यह सब कैसे होगा? मुझे यकीन है कि जो भी टीम विश्व कप के लिए चुनी जाएगी वह भारत में चैंपियन बनने के लिए फैंस की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी।

फिटनेस की समस्या से निपटना होगा- कपिल देव

कपिल देव ने आगे कहा कि वर्ल्ड कप 12 साल बाद भारत में आ रहा है तो मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी इसके लिए पूरी तरह से तैयार होंगे। हालांकि इस दौरान कपिल देव ने फिटनेस को एक बड़ी समस्या जरूर माना। अपने करियर में कभी चोट के कारण टीम से बाहर नहीं होने वाले कपिल देव ने कहा है कि आजकल खिलाड़ियों का चोटिल होना आम हो गया है, हमें इस समस्या से निपटना होगा।

खिलाड़ियों के लिए आराम भी जरूरी- कपिल देव

जसप्रीत बुमराह के पिछले एक साल से क्रिकेट से दूर रहने पर कपिल देव ने कहा कि आजकल खिलाड़ी बहुत ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं, हम देखते हैं कि 10 महीने तक खिलाड़ी क्रिकेट खेलते हैं।

पूर्व क्रिकेटर युवराज की मां से 40 लाख फिरौती मांगी

5 लाख लेती रंगे हाथ पकड़ी गई, झूठे केस में फंसाने की दी थी धमकी

गुरुग्राम, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की मां शबनम सिंह से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। मंगलवार को 5 लाख एडवांस लेते हुए आरोपी युवती को गुरुग्राम पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। युवती ने झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर शबनम सिंह से 40 लाख रुपए मांगे थे।

युवराज सिंह की मां शबनम ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेस वन पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि साल 2022 में युवराज सिंह के छोटे भाई जोरावर सिंह के लिए हेमा कौशिक उर्फ डिम्पी नाम की केयरटेकर को नौकरी पर रखा था, क्योंकि जोरावर सिंह पिछले 10 सालों से डिप्रेशन की बीमारी से ग्रसित है।

शबनम सिंह ने बताया कि 20 दिनों के अंदर ही उन्हें लगा कि केयरटेकर हेमा कौशिक प्रोफेशनल नहीं है और वह उनके बेटे जोरावर सिंह को अपने जाल में फंसा रही है। इसी के चलते हेमा कौशिक को नौकरी से निकाल दिया।

इसके बाद मई 2023 में हेमा कौशिक का लगातार उनके पास वॉट्सऐप पर मैसेज और कॉल आने लगे। हेमा ने धमकी दी कि अगर उसे पैसे नहीं दिए गए तो वह उनके परिवार को झूठे केस में फंसा देगी और उन्हें बदनाम कर देगी। इस एवज में हेमा ने 40 लाख रुपए की मांग की।

युवराज की मां ने बताया कि 19 जुलाई को ही हेमा का उनके पास वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि वह 23 जुलाई को उनके खिलाफ केस दर्ज करा देगी। जिसके बाद उनके पूरे परिवार की बदनामी हो जाएगी। इस पर उन्होंने हेमा से इतनी बड़ी रकम इकट्ठा करने के लिए समय मांगा।

लियोनल मेसी का लगातार दूसरे मैच में धमाकेदार प्रदर्शन

14 मिनट में दागे दो गोल, इंटर मियामी को मिली जीत

खेल डेस्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मेसी ने लगातार दूसरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर 14 मिनट के अंतराल में दो गोल दाग दिए। इसके अलावा उन्होंने एक गोल असिस्ट भी किया। इंटर मियामी के लिए मेसी के अलावा रॉबर्ट टेलर ने भी दो गोल दागे। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में एक अर्जेंटीना के लियोनल मेसी का अमेरिका में धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। मेसी ने इंटर मियामी के लिए लीग कप के दूसरे मुकाबले में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के

साथ ही इंटर मियामी ने नॉकआउट राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया है। टीम अब राउंड-32 में पहुंच गई है। ग्रुप-जे में उसकी यह लगातार दूसरी जीत है। इंटर मियामी के दो मैच में छह अंक हो गए हैं। ग्रुप में क्रुज अजुल दूसरे और अटलांटा यूनाइटेड तीसरे स्थान पर है।

मेसी ने लगातार दूसरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर 14 मिनट के अंतराल में दो गोल दाग दिए। इसके अलावा उन्होंने एक गोल असिस्ट भी किया। इंटर मियामी के लिए मेसी के अलावा रॉबर्ट टेलर ने भी दो गोल दागे। मेसी ने पिछले मैच में क्रुज अजूल के खिलाफ डेब्यू किया था। दो मैच में उनके अब तीन गोल और एक असिस्ट हो गए हैं।

मैच में इंटर मियामी की शुरुआत जोरदार रही। मेसी ने आठवें मिनट में ही टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उन्होंने बार्सिलोना के अपने साथी सर्जियो बुस्केट्स के साथ मिलकर विपक्षी टीम पर दबाव डाला। बुस्केट्स ने अटलांटा के खिलाड़ियों को छकाते हुए मेसी की ओर गेंद को मारा। इंटर मियामी के कप्तान ने इसका फायदा उठाया और गेंद को लेकर गोलपोस्ट के करीब पहुंच गए। उन्होंने गोल के लिए शॉट लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट के खंभे से टकराकर वापस आ गई।

कार्यालय में सांप छोड़ते ही भाग खड़े हुए जीएचएमसी कर्मचारी

नाराज युवक ने अधिकारियों को सबक सिखाने के लिए उठाया कदम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के कर्मचारियों की लापरवाही से नाराज एक युवक ने उन्हें सबक सिखाने का नायाब तरीका निकाल लिया। बस्ती में सांप निकलने की सूचना मिलने के बाद भी जीएचएमसी के कर्मचारियों ने कोई कार्रवाई की। जीएचएमसी के कर्मचारियों का रवैया बस्ती के लोगों को बेहद दुखी करने वाला था। इसलिए युवक ने सांप को पकड़कर जीएचएमसी कार्यालय में छोड़ दिया। ज्ञात है कि हैदराबाद भारी बारिश के बाद से जूझ रहा है, क्योंकि कई इलाकों के निवासियों को अपने घरों में घुसे कमर तक पानी से गुजरना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण शहर भर के कुछ इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया है। सबसे बुरी तरह प्रभावित अलवाल क्षेत्र है, जहां सीवेज का पानी न केवल निचले इलाकों में भर गया है, बल्कि अपने साथ एक अप्रत्याशित आगंतुक भी लेकर आया है, जिससे निवासियों में डर पैदा हो गया है। कहा जा रहा है कि एक सांप बाढ़ के कारण पानी के साथ बहते हुए आवासीय क्षेत्र में पहुंच गया। बुधवार को अलवाल के एक घर में सांप घुस गया। सांप की उपस्थिति और बढ़ते जल स्तर पर बढ़ती चिंता

जीएचएमसी के कर्मचारियों का रवैया बस्ती के लोगों को बेहद दुखी करने वाला था।

से भयभीत, निवासियों ने तुरंत ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अधिकारियों से मदद मांगी। हालांकि, छह घंटे पहले एक संकट कॉल करने के बावजूद, कोई सहायता नहीं मिली। सांप के घर में रहने से निराशा और चिंता बढ़ गई, जिससे निवासियों के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया। प्रभावित लोगों में प्रभावित क्षेत्र में रहने वाला एक युवक संपत कुमार भी शामिल था। उसने मामलों को अपने हाथों में लेने का फैसला किया। अपनी अधीरता और गुस्से का प्रदर्शन करते हुए, कुमार ने सांप को पकड़ लिया। इसके बाद उसे लेकर अलवाल जीएचएमसी वार्ड कार्यालय में पहुंच गया और संबंधित अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए सांप को उनके मेज पर रख दिया। उसके इस कदम से अधिकारी और कर्मचारी आवाक रह गए। सांप को देखते हुए अपनी सीट को छोड़कर भाग खड़े हुए। इस घटना की दिनभर चर्चा होती रही।

अयोग्य विधायक वनमा ने स्थगन आदेश के लिए खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम विधानसभा क्षेत्र से अयोग्य विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव ने एक बार फिर तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। हाईकोर्ट ने उन्हें विधायक पद से अयोग्य घोषित कर दिया है। उन्होंने उच्च न्यायालय के समक्ष एक लंच मोशन याचिका दायर की और आग्रह किया कि जब तक वे इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती नहीं देते, तब तक उनके पद से अयोग्य ठहराए जाने के आदेश पर स्थगन आदेश जारी किया जाए। उनके वकील की दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। दूसरी ओर, पूर्व विधायक और बीआरएस पार्टी के नेता जलागम वेंकट राव, जिन्हें उच्च न्यायालय द्वारा कोत्तागुडेम का निर्वाचित विधायक घोषित किया गया है। उन्होंने तेलंगाना के सीईओ विकास राज से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने सीईओ को हाईकोर्ट के फैसले की प्रति सौंपी। जलागम वनमा की अयोग्यता के बाद ईसीआई द्वारा एक विधायक के रूप में मान्यता प्राप्त करना चाहते है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक सनसनीखेज फैसला लेते हुए कहा था कि कोत्तागुडेम विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव का चुनाव अवैध था। जलागम वेंकट राव को 12 दिसंबर, 2018 से कोत्तागुडेम विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा के लिए निर्वाचित घोषित किया गया है। यह सनसनीखेज फैसला जस्टिस डॉ. राधारानी ने जलागम वेंकट राव द्वारा दायर याचिका पर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके प्रतिद्वंद्वी वनमा वेंकटेश्वर राव ने चुनाव आयोग को फॉर्म 26 में अपनी और अपनी पत्नी की पूरी संपत्ति का विवरण नहीं दिया है। जलागम वेंकट राव का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील के रमेश के अनुसार, उच्च न्यायालय ने वेंकटेश्वर राव पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में, वनमा वेंकटेश्वर राव कांग्रेस पार्टी के टिकट पर बीआरएस उम्मीदवार जलागम वेंकट राव के खिलाफ 4,120 वोटों के अंतर से विधायक चुने गए। बाद में वह सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए।

महिलाओं में पढाई के प्रति रुचि जगाने के लिए नई पहल

सिर्फ महिलाओं के लिए विशेष पुस्तकालय, सभी सुविधाओं से लैस

करीमनगर, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में अपनी तरह के पहले कदम में, करीमनगर शहर में विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक अलग पुस्तकालय स्थापित किया गया है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों और अनेक विधाओं की पुस्तकों की व्यवस्था के अलावा महिला पाठकों के लिए भी सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

रामनगर में स्थित पुस्तकालय आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को आकर्षित कर रहा है क्योंकि विभिन्न प्रकार की किताबें जैसे कि समाज सुधारकों जैसे कि सावित्रीबाई फुले और अन्य के जीवन इतिहास उपलब्ध है। उपन्यास और व्यक्तित्व विकास की किताबें, सिलाई, खाना पकाने और रसोई युक्तियाँ, स्वास्थ्य, सौंदर्य देखभाल और अन्य पर किताबें भी उपलब्ध हं। पुस्तकालय की उत्पत्ति राज्य सरकार के सार्वजनिक वाचनालय की अवधारणा और उसके बाद सभी गांवों में ऐसे वाचनालयों की स्थापना के साथ पुस्तकों को लोगों के करीब ले जाने के प्रयासों के कारण हुई है।

महिला पुस्तकालय पहले चरण में जिले में स्थापित किए जाने वाले पांच सार्वजनिक वाचनालयों

में से एक है। प्रत्येक लाइब्रेरी पर करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च कर किताबें, फर्नीचर व अन्य सुविधाएं मुहैया करायी जा रही हैं। हर महीने, जिला पुस्तकालय प्राधिकरण प्रत्येक वाचनालय को समाचार पत्रों की खरीद और रखरखाव के लिए 2,000 रुपये प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ग्राम पंचायतों को पुस्तकालय खोलने के लिए एक कमरा उपलब्ध कराना होगा। स्थानीय पार्षद और उप महापौर चल्ला स्वरूपा रानी ने रामनगर में महिला पुस्तकालय स्थापित करने के लिए महिला संघम भवन उपलब्ध कराने की पहल की।

जिला पुस्तकालय प्राधिकार की ओर से करीब 15 हजार रुपये की विभिन्न विधाओं की किताबों के अलावा कुर्सियां, रैक, शौचालय समेत अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। स्थानीय महिला संघम पुस्तकालय का रखरखाव कर रहा है, जिसका उद्घाटन इस साल की शुरुआत में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के दौरान बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने किया था। जिला पुस्तकालय के अध्यक्ष पोन्नम अनिल कुमार गौड़ ने कहा कि यह पुस्तकालय राज्य में विशेष रूप से महिलाओं के लिए पहला पुस्तकालय है। उन्होंने कहा कि चूंकि स्थानीय पार्षद महिला संघम भवन उपलब्ध कराने के लिए आगे आए हैं, इसलिए रामनगर में वाचनालय की स्थापना की गई। अनिल कुमार गौड़ ने कहा कि वे महिला पुस्तकालय के लिए एक स्थायी भवन की योजना बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में पांच और वाचनालय स्थापित किए जाएंगे।

हर जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ी है सरकार : केसीआर

दिव्यांगों के कल्याण में तेलंगाना बना देश में मिसाल, 5,11,656 हुए लाभान्वित

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के गठन के बाद, सरकार ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों का समर्थन करने के लिए नवंबर 2014 में आसरा पेंशन योजना शुरू की, ताकि उन लोगों को दैनिक न्यूनतम जरूरतों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके, जिन्होंने अपनी आजीविका खो दी है। सामाजिक सुरक्षा के साथ सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रारंभ में, तेलंगाना सरकार ने बुजुर्गों, विकलांगों, एचआईवी-एड्स पीड़ितों, हथकरघा श्रमिकों और राजमिस्त्रियों को सहायता पेंशन प्रदान की। इसके अलावा सरकार ने मार्च'2015 से बीड़ी श्रमिकों, अप्रैल'2017 से एकल महिलाओं, अप्रैल'2018 से फाइलेरिया प्रभावित व्यक्तियों, अगस्त'2022 से डायलिसिस पीड़ितों के लिए आसरा पेंशन योजना लागू की है। तेलंगाना राज्य एकमात्र राज्य है जो बीड़ी श्रमिकों को पेंशन योग्य सहायता पेंशन प्रदान करता है। सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्रता आयु भी 65 से घटाकर 57 वर्ष कर दी है। इसके साथ ही सरकार ने अगस्त, 2022 में विभिन्न श्रेणियों के 10 लाख लाभार्थियों को नई वृद्धावस्था पेंशन के साथ-साथ नई सहायता पेंशन देने की मंजूरी दी। तेलंगाना सरकार समर्थन पेंशन के तहत विभिन्न श्रेणियों के तहत वित्तीय सुरक्षा के

रूप में प्रति माह 976 करोड़ 42 लाख रुपये प्रदान कर रही है। सरकार देश के हर उस घर के साथ खड़ी है जिसे वित्तीय सुरक्षा की जरूरत है। 2014 में जब तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था, तब पेंशन पाने वाले लाभार्थियों की संख्या केवल 28,47,855 थी। जून 2023 तक आसरा पेंशन लाभार्थियों की संख्या 43,81,338 तक पहुंच गई है। सरकार ने कठिन समय से जूझ रहे विभिन्न समुदायों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए मानवीय भावना से काम किया है। मासिक पेंशन राशि में भी चरणबद्ध तरीके से उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पहले सरकार बुजुर्गों, दिव्यांगों, हथकरघा कर्मियों और एड्स पीड़ितों को 200 रुपये प्रति माह पेंशन देती थी। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद सरकार ने विकलांगों के लिए मासिक पेंशन बढ़ाकर 2016 रुपये और 3016 रुपये कर दी। साथ ही सरकार बीड़ी श्रमिकों, एकल महिलाओं, शिक्षकों और डायलिसिस पीड़ितों को 2016 रुपये की सहायता पेंशन दे रही है। पात्रों को पेंशन दिए जाने से लाभार्थियों की संख्या में 2014 की तुलना में 15,33,483 की अतिरिक्त वृद्धि हुई है, जिससे सहायता पेंशन के लाभार्थियों की कुल संख्या 43,81,338 हो गई है। साथ ही 2014 में पेंशन के तहत प्रति माह दी जाने वाली रकम सिर्फ 67.47 करोड़ रुपये थी। आज यह 976.42 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. 2014 की तुलना में आसरा पेंशन लाभार्थियों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। तेलंगाना सरकार ने दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाकर 4016 रुपये कर दी है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने खुलासा किया है कि राज्य सरकार हर उस व्यक्ति के साथ खड़ी है जिसे समर्थन की आवश्यकता है।

मिजोरम में महज 100 रुपए पेंशन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश के विभिन्न राज्यों में विकलांग व्यक्तियों को दी जाने वाली मासिक पेंशन (रुपये में) तेलंगाना में 4016, कर्नाटक 1,100, राजस्थान 750, छत्तीसगढ़ 500, उत्तर प्रदेश 1,000, महाराष्ट्र 300, मध्य प्रदेश 300, आंध्र प्रदेश 3,000, बिहार 500, मिजोरम 100, ओडिशा 200, झारखंड 700, तमिलनाडु 1,000 केरल 1,300 है। तेलंगाना सरकार ने विकलांग लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके विकलांगों को दी जाने वाली मासिक पेंशन में वृद्धि की है, जिन्हें सहायता की आवश्यकता है। इस जुलाई माह से 3016 रुपये की विकलांगता पेंशन को बढ़ाकर 4016 रुपये कर दिया गया है। देश का कोई भी राज्य इतनी पेंशन नहीं दे रहा है। दिव्यांगों के कल्याण में तेलंगाना राज्य एक मिसाल बन गया है।

प्रकृति संरक्षण, बाघ जागरूकता पर होगा नेहरू प्राणी उद्यान में कार्यक्रम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रकृति संरक्षण और राजसी बाघ प्रजातियों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, नेहरू जूलॉजिकल पार्क ने क्रमशः 28 और 29 जुलाई को प्रकृति संरक्षण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने के लिए राज्य सरकार और तेलंगाना राज्य वन विभाग के साथ सहयोग किया है। प्रकृति संरक्षण दिवस पर, नेहरू प्राणी उद्यान सभी उम्र के लोगों को संरक्षण प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। दिन की शुरुआत एक के साथ होगी प्रकृति संरक्षण प्रश्नोत्तरी, प्रतिभागियों को वन्य जीवन, आवास और टिकाऊ प्रथाओं के बारे में प्रश्नों से चुनौती देना। प्रश्नोत्तरी के बाद चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अतिरिक्त, एक शिल्प-निर्माण सत्र आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का दूसरा दिन, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस, लुप्तप्राय बाघ प्रजातियों और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित होगा।

नेहरू प्राणी उद्यान ने आगंतुकों की रुचि बढ़ाने और उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की योजना बनाई है। दिन की शुरुआत चिड़ियाघर परिसर के अंदर बाघ-थीम वाली रैली के साथ होगी।

दमरे ने गुंतकल-मद्दीकेरा के बीच विद्युतीकरण के साथ दोहरी लाइन शुरू की

गुंटूर-गुंतकल दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण परियोजना का हिस्सा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने गुंटूर-गुंतकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में गुंतकल-मद्दिकेरा के बीच 10.7 किलोमीटर की दूरी के लिए दोहरी लाइन शुरू की है। गुंतकल स्टेशन सभी दिशाओं से आने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों को संभालने के लिए एक महत्वपूर्ण जंक्शन के रूप में कार्य करता है। गुंटूर-गुंटकल खंड आंध्र प्रदेश राज्य के महत्वपूर्ण शहर को रायलसीमा क्षेत्र और दक्षिण से परे जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह लाइन गुंटूर, प्रकाशम, पालनाडु, नंद्याल और कुर्नूल जिलों से होकर भीतरी इलाकों को जोड़ती है। इस खंड पर निर्बाध परिवहन प्रदान करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए, 3887 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 401 किलोमीटर की दूरी के लिए गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2016-17 में मंजूरी दी गई थी। अब तक नल्लापाडु-सतुलूर (32 किलोमीटर), मद्दिकेरा-धोन (57 किलोमीटर), बेतमचेरला-मलकापुरम (23 किलोमीटर), मुनुमका-सवल्यापुरम (22 किलोमीटर) और जग्गम्बोतला कृष्णापुरम-चीकाटेगलापालेम (87 किलोमीटर) के बीच दोहरीकरण और विद्युतीकरण पहले ही किया जा चुका है। पूरा किया गया और चालू किया गया। इसके साथ ही इस परियोजना का कुल 221 किलोमीटर का हिस्सा पूरा कर चालू कर दिया गया। अब, गुंतकल-मद्दीकेरा के बीच एक और 10.7 किलोमीटर के पूरा होने के साथ, गुंटूर-गुंतकल खंड के विभिन्न खंडों पर विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण कार्यों की कुल 232 किलोमीटर की दूरी पूरी हो गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि गुंतकल-मद्दीकेरा के बीच दोहरीकरण के पूरा होने के साथ, धोने से गुंतकल तक का निरंतर खंड अब दोहरी लाइन के साथ विद्युतीकृत हो गया है। परियोजना के शेष खंडों में कार्य तेजी से प्रगति पर है। इन खंडों में दोहरीकरण और विद्युतीकरण पूरा होने से न केवल खंड में भीड़भाड़ कम होगी बल्कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे न केवल इस खंड में नई ट्रेनों की शुरूआत की सुविधा होगी, बल्कि देश के पूर्वी हिस्सों जैसे विशाखापत्तनम, कलकत्ता और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र से आगे जाने वाली ट्रेनों को अधिक कुशलता से संचालित करने में भी मदद मिलेगी। दमरे के जीएम अरुण कुमार जैन ने परियोजना को पूरा करने में शामिल निर्माण संगठन और गुंतकल डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जोन भर में चल रही दोहरीकरण और तिहरीकरण परियोजनाओं को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक बार गुंतकल-गुंटूर परियोजना पूरी हो जाने पर, इस खंड की समग्र ट्रेन संचालन क्षमता बढ़ जाती है और ट्रेन संचालन में सुधार होता है।

गोदावरीखानी में खदान दुर्घटना में सिंगरेनी श्रमिक की मौत

पेद्दापल्ली, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के रामागुंडम-III डिवीजन के एड्डियाला लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट (एएलपी) में एक खदान दुर्घटना में एक सिंगरेनी श्रमिक, बुरला सरैया (42) की मौत हो गई। एक मल्टी-जॉब वर्कर, सरैया उस समय दुर्घटना का शिकार हो गया जब एक मशीन की हाइड्रोलिक नली टूट गई और जोर से उसकी छाती पर जा लगी। वह मौके पर ही गिर गया। सहकर्मी उसे खदान के शीर्ष पर ले आए और प्राथमिक उपचार प्रदान करने के बाद उसे गोदावरीखानी के सिंगरेनी क्षेत्र के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। हालाँकि, अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सेंटेनरी कॉलोनी, सरैया निवासी के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

पारदर्शी तरीके से वितरित किये जा रहे हैं डबल बेडरूम मकान : वेंकटरमण रेड्डी

भूपालपल्ली में 544 को 2बीएचके मकान स्वामित्व दस्तावेज वितरित किये गये

भूपालपल्ली, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर भावेश मिश्रा और स्थानीय विधायक गांद्र वेंकटरमण रेड्डी ने बुधवार को शहर के वेशालापल्ली में 544 डबल-बेडरूम घरों के लाभार्थियों को घर के स्वामित्व के दस्तावेज वितरित किए।

कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार ने भूपालपल्ली में दो ब्लॉकों में 960 2बीएचके घरों का निर्माण किया था, जिनमें से 544 घर ड्रॉ के माध्यम से लाभार्थियों को सौंप दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार ने 544 घरों में पेयजल आपूर्ति के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत किये हैं और जल्द ही हर घर में पानी पहुंचाने के लिए चापाकल का निर्माण कराया जायेगा।

विधायक वेंकटरमण रेड्डी ने कहा कि डबल बेडरूम वाले घर केवल योग्य लोगों को पारदर्शी तरीके से वितरित किए जाते हैं और लाभार्थियों के लिए 53 लाख रुपये से विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए यहां एक सामुदायिक हॉल स्थापित किया गया है जो राज्य में कहीं भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने लोगों से परिसर को साफ-सुथरा रखने और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव द्वारा वांछित महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने का प्रयास करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सेगम वेंकट रानी, उपाध्यक्ष कोटा हरिबाबू, फ्लोर लीडर गंद्रा हरीश, स्थानीय पार्षद बी. राजिता, नगर आयुक्त अनिल और अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एपी में 24 घंटों में पांच स्थानों पर भारी वर्षा

मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

अमरावती, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि मंगलवार सुबह 8:30 बजे से 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश में कम से कम पांच स्थानों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। अनकापल्ली जिले के नरसीपट्टनम और एलुरु जिले के नुजिवीडु में 12-12 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारी ने बुधवार को बताया कि इसी नाम के जिले के एलुरु शहर में 11 सेमी बारिश हुई, इसके बाद अल्लूरी सीतामराजू जिले के चिंतूर और कृष्णा जिले के मछलीपट्टनम में 10 सेमी बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्षा वर्गीकरण के अनुसार, 24 घंटे की अवधि के भीतर 64.5 मिमी (6.45 सेमी) से 115.5 मिमी (11.5 सेमी) तक की बारिश को भारी बारिश माना जाता है, और 115.6 मिमी से 204.4 मिमी को बहुत भारी बारिश माना जाता है। तीन स्थानों पर 9 सेमी वर्षा दर्ज की गई, कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा और कुकुनूर और पोलावरम (एलुरु) में, जबकि विजयवाड़ा शहर में 8 सेमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा, 24 घंटे की अवधि के दौरान आठ स्थानों पर विशाखापत्तनम शहर, एलुरु जिले में कोय्यलागुडेम और कैकालुरु, कुनावरम (अल्लूरी सीतारमराजू), लामा (गुंटूर), सोमपेटा (श्रीकाकुलम) तुनी (काकीनाडा) और नंदीगामा (एनटीआर) 7 सेमी बारिश दर्ज की गई।

इस बीच, मौसम विभाग ने नोट किया कि उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों के पास पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, और अभी तक दबाव में तब्दील नहीं हुआ है।

अधिकारी ने कहा, इस मौसम प्रणाली के प्रभाव में, बुधवार और गुरुवार को दक्षिणी राज्य के तटीय एपी और रायलसीमा क्षेत्रों में कई स्थानों पर मध्यम बारिश (24 घंटे की अवधि के भीतर 15.6 मिमी से 64.4 मिमी) होने की संभावना है। विजयवाड़ा शहर और आसपास के गांवों में बुधवार को लगातार बारिश हो रही है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने गुरुवार को एलुरु, एनटीआर, पलनाडु, गुंटूर और कृष्णा जिलों में एक या दो स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (24 घंटे की अवधि में 204.5 मिमी से अधिक) की भविष्यवाणी की है, जिसमें इन सभी जिलों में बहुत भारी वर्षा भी शामिल है। इसने गुरुवार को प्रकाशम, बापटला, पश्चिम गोदावरी और अल्लूरी सीतारामाराजू जिलों में एक या दो स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

इसी तरह, कोनसीमा, काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी, कुरनूल, नंद्याल और अनंतपुर जिले के एक या दो स्थानों पर एक ही दिन में भारी वर्षा का अनुमान लगाया गया है।

शुक्रवार को अल्लूरी सीतारामाराजू और एलुरु जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा का अनुमान लगाया गया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है क्योंकि पश्चिम-मध्य और निकटवर्ती उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी सुझाव दिया है कि अधिकारी बाढ़, भूस्खलन, पेड़ों के उखड़ने, फसल की क्षति और यातायात की भीड़ को रोकने के लिए उपाय करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.